निर्वाचन आयोग ने एनआईए से कहा- देसी बमों का उपयोग रोका जाए-12

एटीएफ कीमतों पर जल्द राहत दे सरकार, एयरलाइंस संगठनों की मांग-12

ट्रंप को झटका, न्यूयॉर्क में एनपीटी समीक्षा सम्मेलन में ईरान को चुना गया उपाध्यक्ष-13

प्रभसिमरन सिंह व मार्कस स्टोइनिस के अर्धशतकों से पंजाब ने चार विकेट पर 222 रन बनाए-14

आज का मौसम
32.0⁰ अधिकतम तापमान
30.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.32
सूर्यास्त 06.46

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 07:51 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2083

बुधवार, 29 अप्रैल 2026, वर्ष 6, अंक 63, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

गंगा एक्सप्रेसवे का आज पीएम मोदी करेंगे लोकार्पण

नई दिल्ली/हरदोई

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर में आज एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को प्रदेश के सबसे लंबे और महत्वाकांक्षी 'गंगा एक्सप्रेसवे' का लोकार्पण करेंगे। लगभग 36,230 करोड़ रुपये की लागत से बना यह 594 किमी लंबा एक्सप्रेसवे पश्चिमी उत्तर प्रदेश को सीधे पूर्वी उत्तर प्रदेश से जोड़ेगा।

लोकार्पण का मुख्य कार्यक्रम हरदोई जिले के मल्लावां में आयोजित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री यहाँ एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे और एक्सप्रेसवे के एक हिस्से का पैदल भ्रमण भी कर सकते हैं।

- मेरठ से प्रयागराज का सफर मात्र 6 घंटे में, हरदोई में होगा भव्य समारोह

प्रशासन ने सुरक्षा और तैयारियों के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं।

आर्थिक क्रांति का आधार : माना जा रहा है कि यह एक्सप्रेसवे न केवल सफर को आसान बनाएगा, बल्कि इसके किनारे इंडस्ट्रियल क्लस्टर विकसित होने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के लाखों नए अवसर पैदा होंगे। उद्घाटन के तुरंत बाद आम जनता के लिए इसे खोल दिया जाएगा और वाहनों का संचालन शुरू हो जाएगा।

12 जिलों और 519 गांवों को सीधा लाभ

यह एक्सप्रेसवे मेरठ के बिजौली गांव से शुरू होकर प्रयागराज के जूदापुर दांडू गांव तक जाता है। यह मार्ग हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली और प्रतापगढ़ समेत कुल 12 जिलों से होकर गुजरता है। इसके शुरू होने से मेरठ से प्रयागराज की दूरी, जो पहले 12-14 घंटे में तय होती थी, अब घटकर मात्र 6 से 7 घंटे रह जाएगी।

खासियतें जो बनाती हैं इसे 'सुपर हाईवे'

इमरजेंसी एयरस्ट्रिप : शाहजहांपुर में 3.5 किमी लंबी हवाई पट्टी बनाई गई है, जहाँ युद्ध की स्थिति में वायुसेना के लड़ाकू विमान उतर सकेंगे।

हाई-स्पीड सफर : इस 6-लेन (जिसे 8-लेन तक बढ़ाया जा सकता है) एक्सप्रेसवे पर वाहनों के लिए 120 किमी/घंटा की रफ्तार तय की गई है।

आधुनिक सुविधाएं : यात्रियों के लिए रास्ते में ट्रॉमा सेंटर, फूड कोर्ट और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन की सुविधा मिलेगी।

बंगाल चुनावः दूसरे चरण का मतदान आज

नई दिल्ली/कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए बुधवार को 142 सीटों पर मतदान हो रहा है। चुनाव आयोग ने इस चरण को आपराधिक तत्वों से मुक्त रखने और बमबाजी की घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी की सेवाएं लेने का बड़ा फैसला किया है। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार, राज्य में चुनावी हिंसा के पुराने इतिहास को देखते हुए सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं। बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ-साथ इस बार विशेष रूप से एनआईए को तैनात किया गया है ताकि बमों के इस्तेमाल और किसी भी आतंकी या आपराधिक साजिश को नाकाम किया जा सके। राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए हो रहे इस चुनाव के पहले चरण (23 अप्रैल) में 93 प्रतिशत रिकॉर्ड मतदान हुआ था, हालांकि कुछ जगहों पर पथराव और हिंसा की छिटपुट घटनाएं भी हुई थीं। इसी को देखते हुए दूसरे चरण के लिए आयोग अधिक सतर्क है। आज हो रहे मतदान के लिए पोलिंग पार्टियां कल ही केंद्रों पर पहुँच चुकी थीं। इस पूरे चुनाव की मतगणना 4 मई को होगी।

महिला सशक्तीकरण के प्रयासों पर न हो राजनीति

उत्तराखंड विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- मुख्यमंत्री धामी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विस को किया संबोधित
- विपक्ष पर बोला हमला, कहा- कांग्रेस ने एक युगांतरकारी निर्णय रोक किया महापाप

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा के लिए मंगलवार को आयोजित विधानसभा के विशेष सत्र-'नारी सम्मान-लोकतंत्र में अधिकार' को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने सदन के सामने महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने के उद्देश्य से लाए गए नारी शक्ति वंदन बिल को यथाशीघ्र लागू करने के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों का समर्थन करते हुए सर्वसम्मत संकल्प व्यक्त करने का प्रस्ताव रखा। सदन से अपील की कि मातृशक्ति के सशक्तीकरण के लिए किए जा रहे उपायों का समर्थन करने में किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं होनी चाहिए। कहा कि, नारी शक्ति के सामर्थ्य को समझते हुए ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्ष 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम लेकर आए थे। इस ऐतिहासिक अधिनियम के अंतर्गत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया था। ये इन सदनों में केवल मातृशक्ति की संख्या बढ़ाने का प्रयास भर नहीं था, बल्कि नीति-निर्माण की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक युगांतरकारी कदम था। प्रधानमंत्री ने इस विराट संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए सभी देशवासियों व राजनीतिक दलों से भी सहयोग और समर्थन का आह्वान किया था। कहा कि, इसी कड़ी में प्रधानमंत्री ने अगले लोस चुनावों तक देश की आधी आबादी को अधिकार दिलाने के उद्देश्य से 16 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाकर इस ऐतिहासिक संकल्प को साकार करने की दिशा में निर्णायक प्रयास किया परंतु कांग्रेस और सहयोगी परिवारवादी दलों ने मिलकर इस ऐतिहासिक और युग परिवर्तनकारी पहल को अपने राजनीतिक स्वार्थ के कारण संसद में पारित होने से रोक दिया।

माता सीता के अपमान पर हुआ था रावण का अंत

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा में जिस प्रकार कांग्रेसी सदस्य बोल रहे थे, उसे सुनकर मुझे पुनः उसी अहंकार का आभास हुआ, जिस अहंकार से लंकापति रावण ग्रसित था। हमारे कांग्रेसी साथी शायद ये भूल गए कि तीनों लोकों को जीतने का दंभ भरने वाले उस अहंकारी रावण का पतन भी माता सीता के अपमान के कारण ही हुआ था। मुझे तो लगता है कि, कांग्रेस अब नारी शक्ति के इस अपमान के बाद कहीं वेंटीलेटर पर न चली जाए।

कौरवों की भांति किया नारी शक्ति का अपमान

मुख्यमंत्री धामी ने सदन में आरोप लगाया कि, लोकसभा में संख्या बल के कारण जब बिल पारित नहीं हो पाया तो कांग्रेस के युवराज के नेतृत्व में विपक्ष के लोग तालियां बजा रहे थे, मेजें थपथपा रहे थे। उस दृश्य को देख मुझे महाभारत की वह सभा याद आ गई, जिसमें कौरवों ने जोर-जोर से हंसते हुए द्रौपदी का अपमान किया था। आरोप लगाया कि, जिस प्रकार एक अबला नारी के अपमान पर दुर्योधन, दुशासन और अन्य कौरव खुश हो रहे थे, उसी प्रकार संसद में नारी शक्ति का अधिकार छीनकर कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी, सपा के सम्राट अखिलेश यादव सहित तृणमूल के युवराज अभिषेक बनर्जी और स्टालिन आदि की पार्टियों के नेता खुश हो रहे थे। इन विपक्षी नेताओं ने कौरवों की भांति ही नारीशक्ति को अपमानित करने का काम किया है।

परिवारवादी दल देश की बहन-बेटियों को संसद नहीं आने देना चाहते : मोदी

काशी में जन आक्रोश महिला सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर साधा निशाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

वाराणसी में महिला सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब, प्रधानमंत्री ने किया जनता का अभिवादन।

- 6332 करोड़ की परियोजनाओं का पीएम ने किया शिलान्यास व लोकार्पण
- बनारस-पुणे व अयोध्या-मुंबई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई

अमृत विचारः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ परिवारवादी दल नारी शक्ति से भयभीत हैं और नहीं चाहते कि महिलाएं विधानसभा और संसद तक पहुंचें। उन्होंने कहा कि विपक्ष को डर है कि यदि देश की बहन-बेटियां राजनीति में आईं, तो उनकी पारंपरिक राजनीति समाप्त हो जाएगी।

पीएम मोदी मंगलवार दोपहर दो दिवसीय दौरे पर काशी आने के बाद शाम को बरेका में आधी आबादी से खचाखच भरे जन आक्रोश महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। यहां महिलाओं के बीच से होकर पीएम मंच पर पहुंचे। उन्होंने जैसे ही 6332 करोड़ रुपये की 163 योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया, पूरा पंडाल "हर-हर महादेव" और "मां गंगा" के जयघोष से गूंज उठा। पीएम ने बनारस-पुणे व अयोध्या-मुंबई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी भी दिखाई। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मेलन में "हर-हर महादेव" के उद्घोष के साथ संबोधन की शुरुआत की। काशी की आध्यात्मिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नगरी माता श्रृंगार गौरी, माता अन्नपूर्णा, माता विशालाक्षी, माता संकट मोचन की शक्ति और मां गंगा की पावन धारा से समृद्ध है। प्रधानमंत्री ने काशी की महिलाओं को नमन करते हुए कहा कि आज का यह अवसर नारी शक्ति के वंदन और विकास का उत्सव है। मोदी ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी और एनडीए की सोच "नारी शक्ति का सम्मान" और "नागरिक देवो भवः" की भावना पर आधारित है। प्रधानमंत्री ने महिलाओं से आह्वान किया कि वे देश को विकसित बनाने के इस अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी करें।

पीएम ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में लंबे समय तक महिलाएं उपेक्षित रहीं। उन्होंने कहा कि कई बार महिलाओं से सवाल तक नहीं पूछे जाते थे और सीधे निर्णय थोप दिए जाते थे। यह स्थिति केवल काशी ही नहीं, बल्कि देश के अधिकांश हिस्सों में बहन-बेटियों का अनुभव रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब वह करीब 25 वर्ष पहले गुजरात के मुख्यमंत्री बने, तब उन्होंने इस सोच को बदलने का संकल्प लिया।

उस मां को नमन जिन्होंने मोदी जैसे पुत्र को जन्म दिया : नितिन नबीन

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने अपने भावुक संबोधन में कहा कि वह उस मां को नमन करते हैं, जिन्होंने नरेंद्र मोदी जैसे पुत्र को जन्म दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिए किए गए कार्य सराहना और गर्व के पात्र हैं। ट्रिपल तलाक पर लिए गए फैसले से मुस्लिम महिलाओं को सम्मान मिला है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से करोड़ों महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली है।

न्यूज ब्रीफ

आरटीई दाखिले में देरी मौलिक अधिकार का हनन : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने पूर्व-प्राथमिक शिक्षा को 'राष्ट्रीय मिशन' बताते हुए कहा है कि आरटीई के तहत गरीब बच्चों को दाखिला देना निजी स्कूलों की संवैधानिक जिम्मेदारी है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सरकार द्वारा आवंटित छात्रों को प्रवेश देने से मना करना अनुच्छेद 21ए के तहत शिक्षा के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। यह आदेश लखनऊ के एक मामले में आया, जहाँ लखनऊ पब्लिक स्कूल ने सरकारी सूची में नाम होने के बावजूद एक छात्र को 'पात्रता में अनिश्चितता' का हवाला देकर प्रवेश नहीं दिया था। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि स्कूलों के पास आवंटन के बाद देरी करने का कोई कानूनी आधार नहीं है और उन्हें समाज के वंचित वर्गों के लिए आरक्षित 25% सीटों का नियम सख्ती से मानना होगा।

पंजाब में विस्फोट, रेलवे ट्रैक उड़ाने की कोशिश

चंडीगढ़। पटियाला के शंभू इलाके के पास सोमवार देर रात एक मालगाड़ी कॉरिडोर की रेलवे पटरी पर विस्फोट की घटना सामने आई है। पुलिस ने मंगलवार को इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए चार संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। एसएसपी वरुण शर्मा ने बताया कि यह रेलवे पटरी को क्षति पहुंचाने का प्रयास था। विस्फोट से पटरी को आंशिक नुकसान पहुँचा है और घटनास्थल पर एक छोटा गड्ढा बन गया है। पुलिस को मौके से एक शव भी बरामद हुआ है, जिसकी पहचान की जा रही है। पिछले तीन महीनों में क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी यह दूसरी बड़ी घटना है।

डिजिटल अरेस्ट वाले 9,400 वॉट्सएप ब्लॉक

नई दिल्ली। देश में बढ़ते 'डिजिटल अरेस्ट' घोटाले पर नकेल कसते हुए केंद्र सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय को सूचित किया कि वर्ष 2026 में अब तक वॉट्सएप ने लगभग 9,400 संदिग्ध अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया है। इन खातों का इस्तेमाल लोगों से अवैध वसूली के लिए किया जा रहा था। **विस्तृत देश-दुनिया पर**

मौसम बिगड़ा, आंधी-बारिश का अलर्ट

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- बागेश्वर में कई घरों-गोशालाओं की छतें उड़ीं, चार लोग हुए घायल
- जिला आपदा विभाग ने लोगों से की सतर्क और सुरक्षित रहने की अपील

अमृत विचारः प्रदेश में गढ़वाल से लेकर कुमाऊं तक कई जिलों में मंगलवार रात से मौसम बदलना शुरू हो गया है।

उच्च पर्वतीय इलाकों में हल्की बर्फबारी हुई तो निचले इलाकों में बारिश देखने को मिली। वहीं, बागेश्वर में शाम को आए आंधी-तूफान से कई मकानों और गोशालाओं की छतें उड़ने और पेड़ गिरने से दो महिलाओं सहित चार लोग घायल हो गए। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी, बागेश्वर शिखा सुयाल के अनुसार जनहानि की कोई सूचना नहीं है, लेकिन कई मकानों और गोशालाओं को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने आम लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। वहीं, मौसम विभाग देहरादून के पूर्वानुमान के अनुसार, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों 4400 मीटर या उससे अधिक) में बर्फबारी भी हो सकती है।

मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए बताया है कि देहरादून, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कहीं-कहीं आकाशीय बिजली चमकने, तेज बारिश के दौर और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चल सकती हैं। राज्य के अन्य पर्वतीय क्षेत्रों में भी इसी तरह की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। मैदानी जिलों हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में भी कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने और बारिश होने के आसार हैं।

बड़ी कार्रवाईः ईडी ने कुर्क किया अनिल अंबानी का फ्लैट और बेटे का फार्महाउस

नई दिल्ली, एजेंसी

- 3,034 करोड़ की संपत्ति पर कार्रवाई; कोकिलाबेन अंबानी की प्रॉपर्टी भी शामिल
- वित्तीय लेन-देन की तह तक जाने के लिए सबूतों को खंगाल रहीं जांच एजेंसियां

ईडी ने रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) से जुड़े बैंक धोखाधड़ी और धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) मामले में बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने मंगलवार को उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई स्थित फ्लैट और उनके बेटे जय अंशुल अंबानी के खंडाला स्थित फार्महाउस को कुर्क कर लिया। यह कार्रवाई 3,034 करोड़ रुपये के अस्थायी कुर्की आदेश के तहत की गई है।

ईडी ने एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई है। आरकॉम, अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस अनिल अंबानी समूह (आरएएजी) की प्रमुख कंपनी है। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज की गई विभिन्न प्राथमिकियों पर आधारित है। यह शिकायतें भारतीय स्टेट बैंक, पीएनबी, बैंक ऑफ बड़ौदा और एलआईसी जैसे प्रमुख वित्तीय संस्थानों द्वारा आरकॉम और अनिल अंबानी के खिलाफ दर्ज कराई गई थीं। रिलायंस अनिल अंबानी समूह (आरएएजी) के प्रवक्ता ने इस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि कुर्क की गई संपत्तियों में से कुछ अनिल अंबानी की मां कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी के नाम पर भी हैं। जांच एजेंसी अब इस मामले के वित्तीय लेन-देन की तह तक जाने के लिए सबूतों को खंगाल रही है।

हर धार्मिक संस्था के लिए नियम जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मंदिर हो या दरगाह, हर संस्थान के कामकाज के लिए व्यवस्थित ढांचा-नियम जरूरी

उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि किसी भी धार्मिक संस्था के प्रबंधन के अधिकार का अर्थ 'व्यवस्था का अभाव' नहीं हो सकता। नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने मंगलवार को कहा कि चाहे मंदिर हो या दरगाह, हर संस्थान के कामकाज के लिए एक व्यवस्थित ढांचा और नियम होना अनिवार्य है, ताकि अराजकता की स्थिति पैदा न हो।

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्ला ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि प्रबंधन के अधिकार का मतलब ढांचे का अभाव नहीं है। हर संस्था में धार्मिक क्रियाओं का एक तरीका और कार्यों के संपादन का क्रम होता है जिसे विनियमित करना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि कोई भी व्यक्ति अपनी मर्जी से काम करे या द्वार बिना किसी नियंत्रण के खुले रहें। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह प्रबंधन और नियम संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन नहीं कर सकते। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ-सदस्यीय पीठ केरल के शबरिमला मंदिर सहित विभिन्न धर्मों में महिलाओं के साथ भेदभाव और धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। पीठ में न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना, न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्ला सहित अन्य वरिष्ठ न्यायाधीश शामिल हैं।

हजरत ख्वाजा निजामुद्दीन औलिया की दरगाह से जुड़ी चिश्ती निजामी परंपरा की ओर से अधिवक्ता निजाम पाशा ने दलील दी कि दरगाह में प्रवेश को विनियमित करना प्रबंधन का हिस्सा है।

तकनीक | 73 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में लगी आधुनिक तकनीक; लागत हुई आधी और एथनॉल उत्पादन में भी भारी उछाल दर्ज

ड्रिप इरीगेशन से गन्ना उत्पादन में 25% तक बढ़ोतरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊः

उप्र की योगी सरकार द्वारा कृषि में आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग की 'ड्रिप इरीगेशन' (बूंद-बूंद सिंचाई) योजना के चलते राज्य में गन्ने के उत्पादन में 25 प्रतिशत तक की प्रभावशाली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कम बारिश और सीमित संसाधनों वाले क्षेत्रों के लिए यह तकनीक वरदान साबित हो रही है।

9 साल में 73 हजार हेक्टेयर क्षेत्र कवर : विभागीय आंकड़ों के अनुसार, पिछले नौ वर्षों में प्रदेश के 73,078 हेक्टेयर गन्ना क्षेत्र में ड्रिप इरीगेशन संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। इस तकनीक की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसमें पौधों की जड़ों तक सीधे बूंद-बूंद पानी पहुँचाया जाता है। इससे न केवल 50 प्रतिशत तक जल की बचत होती है, बल्कि उर्वरकों (खाद) को पानी में घोलकर सीधे पौधों तक पहुँचाने से खाद की खपत भी आधी रह गई है। लागत में कमी और उत्पादन में वृद्धि से किसानों की आय में सीधा सुधार हुआ है।

एथनॉल उत्पादन में यूपी की लंबी छलांग

गन्ने की खेती के साथ-साथ प्रदेश में एथनॉल के मोर्चे पर भी बड़ी सफलता मिली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि :

चीनी मिलों का विस्तार : वर्ष 2017 तक केवल 37 चीनी मिलों में एथनॉल प्लांट थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 53 हो गई है।

उत्पादन में वृद्धि : एथनॉल उत्पादन क्षमता 88 करोड़ लीटर से बढ़कर अब 258 करोड़ लीटर वार्षिक हो गई है।

वास्तविक उत्पादन : वास्तविक उत्पादन भी 42 करोड़ लीटर से बढ़कर 137 करोड़ लीटर तक पहुँच चुका है।

कम बारिश वाले क्षेत्रों को मिला सहारा

कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक उन इलाकों के लिए गेम-चेंजर साबित हुई है जहाँ भूमि क्षारयुक्त है या बारिश कम होती है। ड्रिप इरीगेशन और एथनॉल उत्पादन के इस दोहरे मॉडल से न केवल किसानों को उनके गन्ने का बेहतर मूल्य मिल रहा है, बल्कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिली है। सरकार का दावा है कि ये कदम किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य की ओर एक बड़ा कदम हैं।

स्टेट ब्रीफ

हाईकोर्ट ने शासनादेश किया निरस्त

नैनीताल : हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की पीठ ने स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत और सेवानिवृत्त स्टाफ नर्सों के वेतन का पुनर्निर्धारण कर पूर्व में दिए उच्चीकृत वेतन की रिकवरी के शासनादेश को निरस्त करते हुए इसकी रिकवरी छह माह में वापस देने को कहा है। पीठ ने यह भी कहा कि अगर वेतन पुनर्निर्धारण से सम्बंधित कुछ बचा है तो उसे तीन माह में निस्तारित करें।

हाईकोर्ट ने 2 मई तक मांगा जवाब

नैनीताल : हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की पीठ ने भीमताल की निजी यूनिवर्सिटी की लखनऊ निवासी छात्रा वैश्वी तोमर की हॉस्टल में हुई संदिग्ध हालात में मौत के मामले की जांच संबंधी याचिका पर सुनवाई की। पीठ ने सरकार सहित थाना पुलिस से यह बताने को कहा कि आखिर मौत की जानकारी संबंधित क्षेत्र के मजिस्ट्रेट को क्यों नहीं दी गयी। इस संबंध में पीठ ने आगामी 2 मई को कोर्ट को अवगत कराने के निर्देश दिए हैं।

सचिव हाईकोर्ट में तलब

नैनीताल : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने वर्ष 2018 में हुई फॉरेस्ट गार्ड भर्ती प्रक्रिया से जुड़े मामले में यूकेएसएसएससी के सचिव को 6 मई को अदालत में तलब किया है। मामला भर्ती प्रक्रिया से जुड़े 9 अभ्यर्थियों से जुड़ा है, जिन पर परीक्षा के दौरान कथित रूप से नकल करने के आरोप हैं।

विपक्ष विरोध न करता तो राज्य में 35 सीटों पर महिला आरक्षण होता

नारी शक्ति वंदन संविधान संशोधन विधेयकः सीएम धामी ने की विपक्ष की आलोचना

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को संसद में 'नारी शक्ति वंदन संविधान संशोधन विधेयक' पारित न होने देने के लिए विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि अगर यह पारित हो जाता तो परिसीमन के बाद राज्य विधानसभा में 35 सीट महिलाओं के लिए आरक्षित हो जातीं।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि कुछ लोग उत्तराखंड में भी महिला आरक्षण पर वही झूठ और भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि परिसीमन के बाद उत्तराखंड विधानसभा में कुल सीटों की संख्या 105 हो सकती थी, जिसमें से 35 महिलाओं के लिए आरक्षित हो सकती थी।

इसी तरह सांसदों कि संख्या भी 5 से बढ़कर 7 या 8 हो जाती, इससे हर किसी का फायदा ही था, फिर भी विपक्ष ने बिल पास नहीं होने दिया। कहा कि यदि सामान्य घरों से महिलाएं राजनीति में आ जाएंगी तो कुछ दलों की वंशवादी राजनीति की दुकानें बंद हो जाएंगी। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी के पहले मंत्रिमंडल और राजीव गांधी की कैबिनेट में केवल एक-एक महिला मंत्री थीं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मौजूदा मंत्रिमंडल में 7 महिला मंत्री हैं।

शाह ने निकाली परिसीमन के बहाने की हवा

मुख्यमंत्री ने कहा कि, कांग्रेस महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर लोगों को अब भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। इनके परिसीमन वाले बहाने की तो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में ही हवा निकाल दी। गृहमंत्री ने लोकसभा में ये स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया में परिसीमन के माध्यम से किसी भी राज्य की सीटों के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा इसीलिए सीटें बढ़ाने का प्राविधान बिल में रखा गया। सच्चाई तो ये है कि कांग्रेस ने दशकों तक सत्ता में रहने के बावजूद महिलाओं को उनका वास्तविक अधिकार देने के बारे में कभी कोई ठोस कदम नहीं उठाया। पर जब पहली बार किसी ने सच्चे मन से महिलाओं के हित में कार्य करने का प्रयास किया तो उसे भी नहीं करने दिया।

एक दिन जरूर पूरा होगा संकल्प

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए राज्य में सर्वप्रथम समान नागरिक संहिता को लागू करने का ऐतिहासिक कार्य किया है। यूसीसी से उत्तराखंड की मुस्लिम बहन-बेटियों को हलाला, इद्दत, बहुविवाह, बाल विवाह और तीन तलाक जैसी कुरीतियों से मुक्ति मिली है। अब यूसीसी की मांग पूरे देश में उठ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने धारा 370 हटाने, अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर निर्माण और दुश्मन को उसके घर में घुसकर मारने का काम किया है। उसी प्रकार मोदी सरकार देश की आधी आबादी को उनका पूरा अधिकार दिलाने का ऐतिहासिक कार्य भी अवश्य करेगी। मुख्यमंत्री ने विपक्ष से अपील की कि, मातृशक्ति के सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर दलगत हितों से ऊपर उठकर सकारात्मक और स्पष्ट रुख अपनाया जाए, ताकि देश की आधी आबादी को उनका उचित अधिकार मिल सके।

राजधानी में मातृशक्ति के साथ महिला आक्रोश मशाल यात्रा में प्रतिभाग करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

सड़कों पर मातृशक्ति, प्रचंड प्रदर्शन

वरिष्ठ संवाददाता, देहरादून

- गांधी पार्क से घंटाघर तक सीएम धामी के नेतृत्व में महिला आक्रोश मशाल यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

अमृत विचारः राजधानी में मंगलवार को गांधी पार्क से घंटाघर तक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में आयोजित महिला आक्रोश मशाल यात्रा ने प्रदेश में नया संदेश दिया। महिला आरक्षण बिल गिरने के विरोध में इस प्रचंड प्रदर्शन में भारी संख्या में शामिल महिलाओं ने कहा कि, अब नारी शक्ति अपने अधिकारों को लेकर पूरी तरह सजग और मुखर हो चुकी है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मशाल यात्रा केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन नहीं, बल्कि उन ताकतों के खिलाफ जनाक्रोश है जो महिलाओं के अधिकारों में बाधा डालने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने संकेत दिया कि राज्य ही नहीं, बल्कि पूरे देश की नारी अब अपने सम्मान और अधिकारों के लिए एकजुट होकर खड़ी है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर अप्रत्यक्ष हमला किया कि कुछ राजनीतिक दल महिलाओं के अधिकारों को लेकर गंभीर नहीं हैं और उन्होंने हमेशा इसे केवल एक राजनीतिक मुद्दा बनाकर रखा। नई पीढ़ी की महिलाएं अब इन बातों को समझ चुकी हैं और समय आने पर लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देंगी।

कहा कि आज की भारतीय नारी केवल दर्शक नहीं, बल्कि निर्णय लेने वाली शक्ति बन रही है। केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए किए गए प्रयासों को उन्होंने परिवर्तनकारी बताया और यह संकेत दिया कि अब नीतियां केवल कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जमीन पर दिखाई दे रही हैं। समाज में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी कुछ परंपरागत और परिवारवादी राजनीति करने वाले दलों को असहज कर रही है। इसी कारण वे महिलाओं को उनका वास्तविक अधिकार देने से कतराते रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार मातृशक्ति के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। महिलाओं की प्रगति ही प्रदेश और देश के विकास का आधार है। इस दौरान, राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य, विधायक सविता कपूर, आशा नौटियाल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

विस के विशेष सत्र में विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- संसद में नारी शक्ति वंदन संविधान संशोधन पारित न होने का भाजपा ने किया विरोध
- कांग्रेस सदस्यों ने किया हंगामा, सदन अनिश्चितकाल को स्थगित

अमृत विचारः उत्तराखंड विधानसभा के विशेष सत्र में संसद में नारी शक्ति वंदन संविधान संशोधन विधेयक पारित न होने देने के लिए मंगलवार को कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया।

इस दौरान सदन में मौजूद रहे कांग्रेस सदस्यों ने इसका विरोध करते हुए हंगामा किया जिसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी। इससे पहले, संसदीय कार्य मंत्री सुबोध उनियाल ने महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण के मुद्दे पर विपक्ष के असहयोगी रुख के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पेश किया जिसे पारित कर दिया गया।

'नारी सम्मान-लोकतंत्र में अधिकार' विषय पर चर्चा के लिए बुलाए गए एक दिवसीय विशेष सत्र में इससे पहले, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य सहित अनेक सदस्यों ने अपने विचार रखे।

मुख्यमंत्री ने विधेयक पारित न होने देने के लिए विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें हर राजनीतिक दल को फायदा ही था लेकिन फिर भी विपक्ष ने इस विधेयक को पारित नहीं होने दिया। सनातन संस्कृति में नारी को देवी माने जाने तथा भारत में रानी लक्ष्मीबाई से लेकर अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला तक नारी शक्ति के उदाहरणों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी अब केवल 'सहभागिता' तक सीमित नहीं है, बल्कि 'नेतृत्व' की भूमिका भी निभा रही है।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने संशोधन विधेयक की तकनीकी व्यवहार्यता पर सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा का नारी शक्ति वंदन विधेयक के जरिए 2029 से महिलाओं को आरक्षण देने का दावा भ्रामक है क्योंकि यह विधेयक जनगणना और परिसीमन से जुड़ा हुआ है।

आर्य ने कहा कि 2026 में शुरू हुई जनगणना 2027 तक पूरी होगी और अंतिम आंकड़ों के प्रकाशन में कम से कम दो साल और लगेंगे। इसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया में भी छह साल का समय लगेगा। इस विधेयक का वास्तविक क्रियान्वयन होना 2034 से पहले संभव ही नहीं है। कहा कि यह मुद्दा भाजपा का अपनी 'राजनीतिक जमीन बचाने' का एक रणनीतिक प्रयास है।

कॉर्बेट में पहुंचे ओम बिरला, हुए रोमांचित

रामनगरः खुले आसमान के नीचे स्वच्छंद विचरण करते वन्य जीवों खासकर बाघ के दर्शन कर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी रोमांचित हुए बिना नहीं रह सके। ढिकाला (ओल्ड एफआरएच) में रुके बिरला ने मंगलवार सुबह जिप्सी से कार्बेट पार्क के क्षेत्र ख़िनानौली, गैरल, सुल्तान आदि क्षेत्रों का भ्रमण किया। इस दौरान जहां उन्हें साभर रोड पर बाघ के दर्शन हुए। वहीं, ग्रास लैंड पर मदमस्त घूमते हाथियों के झुंड एवं कुलांचे भरते हिरणों के झुंड भी दिखाई दिए। सीटीआर के निदेशक डॉ. साकेत बडोला ने उन्हें कार्बेट की जैव विविधता, यहां विचरण करने वाले वन्य जीवों की दुनिया के विषय में विस्तार से जानकारी दी। कार्बेट के प्रबंधन पर उन्होंने सीटीआर की सराहना की। उन्होंने धनगढ़ी गेट पर वन्य जीव संरक्षण एवं जंगलों की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वन्य कर्मियों को पुष्प चक्र अर्पित श्रद्धांजलि दी।

चारधाम यात्रा आर्थिकी का बेस नकारात्मक माहौल नहीं बनाएं

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश में चारधाम यात्रा चल रही है लेकिन कुछ लोग रील बनाकर इसे राजनीति की भेंट चढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होने ऐसे लोगों से कहा कि वे सरकार और बीकेटीसी कर सकते हैं लेकिन ऐसा न हो कि हमारी पवित्र चारधाम यात्रा का विरोध करना ही शुरू कर दें। केदारनाथ धाम तो महादेव का स्थल है, सरकार यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने का प्रयास कर रही है। यात्रा हमारी सामूहिक आस्था की कठिन यात्रा है। ये यात्रा उत्तराखंड की आर्थिकी के लिए भी लाइफलाइन का काम करती है इसलिए नकारात्मक बातों से चारधाम यात्रा का विरोध न करें, बल्कि यात्रा और यात्रियों को प्रोत्साहन प्रदान करें।

बोले मुख्यमंत्री धामी-प्रदेश में गैस का संकट नहीं

मुख्यमंत्री ने गैस को लेकर उठाए गए प्रश्न पर स्पष्ट किया प्रदेश में गैस किल्लल नहीं है, इस बारे में उनकी एक दिन पहले ही केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री से मुलाकात हुई है। कहा कि इस समय पश्चिम एशिया में युद्ध चल रहा है। युद्ध मात्र भारत की चुनौती नहीं है बल्कि पूरी दुनिया इससे प्रभावित है लेकिन हमारे पास प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी जैसा नेतृत्व है जिनके नेतृत्व में दुनिया पर छाए युद्ध के बादल के बीच भारत में उत्सव मनाए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि कोरोना के समय भी दुनिया ने भारत को लेकर ऐसी ही आशंका व्यक्त की थी कि भारत इस महामारी से नहीं संभल पाएगा लेकिन बाद में भारत ने न सिर्फ महामारी पर सबसे पहले अंकुश प्राप्त किया, बल्कि 100 से अधिक देशों को वैक्सीन भिजवाकर उन्हें भी इस संकट से बाहर निकालने का काम किया।

शिक्षा के मामले में समझौता नहीं : मुख्यमंत्री ने कहा कि सबको शिक्षा का अधिकार मिले, इसके अंतर्गत मदरसा बोर्ड पर कार्य किया गया है। सरकार किसी को भी शिक्षा के नाम पर बांटना नहीं चाहती। शिक्षा के मामले में अल्पसंख्यक और न कोई बहुसंख्यक है।

मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों को आधुनिक और अच्छी शिक्षा, साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, एआई का लाभ मिले, इसके लिए काम किया गया है। विरासत और इतिहास से सबक लेते हुए हम आगे बढ़ने का काम कर रहे हैं। अगर इतिहास में कुछ अच्छा नहीं हुआ है तो उसे भी बताना पड़ेगा।

सीएम ने कहा कि हमारी सरकार में ही आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय बढ़ा है इसलिए आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को उम्मीद भी हमारी सरकार से है।

चारों धाम में पहुंचे 407961 श्रद्धालु

देहरादूनः देवभूमि उत्तराखंड में स्थित श्री यमुनोत्री, श्री गंगोत्री, श्री केदारनाथ और श्री बदरीनाथ यानी चारों धामों में मंगलवार शाम पांच बजे तक चार लाख, सात हजार 961 श्रद्धालु दर्शनार्थ पहुंच चुके थे। राज्य आपात प्रबंधन प्राधिकरण से प्राप्त अद्यतन स्थिति के अनुसार, बीते 24 घंटों में श्री यमुनोत्री धाम में 6812 लोग पहुंचे। कपाट खुलने के बाद से यहां अब तक 57704 लोग अब तक आ चुके हैं। श्री गंगोत्री धाम में 7110 लोग पहुंचे हैं। यहां अब तक 57863 भक्तगण दर्शनों के लिए आए हैं। इसी तरह पिछले 24 घंटों में ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग श्री केदारनाथ धाम में 21134 भक्त पहुंचे जबकि कपाट खुलने के बाद से आज शाम तक यहां 02,07,452 शिव भक्त आ चुके हैं। बैकुंठ धाम श्री बदरीनाथ में भी मंगलवार को 15898 श्रद्धालुओं का आगमन हुआ। अब तक यहां 84,942 भक्त दर्शनों को पधार चुके हैं।

संसद के दोनों सदनों में बुलाएं विशेष सत्रः आर्य

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने आरोप लगाया कि, भाजपा सरकार महिलाओं के अधिकारों के मुद्दे पर विफल साबित हुई है। सरकार को महिला आरक्षण कानून 2023 की मूल भावना का सम्मान करते हुए वर्ष 2027 के उत्तराखंड विस तथा 2029 के लोकसभा चुनावों में मौजूदा सीटों की संख्या के 33 प्रतिशत पर महिलाओं को आरक्षण तत्काल लागू करना चाहिए।

आर्य ने कहा कि यदि इसके लिए केंद्र सरकार को संसद के दोनों सदनों में दोबारा संविधान संशोधन विधेयक लाना पड़े, तो बिना देरी के विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा सरकार जानबूझकर इस ऐतिहासिक कानून को लागू करने में टालमटोल कर रही है, जिससे यह साफ है कि उसकी नीयत महिलाओं को अधिकार देने की नहीं, बल्कि उन्हें इंतजार में रखने की है।

धामी के संबोधन में निशाने पर युवराज

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- कसे तंज, कहा-भ्रमित करने वाली राजनीति करता है विपक्ष

अमृत विचारः नेता सदन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सदन में विशेष संबोधन में संपूर्ण विपक्ष के साथ ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी खास निशाने पर रहे।

मुख्यमंत्री अपने संबोधन के बीच-बीच में कांग्रेस पर तंज कसते रहे। संबोधन के दौरान विपक्ष से पूछा कि-कांग्रेस ने ही बदला था ना, तीन तलाक वाला जजमेंट..... शाह बानो वाला केस तो आपको याद ही होगा। कांग्रेस पर महिला हित में कोई खास काम न करने का दावा करते कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प से ही आज देश के सामान्य घरों की बेटियां रसोई से रायसीना हिल तक का सफर तय कर रही हैं। यह भी कहा कि, विपक्ष के साथी सचिवालय, विधानसभा और अन्य जगहों पर लगीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की तस्वीर पर भी एक नजर अवश्य डाल लिया करें। खटीमा चुनाव को लेकर भी मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि, जनजातीय समाज के वोटों को कैसे भ्रमित किया जाता है, इसे मुझसे बेहतर शायद ही कोई समझ सकता हो। पिछले विधानसभा चुनाव में खटीमा में जिस प्रकार का दुष्प्रचार किया गया, वो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण था। विरोधियों के सफेद झूठ से मुझे खटीमा से हार का सामना करना पड़ा और आज

थारू भाई-बहन स्वयं मानते हैं कि वे विपक्ष के झूठे प्रचार के बहकावे में आ गए थे। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि, विपक्ष के लोग सिर्फ देश की मातृशक्ति को भ्रमित करने की राजनीति करते आए हैं। कांग्रेस के लिए तो बस इंदिरा जी, सोनिया जी और प्रियंका जी ही मातृ शक्ति का प्रतीक हैं। सामान्य महिलाओं के बारे में इनकी क्या राय है, ये तंदूर कांड करने वाले इनके नेता बहुत पहले बता चुके हैं।

कहा कि, आज प्रधानमंत्री अगर किसी विधवा को, बुजुर्ग को, होनहार बेटी को फिर किसी गरीब को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि भेजते हैं तो पूरी की पूरी राशि उनके खातों में सीधे पहुंचती है। विपक्ष पर तंज कसा कि, ये बात भी आपके समझ के बाहर की बात है, क्योंकि जो देश की आधी आबादी का अधिकार खा गए उनको इससे क्या फर्क पड़ता है। शौचालयों पर कांग्रेस की घेराबंदी करते बोले कि, खुले में शौच करने का दर्द क्या होता है, ये बात कांग्रेस के युवराज क्या जानें, वे तो 'सिल्वर स्पून' लेकर पैदा हुए हैं।

महिला आरक्षण की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन करतीं महिला कांग्रेस कार्यकर्ता।

महिला आरक्षण को लागू करने में देरी बर्दाश्त नहीं

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- विधानसभा का घेराव करने पहुंची महिला कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

अमृत विचारः 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को तत्काल प्रभाव से लागू करने की मांग को लेकर मंगलवार को विधानसभा का घेराव करने पहुंची महिला कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया।

उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में महिला कार्यकर्ताओं ने आक्रोश मार्च निकाला। विधानसभा से कुछ दूरी पहले ही पुलिस प्रशासन द्वारा बैरिकेडिंग लगाकर मार्च को रोक दिया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक हुई तथा बैरिकेडिंग पार करने को लेकर हल्की झड़प की स्थिति भी बनी। पुलिस द्वारा कई महिला कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर पुलिस लाइन ले जाया गया। अध्यक्ष रौतेला ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि, संसद द्वारा वर्ष 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने के बावजूद आज तक 33 फीसदी महिला आरक्षण लागू नहीं किया जाना सरकार की नीयत पर सवाल खड़ा करता है।

जनगणना और परिसीमन के नाम पर महिलाओं के अधिकार को लगातार टाला जा रहा है, जिसे महिला कांग्रेस किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेगी। जब तक महिलाओं को उनका हक नहीं मिलेगा, हमारा संघर्ष जारी रहेगा। इस दौरान हरक सिंह रावत, जया कर्नाटक, पुष्पा पवार, अंशुल त्यागी, आशा रावत, सुशीला शर्मा, अंजू मिश्रा, शशि शाह, अनीता सकलानी, शोभा बडोनी सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विस के प्रवेश द्वार पर कांग्रेस का हंगामा

देहरादूनः महिला आरक्षण को तुरंत लागू करने की मांग को लेकर कांग्रेस विधान मंडल दल ने विशेष सत्र शुरू होने से पहले विस के प्रवेश द्वार पर धरना-प्रदर्शन किया। कांग्रेस विधायकों ने एक स्वर में महिला आरक्षण के साथ-साथ महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान की भी मांग उठाई और अंकिता भंडारी सहित सभी पीड़ित बेटियों को न्याय दिलाने की मांग को दोहराया। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के अनुसार, विधानसभा में कांग्रेस के सभी विधायकों के हस्ताक्षरों के साथ महिला आरक्षण अधिनियम 2023 के अनुरूप 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का संकल्प प्रस्तुत किया गया लेकिन विस अध्यक्ष द्वारा इस संकल्प को स्वीकार न करना महिलाओं के प्रति खुला अन्याय है।

विपक्ष की बात | सदन में पटल पर बोले सुमित हृदयेश, कहा, पंचायत और निकाय चुनाव में भी है आरक्षण

मौजूदा सीटों पर महिला आरक्षण बिल तुरंत लागू करें

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः उत्तराखंड विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश ने अपनी बात रखी। आरोप लगाते हुए कहा कि महिला आरक्षण बिल साल 2023 में संसद में पास हो चुका है और अब केवल परिसीमन के नाम पर एक गलत नैरेटिव फैलाया जा रहा है।

आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में चुनाव चल रहे हैं। इसलिए यह सब नैरेटिव फैलाया जा रहा है। विदेशी कूटनीति विफल हो चुकी है। ईरान युद्ध में शांति वार्ता पाकिस्तान में की जा रही है जबकि ईरान हमारा पुराना दोस्त था। यह इस सरकार की विफलता है, जिसे छिपाने के लिए यह नैरेटिव बनाया गया है। कहा कि, जब 1946 में संविधान सभा समिति बनी थी तब 299 सदस्यों में 15 महिलाएं थीं। तब महिला आरक्षण की बात पर तय हुआ कि महिलाएं सशक्त हैं और जहां से चाहें लड़ सकती हैं। 1987 में पीएम राजीव गांधी ने मार्गेट अल्वा के नेतृत्व में 14 सदस्यों की कमेटी बनाई। 1989 में राजीव गांधी ने शहरी और ग्रामीण संस्थाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई स्थान बनाने का प्रावधान किया। बाद में पीवी नरसिम्हा सरकार में चुनाव में महिलाओं के लिए पंचायत और शहरी निकाय में आरक्षण की व्यवस्था की गई। हमारे प्रदेश में भी पंचायत और निकाय चुनाव में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। इसलिए साल 2023 में जो बिल पारित हुआ था उसको लागू कर दिया जाना चाहिए। केंद्र को संसद और विधानसभा की मौजूदा सीटों पर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना चाहिए।

महिला आरक्षण बिल पास हो चुका है

विधायक सुमित हृदयेश ने सदन के बाहर प्रेस वार्ता में आरोप लगाया कि यह विशेष सत्र भाजपा का केवल पॉलिटिकल एजेंडा है। जहां-जहां भाजपा सरकार है, वहां यह ड्रामा किया जाएगा। महिला आरक्षण बिल पर भाजपा केवल भ्रम फैला रही है। महिला आरक्षण बिल पास हो चुका है। परिसीमन का बिल है जो पास नहीं हुआ है। केंद्र को चाहिए कि महिला आरक्षण बिल को तुरंत लागू करे।

विस के बाहर पलटी गन्ने की ट्रॉली

देहरादूनः विस के विशेष सत्र से पहले विधानसभा परिसर के बाहर गन्ने से भरी ट्रॉली पलटकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान किसानों के बकाये भुगतान का मुद्दा भी उठाया गया।

विधानसभा में मंगलवार को बुलाए गए विशेष सत्र के आरंभ होने से पहले विधानसभा परिसर के बाहर झबरेड़ा से कांग्रेस विधायक वीरेन्द्र जाती ने किसानों की समस्याओं को लेकर विरोध दर्ज कराया।

विधायक इस दौरान गन्ने से लदी ट्रॉली लेकर विधानसभा पहुंचे। इस दौरान मुख्य गेट के बाहर ट्रॉली को पलट दिया गया जिसके कारण गन्ना सड़क पर फैल गया। हालांकि मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने तुरंत स्थिति को संभाल लिया।

सिटी इंवेंट्स

- लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला की एटीआई नैनीताल में वन पंचायत प्रतिनिधियों संग बैठक होगी 12 :30 बजे
- लोकसभा अध्यक्ष की एटीआई में पंचायती राज संस्थाओं व स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों संग वार्ता 4 बजे
- उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन शाखा काठगोदाम डिपो का चुनाव 1 बजे

सिटी ब्रीफ

आज जज फार्म में सात घंटे गुल रहेगी बिजली

हल्द्वानी : उर्जा निगम द्वारा जारी रोस्टर के अनुसार शहर के कई क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। मंगलवार को कुसुमखेड़ा फीडर से जुड़े इलाकों में सुबह 9 से शाम 4 बजे तक बिजली गुल रही, जिससे लोगों को परेशानी हुई। बुधवार को टीपीनगर बिजलीघर के जज फार्म फीडर से जुड़े क्षेत्रों में भी इसी समय बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। अधिशासी अभियंता एसके गुप्ता ने बताया कि पेड़ों की कटाई-छंटाई के चलते शटडाउन लिया गया है।

सदस्यता अपडेट होने पर मिलेगा तरणताल में प्रवेश

हल्द्वानी : गौलापार अंतराष्ट्रीय स्टेडियम में बने तरणताल में प्रवेश के लिए खेल विभाग की ओर से सभी सदस्यों के लिए सूचना जारी की है। जारी सूचना के अनुसार, सभी सदस्यों को 30 अप्रैल तक अपने-अपने सदस्यता कार्ड का नवीनीकरण कराना है। खेल विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि के बाद बिना नवीनीकरण वाले कार्ड धारकों को तरणताल में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। खेल विभाग ने सदस्यों से अनुरोध किया गया है कि वे अंतिम तिथि से पहले ही नवीनीकरण प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

गोरखपुर-लालकुआं ट्रेन 1 मई से 10 जुलाई तक रद्द

हल्द्वानी : गोरखपुर-लालकुआं साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के 11 फेरों को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। रेलवे प्रशासन के अनुसार गोरखपुर-लालकुआं ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 1 मई से 10 जुलाई तक रद रहेगी। वहीं, वापसी में लालकुआं-गोरखपुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 2 मई से 11 जुलाई तक नहीं चलेगी। इज्जतनगर रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाने से पहले ट्रेन की स्थिति की जानकारी जरूर ले लें।

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून ने जतायी तेज हवाओं और भारी बारिश की संभावना

फिलहाल मौसम का मिजाज रहेगा नरम, मई से हावी होगा अल नीनो

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः मौसम का गरम मिजाज नरम पड़ने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून ने संभावना जतायी है कि अगले 24 घंटे में तेज हवाओं और भारी बारिश होगी। इसमें नैनीताल जिला भी शामिल है। वहीं, पश्चिमी विक्षोभ का असर पांच मई तक बना रहेगा।

हालांकि अगले महीने की शुरुआत से ही अल नीनो का भी प्रभाव दिखना शुरू हो सकता है, जिससे गर्मी का असर और तेज होने की आशंका है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की ताजा रिपोर्ट में मई की शुरुआत में अल नीनो के सक्रिय होने की संभावना जताई गई है। साथ ही वैज्ञानिक अब इसके "सुपर अल नीनो" में बदलने की संभावनाओं पर नजर बनाए हुए हैं। डब्ल्यूएमओ के अनुसार, यह पूर्वानुमान दुनिया के कई प्रमुख मौसम संस्थानों के आकलन से मेल खाता है। कई जलवायु मॉडल संकेत दे रहे हैं कि अल नीनो के साथ इसकी तीव्रता धीरे-धीरे बढ़ सकती है। यदि परिस्थितियां अनुकूल रहीं तो जुलाई तक यह पूरी तरह विकसित हो सकता है, जिसके बाद इसके प्रभाव अधिक स्पष्ट रूप से सामने आएंगे। अल नीनो की स्थिति तब मानी जाती है जब उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में समुद्री सतह का तापमान लगातार कई महीनों तक औसत से 0.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक बना रहे। साथ वायुमंडलीय बदलाव भी इसी अनुरूप होते हैं।

हवाओं के चलते लोगों को गर्मी से मिली थोड़ा राहत

हल्द्वानी : मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून ने अगले 24 घंटे में तेज हवाओं और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिसमें नैनीताल जिला भी शामिल है। बुधवार से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है और पश्चिमी विक्षोभ का असर पांच मई तक बना रहेगा। हल्द्वानी में हाल के दिनों में तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की गई है। अधिकतम तापमान 36 .4 डिग्री और न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस रहा। बादलों और हल्की हवाओं के चलते लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, चमोली, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, बागेश्वर और नैनीताल जिलों में भारी बारिश की संभावना है, जबकि अन्य क्षेत्रों में भी वर्षा हो सकती है।

मानसून पर भी पड़ेगा असर

नैनीताल नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ . नरेंद्र सिंह के अनुसार, अल नीनो के प्रभाव से भारतीय मानसून प्रभावित हो सकता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग पहले ही सामान्य से कम वर्षा का संकेत दे चुका है। ऐसे में आने वाले महीनों में तापमान और बारिश के पैटर्न पर विशेष नजर रहेगी।

हल्द्वानी में बढ़ा पेयजल संकट, जनता परेशान

हल्द्वानीः गर्मी का प्रकोप बढ़ने के साथ ही शहर में पेयजल संकट गहराने लगा है। शहर के दमुवाढुंगा, लालडाठ रोड, विकास नगर, कठघरिया और बजूनिया हल्दू क्षेत्रों में भारी जल संकट बना हुआ है। इन इलाकों में पानी की आपूर्ति सुचारु रखने के लिए जल संस्थान ने करीब 20 टैंकर लगाए हैं, जो नियमित रूप से पानी पहुंचा रहे हैं। अधिशासी अभियंता आरएस लोशाली के अनुसार, जहां-जहां से शिकायतें मिल रही हैं, वहां विभागीय टीमें समस्या का समाधान कर रही हैं। उधर, गौला नदी का जलस्तर घटकर 100 क्यूसेक रह गया है, जिसमें से लगभग 30 क्यूसेक पानी पेयजल आपूर्ति के लिए लिया जा रहा है।

संपत्ति की खरीद-बिक्री में बैंक से हो लेनदेन

आयुक्त दीपक रावत ने भूमि या किसी भी संपत्ति की खरीद-फरोख्त में नकद लेनदेन से बचने की अपील की

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भूमि या किसी भी संपत्ति की खरीद-बिक्री में नकद लेनदेन से बचना चाहिए और भुगतान बैंक के माध्यम से करना आवश्यक है। बैंक से किए गए लेन देन का रिकॉर्ड ही सबसे बड़ा सबूत बनता है। यह अपील कमीश्नर दीपक रावत ने जनता से की है। दीपक रावत मंगलवार को मिनी स्टेडियम रोड स्थित कैंप कार्यालय में जन समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने भूमि संबंधित प्रकरणों की सुनवाई करते हुए सुझाव दिया कि किसी भी अनरजिस्टर्ड या निजी साहूकार से लोन लेना जोखिमपूर्ण हो सकता है। ऐसे मामलों में अत्यधिक ब्याज, अवैध दबाव तथा आर्थिक नुकसान का खतरा रहता है।

दरअसल, जनसुनवाई में यह प्रकरण आया कि कालाढूंगी निवासी सफाई कर्मचारी अमित ब्याज पर धनराशि देता है। जो भी ऋण लेने वाला उसकी रकम ब्याज समेत नहीं लौटा पाता था उसकी भूमि अपने नाम दर्ज करा लेता था। कविता बाल्मीकि ने ने बताया कि अमित से 1.50 लाख रुपये का लोन लिया था जिसे ब्याज सहित 2.50 लाख रुपये लौटा दिए थे। फिर भी अमित ने कविता की जमीन पहले अपने नाम की फिर अन्य को बेच दी। कविता ने जो धनराशि दी नकद दी थी जिसका कोई लेखा-जोखा नहीं है।

पूरा मामला समझते हुए आयुक्त ने 2 लाख की धनराशि देने के निर्देश दिए। वहीं, अमित ने कहा कि एक माह के भीतर धनराशि वापस कर देगा साथ ही भविष्य में सूद-ब्याज का काम भी नहीं करेगा। गीता नेगी ने बताया कि उन्होंने भूमि क्रय की थी, भूमि की संपूर्ण धनराशि डीलर विनोद गड़िया को देने के बावजूद डीलर भूमि की रजिस्ट्री नहीं करा रहा है। आयुक्त ने तीनों पक्षों भू-स्वामी, डीलर तथा क्रेता का पक्ष सुनने के बाद डीलर व भूस्वामी को 5 मई तक रजिस्ट्री कराने के निर्देश दिए। कड़े लहजे में कहा कि आदेश की अवहेलना पर संबंधित के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

कैंप कार्यालय में जन सुनवाई करते आयुक्त दीपक रावत। ● अमृत विचार

बिना आवेदन किए बैंक ने दे दिया 80 हजार रुपये का लोन

मो. जाहिद निवासी बनभूलपुरा ने बताया कि बैंक ने उनके नाम पर 80 हजार का लोन दे दिया, जबकि उन्होंने कभी आवेदन नहीं किया था। इस पर आयुक्त ने बैंक अधिकारियों को तलब कर शीघ्र समस्या का समाधान के निर्देश दिए। खष्टी देवी ने बताया कि उनके पिताजी 1989 में स्वास्थ्य विभाग से सेवानिवृत्त हो गए थे। पिताजी की मृत्यु 2018 में होने के बाद उन्हें पेंशन नही मिल रही है। इस पर आयुक्त ने सीएमओ एवं कोषाधिकारी को तलब कर शीघ्र पेंशन भुगतान के निर्देश दिए। राजप्रीत कौर ने पारिवारिक भूमि बंटवारे में गड़बड़ी की शिकायत की। इस पर आयुक्त ने सभी पक्षों को सुनने के बाद पटवारी को जांच के निर्देश दिए।

22 सरकारी विभागों की 390 योजनाएं हैं लंबित

हल्द्वानी : कुमाऊं मंडल के छह जिलों में 22 सरकारी विभागों की पांच करोड़ से अधिक की 390 विकास योजनाएं लंबित हैं। इनमें 19220 .48 करोड़ से इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, लोनिवि के पास पांच करोड़ से अधिक की 62, राष्ट्रीय राजमार्ग के पास 25, जल निगम के पास 44, सिंचाई 30, पेयजल निगम 51, ब्रिडकुल 22, मंडी समिति 50, ग्रामीण निर्माण विभाग 8, कुमाऊं मंडल विकस निगम 1, पीआईयू हल्द्वानी 6, पीआईयू नैनीताल 1, पीआईयू चम्पावत 3, पीएमजीएसवाई 52, पिटकुल 4, यूपीसीएल 10, जल संस्थान 2, जलागम 1, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण 4, डेयरी फेडरेशन 1, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम 11, जमरानी 1, एम्स सैटेलाइट की एक योजना है। इन पर कुल 19220 .48 करोड़ रुपये की योजनाएं हैं जिससे कुमाऊं की बुनियादी ढांचा मजबूत होगा। आयुक्त रावत ने कहा कि सभी योजनाएं जनहित के लिहाज से अति महत्वपूर्ण है। इन योजनाओं को समय से पूरा किया जाए तभी इनका लाभ जनता तक पहुंच सकेगा और शासन-प्रशासन का लक्ष्य पूरा होगा।

सुप्रीम कोर्ट में चल रहे रेलवे भूमि प्रकरण को लेकर बनभूलपुरा में तैनात पुलिस फोर्स।

बनभूलपुरा बना छावनी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

संवाददाता, हल्द्वानी

- सुबह से ही इलाके में पुलिस की चौकसी, चप्पे-चप्पे पर निगरानी
- पुलिस के साथ खुफिया विभाग भी रख रहा था इलाके पर नजर

अमृत विचार : रेलवे बनाम बनभूलपुरा मामले में मंगलवार को प्रस्तावित सुनवाई के चलते पुलिस ने बनभूलपुरा को एक बार फिर लगभग छावनी में तब्दील कर दिया। हालांकि मंगलवार को सुनवाई टल गई। सुबह से ही बनभूलपुरा के प्रमुख मार्ग और गलियों में पुलिस की मुस्तैदी रही। इसके अलावा खुफिया की भी इलाके की हलचल पर हर पल नजर थी।

सुरक्षा के मद्देनजर बनभूलपुरा क्षेत्र में छह इंस्पेक्टर और एसएचओ, तीन एसओ, 15 सब इंस्पेक्टर, पांच एएसआई, 35 कांस्टेबल और दो प्लाटून पीएसी तैनात की गई थी। इसके अलावा दमकल की भी तैनाती थी। एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने बताया कि क्षेत्रवासियों को पूर्व में ही बता दिया गया था कि सुप्रीम कोर्ट से जो भी फैसला आएगा, उसका सम्मान किया जाएगा। इस पर सभी सहमत थे। बावजूद इसके एहतियन क्षेत्र में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। इस दौरान पुलिस की सोशल मीडिया टीम भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म की मॉनीटरिंग कर रही थी। बनभूलपुरा के लोगों की नजर सुनवाई पर लगी थी।

बेटी काटती थी चिकोटी मां उड़ाती थी मंगलसूत्र

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : ई-रिक्शा और ऑटो में सवार महिलाओं के गले से मंगलसूत्र और चेन लूटने वाली पुलिस के हत्थे चढ़ी तो लोग हैरत में पड़ गए। 6 माह की ये गर्भवती महिला अपनी ट्रेंड नाबालिग बेटी के साथ वारदातों को अंजाम देती थी। ये एक पेशेवर अपराधी है, जो अपने पति के साथ मिलकर घटनाएं करती थी। हाल में आरोपी ने एक महिला के गले से मंगलसूत्र लूटा था, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है।

एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने बताया कि कुसुमखेड़ा निवासी दीपा खड़ायत पत्नी दिवान सिंह खनायत बीती 9 मार्च को कालाढूंगी टेम्पो स्टैंण्ड से अपने घर के लिए ऑटो में बैठी थीं और इसी दौरान उनके गले से मंगलसूत्र पार कर दिया गया। उन्होंने ऑटो में साथ बैठी महिला पर शक जाहिर किया, जिसके साथ एक नाबालिग बेटी भी थी। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए। इसी के बूते पुलिस ने पता किया कि घटना को ब्रजधाम कॉलोनी मथुरा निवासी 26 वर्षीय मुस्कान पत्नी अमित शामिल है। बीती 27 अप्रैल को पुलिस ने आरोपी मुस्कान को हल्द्वानी बस अड्डे के पास से गिरफ्तार कर लिया। मुस्कान 6 माह की गर्भवती है। उसने बताया, घटना के दौरान उसकी बेटी भी साथ होती थी।

ऑटो या ई-रिक्शा में अपने शिकार का ध्यान भटकाने के लिए बच्ची शिकार के पैर में चुटकी काटती थी। शिकार जैसे ही अपने पैरों की ओर झुकता, इतनी ही देर में शातिर महिला दातों से उसका मंगलसूत्र काट देती थी। घटना में मुस्कान का पति अमित भी साथ देता था। मुस्कान के पास से पुलिस ने दो पैंडल, एक चेन और 12 दाने की लाल मोती वाली चेन बरामद की है। पुलिस टीम में हीरानगर चौकी प्रभारी कृपाल सिंह आदि रहे।

पुलिस की हिरासत में आरोपी मुस्कान।

दंपती पर 8 मुकदमे जमानत को तैयार रहते हैं वकील

हल्द्वानी : मुस्कान का पति भी एक पेशेवर अपराधी है। आगरा के अछनेरा थाने में उस पर 4 और थाना न्यू आगरा में 2 मुकदमे दर्ज हैं। जबकि मुस्कान पर हल्द्वानी और मुखानी में दो मुकदमे हैं। गैंगेस्टर अमित और उसकी चोर पत्नी मुस्कान पर कुल 8 मुकदमे हैं। पुलिस ने बताया कि इन पेशेवर अपराधियों के अपने कई वकील हैं। वारदात के बाद ये सीधे अपने वकील से संपर्क करते थे और अगर पकड़े जाते हैं तो तुरंत इनके वकील इनकी जमानत के जुगाड़ में लग जाते हैं।

पेशे से चोर और शौक रईसों वाले

हल्द्वानी : पुलिस की मानें तो मुस्कान और अमित के पास पैसों की कोई कमी नहीं। उनके पास कई बड़े मकान हैं और ठाठ-बाट की जिंदगी जीते हैं। इनके शौक भी रईसों वाले हैं। ये खुद तो मथुरा में रहते हैं, लेकिन बच्चों को ज्योलीकोट के एक बड़े स्कूल में पढ़ाते हैं। मथुरा और बरेली से वारदातों को अंजाम देने के लिए अपराधी पति-पत्नी स्कॉर्पियो से आते थे। जिसके बाद मुस्कान ऑटो या ई-रिक्शा में सवार होकर अपने शिकार तलाशने में जुट जाती थी।

मजदूर के खाते से उड़ाए 1.15 लाख

हल्द्वानी : कोतवाली बनभूलपुरा क्षेत्र में एक मजदूर के साथ बड़ी साइबर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित के बैंक खाते से करीब 1.15 लाख रुपये निकाल लिए गए, जिससे वह आर्थिक रूप से पूरी तरह टूट गया है।

वार्ड-14, इंद्रानगर बनभूलपुरा निवासी मोहसिन खान पुत्र चुन्नी खान ने बताया कि उनका मंगलपड़ाव स्थित एक बैंक में खाता है। बीती 20 अप्रैल को उन्होंने अपने खाते में 10,000 रुपए जमा किए थे, जिसके बाद खाते में कुल 1,15,503 रुपये हो गए थे। अगले दिन जब उन्होंने अपना गूगल पे चलाने की कोशिश की, तो वह बंद दिखा। बैंक पहुंचकर जानकारी लेने पर पता चला कि 21 अप्रैल को 88,000 रुपये और 11,000 रुपये तथा 22 अप्रैल को 16,000 रुपये उनके खाते से निकाल लिए गए हैं। खाते में मात्र 484 रुपए ही बचे।

जेलों में डिजिटल एक्स-रे से टीबी जांच की शुरुआत

संवाददाता, हल्द्वानी

- टीबी उन्मूलन के लिए कैदियों और बंदियों की जांच की जाएगी

अमृत विचारः प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जनपद नैनीताल में जेलों के भीतर टीबी जांच को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। हल्द्वानी जेल में हैंडहेल्ड डिजिटल चेस्ट एक्स-रे के माध्यम से टीबी जांच शुरू हो गई है।

कार्यक्रम का संचालन इंडिया एचआईवी/एड्स एलायंस के स्टेट प्रोग्राम मैनेजर अनिल सिंह रावत और प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर दीपक के सहयोग से हुआ। यह पहल राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सेंट्रल टीबी डिवीजन, एनएसीओ, उत्तराखंड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, राज्य कारागार विभाग और जिला टीबी प्रभाग के संयुक्त सहयोग से संचालित हो रही है। ग्लोबल फंड के तहत शुरू इस कार्यक्रम में आधुनिक डिजिटल एक्स-रे मशीनों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है, जिससे कैदियों की त्वरित और सटीक जांच संभव होगी।

विशेषज्ञों ने बताया कि संदिग्ध मरीजों को समय पर उपचार से जोड़ने में यह तकनीक प्रभावी साबित होगी। पूरा कार्यक्रम सीएमओ डॉ. हरीश चंद्र पंत के नेतृत्व में हो रहा है। इस दौरान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक प्रमोद कुमार, जेलर अमित कुमार, फार्मेसी अधिकारी नवल किशोर अधिकारी और जिला टीबी प्रभाग से वरिष्ठ स्वास्थ्य पर्यवेक्षक प्रमोद भट्ट रहे।

मोटरसाइकिल व कार के बीच फंसा गुलदार, ट्रैफिक हुआ जाम

संवाददाता भीमताल

अमृत विचारः भीमताल और आसपास के क्षेत्र में गुलदार की संख्या इतनी अधिक बढ़ गई है कि शाम होते ही गुलदार सड़कों में दिखाई दे रहे हैं। वही भीमताल के खुटानी क्षेत्र में एक घटना ऐसी घटी कि पूरा यातायात बाधित हो गया।

मामला मंगलवार शाम करीब 7:45 बजे का बताया जा रहा है की खुटानी से ऊपर की तरफ से नीचे आ रहा है गुलदार मोटरसाइकिल और कार के बीच में फस गया। इस दौरान उसका पांव मोटरसाइकिल की चेन में उलझ गया और वह वहीं गिर गया साथ में मोटरसाइकिल भी गिर गई। ज्यादा रात नहीं होने के कारण मोटर मार्ग में खासा यातायात था। घटना बीच सड़क में घटित होने के कारण दोनों तरफ लंबी वाहनों की कतार लग गई। वार्ड संख्या 9 के सभासद नीरज रेकुनी ने तुरंत मामले की जानकारी वन क्षेत्राधिकार विजय मिलकानी को दी। वन क्षेत्र अधिकारी विजय मलकानी ने बताया कि रानी बाग रेस्क्यू सेंटर से ट्रेंकुलाइज करने वाली टीम को सूचित कर दिया गया है। तेंदुए का पांव पूरी तरह चेन में फंसा हुआ है। ट्रेंकुलाइज करने के बाद ही निकल पाएगा। देर रात टीम रानीबाग रेस्क्यू सेंटर से भीमताल के लिए निकल चुकी थी।

मंगलवार शाम बाइक की चेन में फंसा गुलदार इस हालत में दिखा।

दिक्कत | फिटनेस ओके होने के बावजूद भी कट रहे ऑनलाइन चालान, वाहन स्वामी आरटीओ के चक्कर काटने को हैं मजबूर

आरसी अपडेट न होने से ऑनलाइन चालान, वाहन स्वामी परेशान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः परिवहन विभाग के सर्वर में आई तकनीकी खराबी के चलते इन दिनों वाहन स्वामियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर व्यावसायिक वाहनों के स्वामियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं, क्योंकि फिटनेस ओके होने के बावजूद उनके वाहनों का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी) ऑनलाइन अपडेट नहीं हो पा रही है। इसकी वजह से सिस्टम में पुरानी स्थिति दिखने के कारण लगातार ऑनलाइन चालान कट रहे हैं।

आरटीओ कार्यालय में मंगलवार को भी कुछ वाहन स्वामी अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे और अधिकारियों से शिकायत की। वाहन स्वामियों का कहना है कि उन्होंने अपने वाहनों की फिटनेस समय पर करवा ली है, लेकिन सर्वर अपडेट न होने के कारण उन्हें बेवजह चालान भुगतना पड़ रहा है। एक वाहन स्वामी ने बताया कि उसके वाहन पर करीब 15 हजार रुपये का चालान सिर्फ इसलिए कट गया क्योंकि सिस्टम में फिटनेस अपडेट नहीं दिख रही थी। इस तरह की समस्याओं से परेशान होकर वाहन स्वामी रोजाना आरटीओ कार्यालय के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

विभाग के अनुसार, फिटनेस प्रक्रिया पूरी होने के बाद वाहन का विवरण स्वतः ही ऑनलाइन सिस्टम में अपडेट हो जाना चाहिए, लेकिन विभागीय सर्वर में तकनीकी खामी के कारण वाहन स्वामियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एआरटीओ बीके सिंह ने बताया कि समस्या को गंभीरता से लेते हुए देहरादून स्थित परिवहन मुख्यालय को पत्र भेजा गया है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही सर्वर की तकनीकी दिक्कत को दूर कर लिया जाएगा, जिससे वाहन स्वामियों को राहत मिल सकेगी। वाहन स्वामियों ने तकनीकी गड़बड़ी के कारण चालान होने पर नाराजगी जताई है और समस्या को शीघ्र ठीक करने की मांग की है।

परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीम चेकिंग के दौरान कार्रवाई करते हुए।

प्रवर्तन कार्रवाई में 53 चालान, 219 वाहन किए गए सीज

हल्द्वानी : डीएम ललित मोहन रियाल के निर्देश पर परिवहन विभाग ने मंगलवार को नैनीताल शहर और आसपास के मार्गों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। आरटीओ (प्रवर्तन) अरविंद पांडे के नेतृत्व में हुए इस अभियान में रेंटल बाइक, टैक्सी-मैक्सी समेत विभिन्न वाहनों पर कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कुल 53 चालान किए गए, जबकि 219 वाहनों को सीज किया गया। रेंटल बाइक पर 90, टैक्सी-मैक्सी पर 25 और अन्य अभियोगों में 51 कार्रवाइयां हुईं। इसके अलावा परमिट उल्लंघन के मामलों में 49 कार्रवाइयां हुईं। अरविंद पांडे के अनुसार पर्वतीय क्षेत्रों में विशेष रूप से सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान रिपु तिवारी ने 39 वाहन सीज करते हुए 3 चालान किए, वहीं अनुभा आर्या ने 34 वाहनों को सीज किया। एआरटीओ (प्रवर्तन) जितेंद्र ने सबसे अधिक 27 चालान किए। इसके अलावा पवन कुमार, जगदीश बंधु और गोविंद सिंह भी अभियान टीम में शामिल रहे।

एक जैसे उल्लंघन में कटे दो चालान

आरटीओ कार्यालय में अजब-गजब मामला देखने को मिला है। विभाग की प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान एक व्यावसायिक वाहन के एक ही दिन में कुछ घंटों के अंतराल में समान नियमों के उल्लंघन पर दो अलग-अलग चालान कट गए। वाहन स्वामी के अनुसार बीते दिनों उसके वाहन का ऑनलाइन चालान टैक्स जमा नहीं होने पर हुआ। इसके बाद करीब दो घंटे बाद फिर से बिल्कुल इसी तरह का चालान कटने का मैसेज उन्हें मिला। जिस पर उन्हें आश्चर्य हुआ। वह मंगलवार को इस संबंध में जानकारी लेने के लिए एआरटीओ कार्यालय पहुंचे। जहां उन्हें समाधान का आश्वासन दिया गया।

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने मांगों को लेकर दी भूख हड़ताल की धमकी

मानदेय बढ़ाकर 18 से 24 हजार करने की मांग, आंदोलन को सभासदों ने दिया समर्थन

संवाददाता, रामनगर

रामनगर में मंगलवार को आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के साथ धरने पर बैठे सभासद। ● अमृत विचार

अमृत विचार : रामनगर में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का आंदोलन अब जोर पकड़ने लगा है। पिछले कई दिनों से अपनी मांगों को लेकर धरना दे रहीं कार्यकत्रियों ने सरकार को जल्द उनकी मांगें पूरी नहीं होने पर भूख हड़ताल पर बैठने की चेतावनी दी है। मंगलवार को नगर पालिका के सभासदों ने भी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को अपना समर्थन दिया और उनके साथ धरने पर बैठे। सभासदों ने कहा कि सरकार को महिलाओं की मांगों पर विचार कर जल्द पूरा करना चाहिए।

गौरतलब है कि रामनगर में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां विगत 2 अप्रैल से लगातार प्रदर्शन कर रही हैं। वे मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर रोज धरना स्थल पर एकत्रित हो रही हैं और सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रही हैं। कार्यकत्रियों का कहना है कि वर्तमान में उन्हें लगभग 9,300 रुपये प्रतिमाह मानदेय मिल रहा है, जो महंगाई के इस दौर में परिवार चलाने के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने बताया कि कई बार अपनी मांगें शासन-प्रशासन तक पहुंचाई गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनकी मुख्य मांग है कि मानदेय बढ़ाकर कम से कम 18,000 से 24,000 रुपये प्रतिमाह किया जाए, ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें। कार्यकत्रियों ने अपनी स्थिति की तुलना दिहाड़ी मजदूरों से करते हुए कहा कि एक मजदूर प्रतिदिन 700 रुपये तक कमा लेता है, जबकि उन्हें पूरे महीने में उससे भी कम पारिश्रमिक मिलता है। कार्यकत्रियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो वे आंदोलन को और तेज करेंगी और भूख हड़ताल का रास्ता अपनाएंगी। इस दौरान सभासद तनुज दुर्गापाल, शमीम अहमद, सचिन कुमार, विक्रम भट्ट, नवीन सुनेजा, राहुल रावत, सोनू करीम, सलमान सलमानी, मो. अजमल तथा सभासद प्रतिनिधि मो. रिजवान मौजूद रहे।

दुदुली हादसे पर कोर्ट में करेंगे याचिका दायर

धानाचूली : धारी ब्लॉक के दुदुली गांव में सोमवार को हुए सड़क हादसे को कांग्रेस नेता मनोज शर्मा ने सिस्टम की लापरवाही का नतीजा बताया है। उन्होंने कहा कि मामले को लेकर वह सभी तथ्यों व दस्तावेजों के साथ जल्द ही उत्तराखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर करेंगे। साथ ही सड़क की बदहाली के जिम्मेदार लोगों पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग भी करेंगे।

शर्मा ने कहा कि बबियाड़-टपूवा-दुदुली मोटर मार्ग पिछले लगभग 10 वर्षों से बदहाल स्थिति में है। क्षेत्र की जनता लगातार धरना-प्रदर्शन और ज्ञापनों के माध्यम से सरकार, क्षेत्रीय सांसद, विधायक और विभागीय अधिकारियों को अवगत कराती रही, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। कहा कि सोमवार की घटना में दो घरों के चिराग एक साथ बुझ गए, जबकि तीन अन्य अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। उन्होंने सरकार से मृतकों के परिजनों को 1-1 करोड़ रुपये और घायलों को कम से कम 25-25 लाख रुपये की सहायता तत्काल उपलब्ध कराने की मांग की है।

पिंजरे में कैद गुलदार। ● अमृत विचार

भीमताल के मोरा गांव में पिंजरे में कैद हुआ गुलदार

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार : भीमताल ब्लॉक के ग्राम बलूटी तोक, मोरा में वन विभाग की कड़ी मशक्कत के बाद मंगलवार सुबह एक गुलदार (तेंदुआ) पिंजरे में कैद कर लिया गया। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट ने कहा कि अभी ग्रामीणों को सतर्क रहने की आवश्यकता है, क्योंकि यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि पकड़ा गया वन्य जीव वही आदमखोर है या नहीं। उन्होंने वन विभाग से मांग की है कि पकड़े गए वन्य जीव की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।

गौरतलब है कि पास के भद्यूनी गांव में छह दिन पहले एक युवक, कमल सिंह बिष्ट, को वन्य जीव ने अपना शिकार बना लिया था, जिसके बाद ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति भारी नाराजगी देखी गई। इसके अलावा, मोरा से सटे सूर्याजाला और ज्योली गांवों में भी दो महिलाएं वन्य जीव का शिकार बन चुकी हैं। वन विभाग ने क्षेत्र में कई पिंजरे लगाए हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

पोस्टर प्रतियोगिता में विजेता छात्राओं के साथ प्राचार्य एवं शिक्षक। ● अमृत विचार

पोस्टर प्रतियोगिता में खष्टी आर्या ने मारी बाजी

रामनगर : पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामनगर के भूगोल परिषद् ने पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय पर्यावरण संरक्षण रखा गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर आकर्षक पोस्टर प्रस्तुत किए। प्राचार्य प्रो. एमसी पांडे ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में बीए छठे सेमेस्टर की छात्रा खष्टी आर्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बीएससी छठे सेमेस्टर की छात्रा रेशम द्वितीय तथा बीए छठे सेमेस्टर की छात्रा नेहा रावत तृतीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. पुनीता कुशवाहा, डॉ. दीपक खाती एवं डॉ. शिप्रा पंत शामिल रहे। इस अवसर पर भूगोल विभाग प्रभारी डॉ. सिराज अहमद, डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, डॉ. डीएन जोशी सहित अन्य शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

1 मई से 10 जुलाई तक गोरखपुर-लालकुआं स्पेशल ट्रेन निरस्त

हल्द्वानी : गोरखपुर–लालकुआं ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के 11 फेरों को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। रेलवे की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार गोरखपुर–लालकुआं ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 1 मई से 10 जुलाई तक निरस्त रहेगी। वहीं, वापसी में लालकुआं–गोरखपुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 2 मई से 11 जुलाई तक नहीं चलेगी। इज्जतनगर रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाने से पहले ट्रेन की स्थिति की जानकारी जरूर ले लें। संजीव शर्मा ने बताया कि ऑपरेशनल जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

पार्किंग निर्माण में देरी पर ब्रिडकुल को नोटिस

संवाददाता, नैनीताल

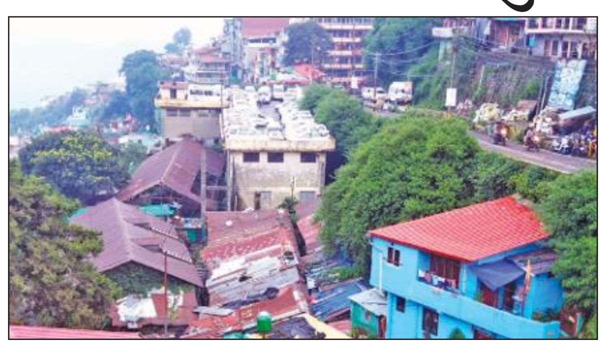
लकड़ीटाल क्षेत्र में इसी स्थान पर बननी है बहुमंजिला पार्किंग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नैनीताल में पर्यटन सीजन के दौरान यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्रस्तावित लकड़ीटाल बहुमंजिला कार पार्किंग परियोजना में हो रही देरी पर जिला विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने कड़ा रुख अपनाया है। प्राधिकरण के सचिव विजय नाथ शुक्ल ने निर्माण कार्य में लगातार हो रही सुस्ती पर नाराजगी जताते हुए कार्यदायी संस्था ब्रिडकुल को नोटिस जारी किया है और शीघ्र कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

गौरतलब है कि लकड़ीटाल क्षेत्र में करीब 34 करोड़ रुपये की लागत से बहुमंजिला पार्किंग का निर्माण प्रस्तावित है। यह परियोजना शहर में बढ़ते वाहनों के दबाव को कम करने और जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। गौरतलब है कि पार्किंग निर्माण के लिए पिछले वर्ष प्रशासन ने क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की थी। इस दौरान करीब 25 परिवारों को विस्थापित किया गया था, ताकि परियोजना का मार्ग प्रशस्त हो सके। इसके बावजूद अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। डीडीए सचिव विजय नाथ शुक्ल ने कहा कि बजट स्वीकृत होने और भूमि उपलब्ध होने के बावजूद कार्य शुरू न होना गंभीर लापरवाही है। इतनी महत्वपूर्ण परियोजना में देरी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने ब्रिडकुल से जवाब तलब करते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि कार्य में और लापरवाही बरती गई तो नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय निवासी त्रिभुवन फर्त्याल ने कहा कि पर्यटन सीजन में नैनीताल में पार्किंग की भारी कमी हो जाती है, जिससे शहर की सड़कों पर लंबा जाम लग जाता है। लकड़ीटाल में बहुमंजिला पार्किंग बनने से स्थानीय निवासियों के साथ-साथ पर्यटकों को भी राहत मिलेगी। अधिकारियों के अनुसार परियोजना के पूरा होने के बाद शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार आएगा और लंबे समय से चली आ रही जाम की समस्या से काफी हद तक निजात मिल सकेगी। फिलहाल, नोटिस के बाद ब्रिडकुल द्वारा कार्य शुरू करने की गति पर सभी की नजरें टिकी हैं।

भीमताल एचजी डिग्री कॉलेज में अग्नि सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल

संवाददाता, भीमताल

भीमताल के एचजी डिग्री कॉलेज में अग्नि सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल। ● अमृत विचार

अमृत विचार : भीमताल स्थित एचजी डिग्री कॉलेज में छात्र-छात्राओं को आग से बचाव के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रों को आग लगने की स्थिति में शांत रहकर सुरक्षित तरीके से बाहर निकलने की जानकारी दी गई।

मॉक ड्रिल में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और आपातकालीन परिस्थितियों में सही व्यवहार करने का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्राचार्या मुक्ता ने बताया कि आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय तुरंत सुरक्षित मार्ग अपनाना चाहिए और दूसरों की सहायता करते हुए बाहर निकलना जरूरी है। इसके बाद राम कृष्ण आर्या द्वारा फायर सेफ्टी पर विशेष व्याख्यान दिया गया। उन्होंने आग के विभिन्न प्रकारों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए प्रत्येक प्रकार की आग को बुझाने में उपयोग होने वाले उपकरणों के बारे में बताया। साथ ही फायर एक्सटिंग्विशर के सही उपयोग का प्रदर्शन भी किया। संचालन आरएस खाती और नेत्र प्रसाद गौतम ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में आपदा प्रबंधन और सुरक्षा के प्रति जागरूकता करना है ताकि वे आपात स्थिति में स्वयं और दूसरों को सुरक्षित रख सकें। यहां डॉ. विनीता राय, डॉ. बीना नेगी चौधरी, डॉ. भारती बुधलाकोटी, एसएस मौर्या, गणेश चन्द्र, दिगम्बर खनेड़ा, नितिन भगवाल, मुकेश आर्या, अतुल सांगुड़ी, शालिनी भारती, भुवन रहे।

बेतालघाट खाद्यान्न भंडार में पहुंचा तीन माह का राशन

भीमताल : शासन के निर्देशों के क्रम में अप्रैल माह में सभी राशन कार्ड धारकों को तीन माह (अप्रैल, मई और जून) का राशन वितरित किया जाना है।

मामले में क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सुरेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप बेतालघाट गोदाम से संबद्ध सभी सरकारी सस्ता गल्ला विक्रेताओं को जून माह तक का राशन उपलब्ध करा दिया गया है। उन्होंने सभी राशन डीलरों को निर्देशित किया है कि वे नियमानुसार बायोमैट्रिक ऑथेंटिकेशन के माध्यम से सभी राशन कार्ड धारकों को तीन माह का खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करें। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सुरेंद्र सिंह बिष्ट के पास राजकीय खाद्यान्न भंडार बेतालघाट का भी अतिरिक्त प्रभार है।

लोस. अध्यक्ष बिरला आज नैनीताल में वन पंचायत प्रतिनिधियों से करेंगे संवाद

संवाददाता, नैनीताल

एटीआई में तैयारियों का निरीक्षण करते सांसद अजय भट्ट व अधिकारी।

अमृत विचार: लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला आज नैनीताल पहुंचेंगे। अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत वह बुधवार 29 अप्रैल को उत्तराखंड प्रशासनिक अकादमी (एटीआई) में वन पंचायत प्रतिनिधियों के साथ संवाद करेंगे। इसके साथ ही पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों से बैठक कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुनेंगे।

कार्यक्रम के बाद लोकसभा अध्यक्ष बिरला मां नैना देवी मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे तथा नैनीताल के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण भी करेंगे। इस दौरान वे होटल एसोसिएशन और विभिन्न सामाजिक-राजनीतिक प्रतिनिधियों से भी मुलाकात कर उनकी समस्याओं से अवगत होंगे। लोकसभा अध्यक्ष के कार्यक्रम को लेकर सांसद अजय भट्ट और सीडीओ अरविंद कुमार पांडे ने एटीआई परिसर का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। सांसद अजय भट्ट ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष का यह दौरा लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें वे वन पंचायत और स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों से सीधा संवाद करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि लोकसभा अध्यक्ष नीम करोली बाबा के दर्शन के लिए भी जाएंगे। निरीक्षण के दौरान एडीएम विवेक राय, संयुक्त निदेशक शहरी विकास अवधेश कुमार रहे।

आस्था | प्रथम आदि धर्म गुरु वीरेश विकल जी महाराज की पुण्यतिथि पर हर वर्ष होता है कार्यक्रम

भगवान वाल्मीकि की पूजा में उमड़े श्रद्धालु

संवाददाता, रामनगर

सीतावनी में भगवान वाल्मीकि की मूर्ति पर पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु।

अमृत विचार: भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज भावाधस (भीम) के राष्ट्रीय प्रमुख वीरेश भीम अनार्य के नेतृत्व में वाल्मीकि तीर्थ स्थल सीतावनी में आयोजित श्रद्धा पर्व के दौरान भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर लोगों ने भगवान वाल्मीकि की मूर्ति पर पूजा-अर्चना कर आस्था व्यक्त की।

कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी विवेकानंद महाराज एवं विशिष्ट अतिथि धर्मगुरु विराटनाथ महाराज ने भगवान वाल्मीकि के जीवन से जुड़ी विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने पर जोर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान वाल्मीकि महाराज की ज्योति प्रज्वलित कर एवं विकल जी महाराज तथा स्वामी चंद्रपाल अनार्य को श्रद्धा सुमन अर्पित कर की गई। पंजाब से आए कलाकारों ने भगवान वाल्मीकि के भजनों की प्रस्तुति दी। हरियाणा से आई टीम ने भंडारे का आयोजन किया गया। भावाधस (भीम) के प्रदेश प्रभारी सुरेश बहोत ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया और भंडारे की व्यवस्था में सहयोग किया।

राष्ट्रीय प्रमुख वीरेश भीम अनार्य ने बताया कि यह श्रद्धा पर्व प्रथम आदि धर्म गुरु वीरेश विकल जी महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रतिवर्ष मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि तीर्थ सीतावनी वह पावन स्थल है, जहां माता सीता ने भगवान वाल्मीकि के आश्रम में शरण ली थी और लव-कुश का जन्म हुआ था। कार्यक्रम का संचालन आकाश आनंद ने किया। नीरज पराशर, राकेश दानव, राहुल राही, हरपाल आदिवासी, मुकेश चौधरी, कैलाश एकलव्य, शिवनंदन टॉक, विजय अनार्य, गुरमुख भारती, शर्मिष्ठा अनार्य, एकलव्य वाल्मीकि, रिंकी वाल्मीकि, संदीप राजवंश, जसविंदर बॉबी, दीपक अंबेडकर, पवन कुमार, करन कुमार, किरेंद्र वाल्मीकि, मोनू सम्राट, अनिल कुमार, शंकर बबलू, शरद राज, शुभम उत्तम, अभिषेक बाबू, कुणाल वाल्मीकि, विनय चौधरी, सुमित चौहान रहे।

सोलर पीवी इंस्टॉलेशन सेंटर का उद्घाटन

लालकुआं : भारत सरकार की कौशल विकास योजना के तहत एनएसडीसी द्वारा संचालित सोलर पीवी इंस्टॉलेशन सेंटर का शुभारंभ चाइल्ड सैक्रेड सीनियर सेकेंडरी स्कूल में उप जिलाधिकारी रेखा कोहली ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वर्तमान समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है, ऐसे में छात्रों को तकनीकी और व्यवहारिक प्रशिक्षण से जोड़ना आवश्यक है, ताकि वे प्रतिस्पर्धा में पीछे न रहें। उन्होंने बताया कि यह केंद्र न केवल विद्यार्थियों बल्कि आम लोगों के लिए भी उपयोगी है और यहां से प्राप्त प्रमाण पत्र रोजगार के अवसर बढ़ाएगा। संचालक अंकित सिंह यादव ने बताया कि प्रशिक्षण एक सप्ताह का होगा, प्रत्येक बैच में 30 प्रतिभागी होंगे। प्रशिक्षण के बाद सरकार द्वारा प्रमाण पत्र एवं स्कॉलरशिप दी जाएगी। प्रधानाचार्या डॉ. प्रीति सिंह एवं प्रबंधन निदेशक सुनीता पांडे रहीं।

हर्षिता गोस्वामी को एनसीसी रैंक प्रदान करते अधिकारी। ● अमृत विचार

हर्षिता को सीनियर अंडर ऑफिसर का दायित्व

रामनगर : पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामनगर में 24 यूके गर्ल्स बटालियन एनसीसी इकाई द्वारा रैंक सेरेमनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सीनियर अंडर ऑफिसर अंजलि गोस्वामी ने अपनी रैंक हर्षिता गोस्वामी को प्रदान की। इस अवसर पर अंडर ऑफिसर सिमरन खैरिया और आकांक्षा बिष्ट ने क्रमशः हिमांशी खंडूरी और श्रुति जखमोला को रैंक प्रदान की। वहीं निधि बंगारी और परविंदर कौर को सार्जेंट, रूचि नेगी और तनिष्का बिष्ट को कॉर्पोरल तथा अंकिता और संजना को लांस कॉर्पोरल की रैंक दी गई। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य एवं चीफ प्रॉक्टर प्रो. एसएस मौर्य तथा डॉ. सुमन कुमार ने सभी रैंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई दी। एएनओ लेफ्टिनेंट (डॉ.) कृष्णा भारती एवं 79 यूके बीएन एनसीसी के एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. डीएन जोशी ने कैडेट्स से अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की अपेक्षा व्यक्त की। सभी रैंक होल्डर्स ने अपनी जिम्मेदारियों को उत्साह और समर्पण के साथ निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सीनियर अंडर ऑफिसर हर्षिता गोस्वामी ने सभी कैडेट्स से एनसीसी के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

राज्य में 33% महिला आरक्षण लागू करने को लेकर कांग्रेस का धरना

बोले प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल-भाजपा परिसीमन के नाम पर आरक्षण को उलझा रही

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: आंबेडकर पार्क, मंगलपड़ाव में मंगलवार को उत्तराखंड में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण अविलंब लागू करने की मांग को लेकर कांग्रेस ने धरना-प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने किया। उन्होंने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आंदोलन की शुरुआत की और केंद्र सरकार पर महिला आरक्षण विधेयक को जानबूझकर लागू न करने का आरोप लगाया।

गोदियाल ने कहा कि वर्ष 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून को परिसीमन जैसी प्रक्रियाओं में उलझाकर टाला जा रहा है। उन्होंने मांग की कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव वर्तमान 70 सीटों के आधार पर ही 33% महिला आरक्षण लागू करते हुए कराए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला सशक्तिकरण केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि ठोस निर्णयों से संभव है। जिलाध्यक्ष राहुल छिम्वाल और महानगर अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता पूरे प्रदेश में महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं और आंदोलन को और तेज किया जाएगा। महिला जिलाध्यक्ष खष्टी बिष्ट ने महिलाओं से एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का आह्वान किया। पूर्व सांसद महेंद्र पाल, पूर्व विधायक रंजीत रावत और संजीव आर्य ने भी महिला आरक्षण को सामाजिक और राजनीतिक संतुलन के लिए आवश्यक बताते हुए शीघ्र लागू करने की मांग की। यहां पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश नैनवाल, हरीश मेहता, पूर्व विधायक नारायण पाल, मेयर प्रत्याशी ललित जोशी, नारायण बिष्ट, हेम पांडे, मोहन बिष्ट, संतोष, प्रदीप बथयाल, किरन माहरा, हेमंत बगड़वाल, नरेश अग्रवाल, गिरीश पांडे, सुमित्तर भुल्लर, दीपू चनोतिया, सुमित कुमार, मीमांसा आर्य, नीमा भट्ट, विमला सांगुड़ी, गीता बहुगुणा, निर्मला जोशी, उर्मिला धामी, मलय बिष्ट, मयंक भट्ट, कानू बिष्ट, हिमांशु जोशी, संजू उप्रेती, बबलू बिष्ट, अमित रावत, उदित करायत , नीरज आदि मौजूद रहे।

धरनास्थल को संबोधित करते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, धरना स्थल पर मौजूद कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दिया समर्थन

हल्द्वानी : कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने बुद्ध पार्क में जाकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि मानदेय बढ़ोत्तरी की मांग एकदम जायज है। इसके अलावा मूलनिवासी संघ ने भी समर्थन दिया और ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन देने वालों में नरेंद्र सिंह बरगली, जीआर आर्य, रेखा आर्य, धनापा बिष्ट, पुष्पा देवी, रजनीब बिष्ट, देवकी देवी, प्रकाश चंद्र थे।

मुख्यमंत्री धामी आगामी 30 अप्रैल को वरिष्ठ नागरिकों को करेंगे सम्मानित

संवाददता, हल्द्वानी

अमृत विचार: शहर में पहली बार वरिष्ठ नागरिकों के लिए दो दिवसीय सम्मान व खेल समारोह का आयोजन किया जा रहा है। वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम बुजुर्गों को सम्मान और समाज में विशेष स्थान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत 29 अप्रैल को मिनी स्टेडियम में खेल प्रतियोगिताओं के साथ होगी। इसमें फुटबॉल, वॉलीबॉल और बैडमिंटन जैसे खेलों का आयोजन किया जाएगा। खेल समारोह के मुख्य अतिथि सांसद अजय भट्ट होंगे। समारोह का मुख्य आकर्षण 30 अप्रैल को रामपुर रोड स्थित मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित सम्मान कार्यक्रम होगा, जिसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी 15 चयनित वरिष्ठ नागरिकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित करेंगे।

परिषद के उपाध्यक्ष नवीन वर्मा ने बताया कि बुजुर्गों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी। आयोजन में परिषद के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

वरिष्ठ नागरिक सम्मान व खेल समारोह की जानकारी देते राज्य दर्जा मंत्री नवीम वर्मा।

डीके स्पोर्ट्स ने क्रिकेट अकादमी को हराया

हल्द्वानी: जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित अंडर-16 बालक जिला क्रिकेट लीग में डीके स्पोर्ट्स ने कुमाऊं क्रिकेट अकादमी को 9 विकेट से हराया। मैच में कुमाऊं क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की, पूरी टीम 39वें ओवर में मात्र 87 रन पर ऑल आउट हो गई। टीम की ओर से अमोघ ने 18, के पाठक ने 17 और युवराज ने 15 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए डीके स्पोर्ट्स ने 13वें ओवर में ही 1 विकेट के नुकसान पर 91 रन बनाकर जीत दर्ज की। टीम की ओर से हार्दिकराज ने 38, भावेश रावत ने 25 और युवराज ने 19 रन बनाए। रक्षित को शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। कोषाध्यक्ष कमल पपनै ने बताया कि बुधवार को दो मुकाबले खेले जाएंगे।

पीएनजी कनेक्शन ले चुके तो एलपीजी को करें सरेंडर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : एलपीजी की किल्लत के बीच हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड ने पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) के कनेक्शन देना शुरू कर दिया है।

जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने बताया कि शहर में पीएनजी गैस कनैक्शन हीरा नगर, आकाशदीप कॉलोनी, बजरंग विहार, उदय भवानी-2, उत्तरांचल विहार, जज फार्म (ब्लॉक ए,बी,सी,डी,ई,एफ एवं एच), दुर्गापाल गार्डन, मृदुल विहार एवं जोशी कालोनी में पीएनजी कनेक्शन लगा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में आवेदकों ने पीएनजी कनेक्शन के लिए पंजीकरण कराया जा रहा है। अधिकांश घरों में पाइपलाइन एवं मीटर स्थापित हो चुके हैं। डीएम ने जनता से अपील की है कि ऐसे सभी आवेदक जिन्होंने पीएनजी कनेक्शन के लिए पंजीकरण कराया है, वे हेल्पलाइन नंबर 9412087899 पर संपर्क कर पीएनजी कनेक्शन सक्रिय, निर्गत कराएं। नए उपभोक्ता जिनके घरों में पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध हैं उन्हें घरेलू सिलेन्डर का लाभ नहीं दिया जाएगा। डीएम ने सभी पीएनजी कनेक्शन धारकों से अनुरोध किया है कि जिन लोगों के घरों में पीएनजी कनेक्शन से रसोई गैस आपूर्ति की जा रही है वे उपभोक्ता अपना एलपीजी कनेक्शन गैस एजेंसी में जाकर तत्काल सरेंडर कर दें ताकि ऐसे लोगों को पीएनजी की निर्बाध आपूर्ति का लाभ प्राप्त हो सके।

मौत से जंग हार गए सड़क हादसे में घायल दो व्यक्ति

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- सात दिन पहले गौलापार क्षेत्र में कार की चपेट में आया था किसान
- स्कूटी सवार युवक को मुखानी क्षेत्र में ट्रक ने मारी थी टक्कर

अमृत विचार: मुखानी और गौलापार क्षेत्र में कुछ दिन पहले हुए दो सड़क हादसों में घायल दो लोगों की उपचार के दौरान मौत हो गई। गौलापार में हुए हादसे में मृत वृद्ध के परिजन पोस्टमार्टम को राजी नहीं थे। पुलिस ने समझाबुझा कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए राजी किया।

मुखानी थानाक्षेत्र में हुई घटना बीती 19 मार्च की है। ब्लॉक ऑफिस के पीछे गली नंबर एक में रहने वाले 32 वर्षीय गर्वित असवाल पुत्र रमेश असवाल स्कूटी से घर जा रहे थे।

चीनपुर चौराहे के पास ट्रक से स्कूटी की टक्कर हो गई। निजी अस्पताल में उपचार के दौरान 23 मार्च को गर्वित की मौत हो गई। मृतक के भाई हर्ष वर्धन असवाल की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दूसरे मामले में बांसखेड़ा गौलापार निवासी 64 वर्षीय किशन राम सात दिन पहले हादसे का शिकार हुई। वह घर से सब्जी लेने जा रहे थे, तभी एक कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। सोमवार को एसटीएच में उनकी मौत हो गई। परिजन किशन के पोस्टमार्टम को राजी नहीं थे। हालांकि पुलिस के समझाने पर बाद में वह राजी हो गए।

जेईई परीक्षा में सिंथिया के शौर्य ने प्राप्त किए 97.6 प्रतिशत अंक

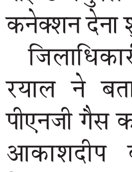

हल्द्वानी : सिंथिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र शौर्य कत्यूरा ने जेईई मेन परीक्षा में 97.6 प्रतिशत हासिल किए हैं। शौर्य की इस सफलता से स्कूल में खुशी का माहौल है।

स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. प्रविंद्र कुमार रौतेला ने बताया कि शौर्य ने अपनी मेहनत और लगन से सफलता हासिल की है। उनकी इस सफलता से अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने छात्र को बधाई दी। इस मौके पर स्कूल के शिक्षकों सहित समस्त स्टाफ ने भी शौर्य को शुभकामनाएं दीं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को स्मृति चिह्न देते भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री राकेश नैनवाल।

लोस अध्यक्ष के सामने उठाया वन ग्रामों का मुद्दा

हल्द्वानी, अमृत विचार : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के कॉर्बेट नेशनल पार्क में पहुंचने पर भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री राकेश नैनवाल ने उनका अभिनंदन किया। नैनवाल ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को रामनगर के वन ग्रामों का समस्याओं संबंधित एक आग्रह पत्र भी सौंपा जिस पर उन्होंने संतोषजनक कार्यवाही का भरोसा दिलाया। इसी के साथ ही नैनवाल ने यह भी बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ने दिल्ली आकर मुलाकात करने की बात कही है। जल्द ही लोकसभा अध्यक्ष से दिल्ली में मुलाकात कर वन ग्रामों को उनका अधिकार दिलाने के लिए मजबूत पैरवी की जाएगी।

मिनी स्टेडियम में जिम व फिटनेस क्लास शुरू

हल्द्वानी : शहर के खिलाड़ियों के लिए खेल विभाग ने मिनी स्टेडियम में जिम और फिटनेस क्लास की शुरुआत कर दी है। इस पहल से अब खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण मिल सकेगा। स्टेडियम में स्थापित जिम अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है, जहां अनुभवी ट्रेनर खिलाड़ियों को उनकी जरूरत के अनुसार फिटनेस ट्रेनिंग दे रहे हैं। इससे खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता और प्रदर्शन में सुधार होगा। इस सुविधा का मुख्य उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को निखारना और उन्हें राज्य, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। जिला क्रीड़ाधिकारी निर्मला पंत ने कहा कि भविष्य में और सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

शिक्षा में बेमिसाल है नैनीताल

एकॉर्न स्कूल संवार रहा नन्हे मुन्नों का भविष्य

आशा आर्या
प्रधानाचार्य

एकॉर्न स्कूल नन्हे मुन्नों का भविष्य संवारने में उत्कृष्ट भूमिका निभा रहा है। वर्तमान में कक्षा पांचवी तक अंग्रेजी माध्यम से संचालित यह विद्यालय नगर में नगरवासियों की पहली पसंद बन गया है। स्कूल का वातावरण बच्चों को खूब भाता है। पढ़ाई का स्तर उच्च स्तरीय है। अनुभवी शिक्षिकाएं बच्चों की मनोस्थिति को समझते हुए, आधुनिक शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। विद्यालय में बच्चों के शारारिक विकास के लिए खेलकूद की अनेकों सुविधाएं उपलब्ध हैं। तमाम सुविधाओं से सुसज्जित यह विद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विद्यालय का संचालन कर रही प्रधानाचार्य आशा आर्या कहती हैं कि उनका जीवन बच्चों का भविष्य संवारने के लिए समर्पित है। भविष्य में भी समर्पित रूप से अपना दायित्व निभाएंगी।

निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर मदर हार्ट पब्लिक स्कूल

नगमा परवेज
प्रधानाचार्य

नगर के प्रमुख पब्लिक स्कूलों में शुमार मदर हार्ट पब्लिक स्कूल निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। अंग्रेजी माध्यम से संचालित यह विद्यालय पूर्णरूप से शिक्षा के मापदंडों के साथ बच्चों के चहुमुखी विकास में जुटा हुआ है। विद्यालय में अनुभवी शिक्षकों द्वारा पठन पाठन कार्य संचालित किया जाता है। साथ ही बच्चों की प्रतिभाओं को उभारने के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। जिसके चलते यह विद्यालय निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। प्रधानाचार्य नगमा परवेज कहती हैं कि उनका जीवन शिक्षा के प्रति समर्पित है। वह भविष्य में भी इसी तरह अपना दायित्व निभाने का प्रयास करेंगी।

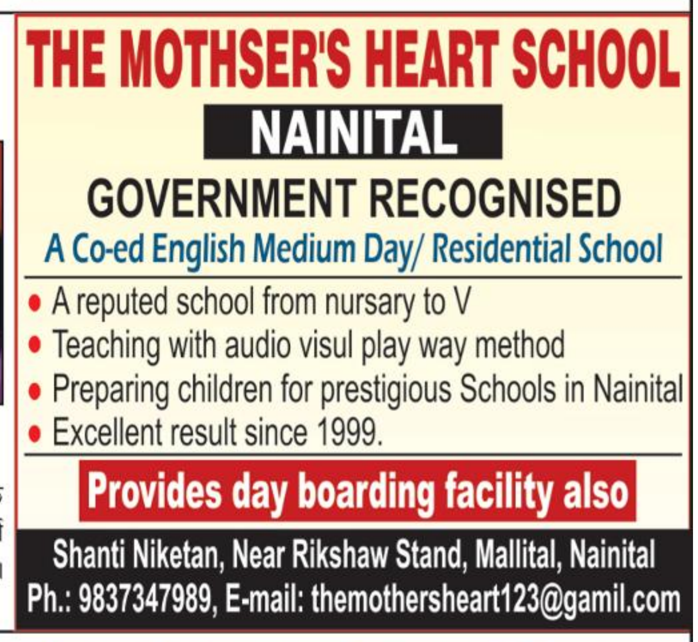

Vrindavan Public School

Rakhi Sah
Principal

Vrindavan Public School was established in 2009 under the C.L. Sah Memorial Education Society with the aim offostering the holistic development of young learners. The school is recognised by the Government of Uttarakhand and, as a Playway and Preparatory School, has successfully nurtured students in both academics and extracurricular activities.The school's clean, green, sunny, and spacious environment provides excellent facilities for the physical and mental growth of children, helping them become bright and confident individuals. This English-medium school is efficiently managed by a dedicated team under the guidance of the Principal, Mrs. Rakhee Sah, who emphasizes a nurturing atmosphere for all-round development.The school has introduced smart classes and projectors to make learning more interactive and engaging. It also promotes activities that develop gross motor skills, such as Origami, Dance, Taekwondo, and games, forming an essential part of its physical education program. Additionally, the school offers a centralized heating and cooling system for the comfort of students.

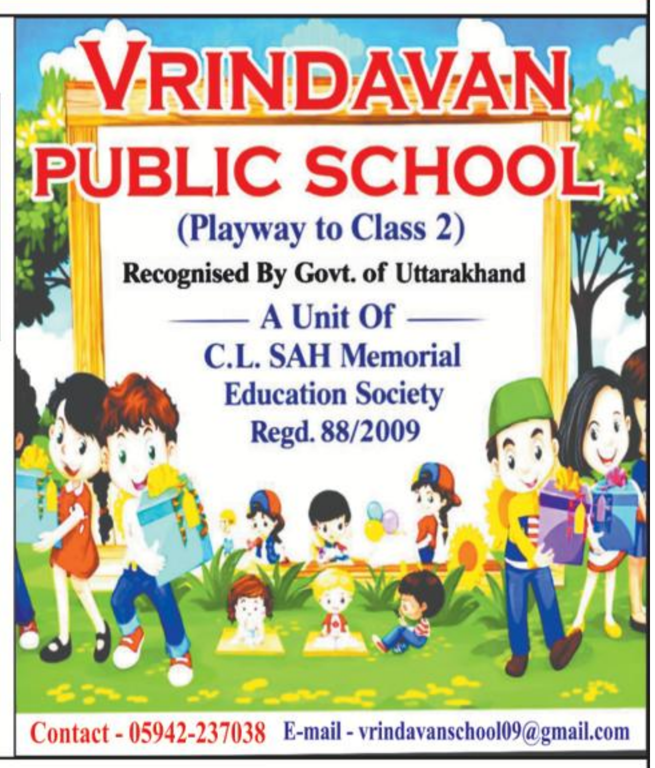

नैन्सी कॉन्वेंट रेजिडेंशियल स्कूल, ज्योलिकोट, नैनीताल

नैन्सी कॉन्वेंट रेजिडेंशियल स्कूल, ज्योलिकोट ,नैनीताल वर्ष 1993 में स्थापित एक पूर्णतः आवासीय सह-शिक्षा संस्थान है, जो सीबीएसई संबद्ध है। प्रबंध निदेशक आई. पी. सिंह एवं निदेशक डॉ. संजय कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु शैक्षणिक, खेल एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यहाँ वन-टू-वन अध्ययन प्रणाली के माध्यम से प्रत्येक छात्र पर व्यक्तिगत विकास किया जाता है। विद्यालय में हॉकी, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन एवं शतरंज जैसे विभिन्न खेलों की तमाम सुविधाएँ उपलब्ध हैं। समय-समय पर विद्यालय परिसर में जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाता है।विद्यालय में आधुनिक एस्ट्रोटर्फ ग्राउंड के साथ-साथ शूटिंग, बिलियड्र्स, आर्चरी, ट्रैकिंग एवं अन्य साहसिक गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं। रचनात्मक व व्यक्तित्व विकास संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। निदेशक डॉ. संजय कुमार सिंह को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है, जो संस्था की गुणवत्ता एवं प्रतिष्ठा को दर्शाता है।विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, अनुशासन एवं आत्मविश्वास से परिपूर्ण एक सशक्त नागरिक के रूप में तैयार करना है।

डॉ. संजय सिंह
निदेशक

सिटी ब्रीफ

नवनियुक्त कुलपति प्रो. कश्यप का स्वागत

रुद्रपुर : गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. शिवेंद्र कुमार कश्यप का मंगलवार को गांधी हॉल में भव्य स्वागत किया गया। कुलसचिव डॉ. दीपा विनय ने उनके व्यक्तित्व और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में प्रो. कश्यप ने कहा कि विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान यहाँ के संस्कार, आपसी सम्मान और कार्य संस्कृति से बनती है। उन्होंने शिक्षण, शोध और विस्तार के समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि टीम भावना के साथ हम संस्थान को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

5 दिन से लापता नाबालिग बरामद, परिजनों को सौंपा

बाजपुर : कोतवाली क्षेत्र से 23 अप्रैल को लापता हुई एक किशोरी को पुलिस ने पांच दिन बाद सकुशल बरामद कर लिया है। किशोरी दोपहर के समय घर से निकली थी और वापस नहीं लौटी, जिसके बाद उसकी माँ ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एसआई कैलाश चंद्र नगरकोटी ने बताया कि मंगलवार सुबह पुलिस टीम ने किशोरी को ढूंढ निकाला। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया और मेडिकल परीक्षण के बाद उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि किशोरी इन पांच दिनों में कहां और किसके साथ थी।

पति के साथ रहने की जिद पर अड़ी महिला

बाजपुर : बन्नाखेड़ा क्षेत्र की एक महिला ने अपने पति के साथ रहने की मांग को लेकर पुलिस से गुहार लगाई है। महिला का आरोप है कि उसके सास-ससुर उसे प्रताड़ित कर रहे हैं और मारपीट व जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। महिला ने पुलिस को बताया कि पहले पति से अलग होने के बाद वह अपने दूसरे पति के साथ रह रही थी, जिससे उसका एक पुत्र भी है। आरोप है कि सास-ससुर ने अब उसके पति को कहीं गायब कर दिया है और उसे घर में रहने नहीं दे रहे। पीड़िता ने अपनी और बच्चे की सुरक्षा की मांग करते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की अपील की है।

अल्ट्रासाउंड सेंटर के बाहर से बाइक चोरी

बाजपुर : नगर के मुड़िया चौराहे के पास स्थित एक अल्ट्रासाउंड सेंटर के बाहर से दिनदहाड़े बाइक चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। ग्राम बिजाराखाता (रामपुर) निवासी मुराद अली 18 अप्रैल को अपनी पत्नी का चेकअप कराने राज अल्ट्रासाउंड सेंटर पहुंचे थे। सुबह करीब 11 बजे जब वह बाहर आए, तो उनकी बाइक गायब थी। काफी खोजबीन के बाद सुराग न मिलने पर पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी। बताया जा रहा है कि चोरी की यह वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर फुटेज के आधार पर चोर की तलाश शुरू कर दी है।

घर में अवैध रूप से प्रसव कराने वाली दाइयों पर दर्ज हो मुकदमा

मातृ मृत्यु दर की समीक्षा बैठक में डीएम ने अधिकारियों को दिए निगरानी के निर्देश

संवाददाता, रुद्रपुर

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम नितिन सिंह भदौरिया। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने जनपद में मातृ मृत्यु दर की स्थिति को लेकर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को हाई-रिस्क प्रेगनेंसी के मामलों की पहचान कर उनकी विशेष निगरानी करने के निर्देश दिए। साथ ही गृह प्रसव कराने वाली दाइयों की भी सतत निगरानी रखने को कहा। उन्होंने कहा कि यदि कोई दाई अवैध रूप से प्रसव कराती हुई पाई जाती है तो उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करायी जाए।

मंगलवार को जिला सभागार में समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि आशा एवं एएनएम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण एवं नियमित जांच में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। प्रसव के दौरान रेफरल सिस्टम को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाया जाए। ताकि आपातकालीन स्थिति में समय की बचत हो सके।

जनपद में अब तक आए मातृ मृत्यु के 18 मामले: सीएमओ

रुद्रपुर : मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. केके अग्रवाल ने बताया कि जनपद में अब तक कुल 18 मातृ मृत्यु के मामले सामने आए थे। जिसमें से 11 मामलों की विस्तृत समीक्षा पहले ही की जा चुकी है, जबकि आज 7 नए मामलों की समीक्षा पूर्ण की गई। मृत्यु के कारणों का विश्लेषण अधिकारियों ने प्रत्येक केस की रिपोर्ट का बारीकी से अध्ययन किया। इसमें प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं, एनीमिया (खून की कमी) समय पर अस्पताल न पहुंचने जैसे कारणों पर चर्चा हुई।

उन्होंने जनपद में पंजीकृत ऐसे चिकित्सालयों को चिन्हित करने और जहां पंजीकृत चिकित्सकों की निगरानी में प्रसव नहीं कराए जा रहे हैं। ऐसे संस्थानों का समय-समय पर आकस्मिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। अनियमितता पाये जाने पर कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं को यदि आशा कार्यकत्री प्राइवेट चिकित्सालयों में ले जाते हुए पायी जाती है तो संबंधित आशा वर्कर के खिलाफ कार्रवाई भी की जाए। मातृ मृत्यु दर को कम करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर सीडीओ दिवेश शाशनी, एसीएमओ डॉ. डीपी सिंह, पीएमएस डॉ. आरके सिंह, जनपद के सभी चिकित्सा अधीक्षक सहित डीपीएम हिमांशु, चांद मियां, डीसीएम निधि शर्मा, डीपीओ मोहम्मद आमिर खान एवं ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक सितारगंज, बाजपुर एवं गदरपुर आदि उपस्थित थे।

नानी के घर जाने के लिए निकली किशोरी लापता

रुद्रपुर: आवास विकास चौकी इलाके की रहने वाली एक किशोरी अपनी नानी के घर जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन तीन दिन से किशोरी का कोई अता-पता नहीं चला है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है।

थाना ट्रांजिट कैंप की रहने वाली एक महिला ने बताया कि वह सिडकुल की कंपनी में काम करती है और रोजमर्रा की भांति 25 अप्रैल को ड्यूटी पर गई थी। शाम को साढ़े छह बजे वापस आई तो देखा कि घर पर 15 साल की बेटी लापता है। खोजबीन करने पर बेटी की सहेली ने बताया कि किशोरी ने नानी के घर जाने की बात कही थी। महिला ने जब अपने घर फोन किया तो पता चला कि किशोरी नानी के घर भी नहीं पहुंची। शिकायतकर्ता का कहना था कि उसकी बेटी अभी नाबालिग है और बिना बताए कभी बाहर भी नहीं जाती है। आशंका जताई कि बेटी के साथ अप्रिय घटना घटित हो सकती है। लिहाजा पुलिस जल्द ही बेटी की बरामदगी करे। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है। थाना प्रभारी मोहन चंद्र पांडेय ने बताया कि आवास विकास पुलिस को सीसीटीवी कैमरे खंगालने का आदेश दिया गया है।

नवाचार पर कार्य करेंगे यूसीबी-एसबीआईएस विवि

समझौता ज्ञापन के साथ दोनों संस्थाओं के प्रमुख। ● अमृत विचार

संवाददाता, पंतनगर

- दोनों संस्थानों के प्रमुख ने समझौते पर किए हस्ताक्षर
- बायोटेक निदेशक बोले-बायोटेक है विज्ञान की अग्रणी शाखा

अमृत विचार: प्रदेश में शोध व नवाचार को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद (बायोटेक) पंतनगर एवं एसबीएस विश्वविद्यालय देहरादून मिलकर कार्य करेंगे। बायोटेक निदेशक डॉ. संजय कुमार और एसबीएस विश्वविद्यालय देहरादून के कुलपति व पूर्व कुलपति पंत विश्वविद्यालय डॉ. जे. कुमार ने समझौता पर हस्ताक्षर किए। जिसका मुख्य उद्देश्य प्रदेश में जैव प्रौद्योगिकी शिक्षा, शोध व नवाचार को बढ़ावा देना है।

मंगलवार को बायोटेक सभागार में हुए समझौते से दोनों संस्थान आधुनिक सुविधाओं, संकाय व विद्यार्थियों का आपसी आदान-प्रदान, नवीन परियोजनाओं पर मिलकर शोध सहित प्रशिक्षण सेमिनार पर संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। कुलपति डॉ. जे. कुमार ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शोध में आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंस के समन्वय से विशिष्टता बढ़ी है। युवाओं को नवाचारी सोच के साथ इसे लागू करने में दक्ष होना होगा, तभी अपेक्षित सफलता मिलेगी।

बायोटेक निदेशक डॉ. संजय कुमार ने कहा कि बायोटेक विज्ञान की अग्रणी शाखा है। इस समझौता से विद्यार्थियों को जैव प्रौद्योगिकी में अवसर मिलने के साथ ही शोध में अभिरुचि बढ़ेगी। गवाह के रूप में समझौता पर बायोटेक के वैज्ञानिक डॉ. मणिंद्र मोहन शर्मा, डॉ. सुमित पुरोहित, एसबीएस विवि से आरपी जुगरान, विपिन जैन ने हस्ताक्षर किए। इस दौरान परिषद के सभी अधिकारी, कर्मचारी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

अपने कमरे में मृत मिला एएसआई

संवाददाता, रुद्रपुर

- पुलिस लाइन में तैनात था संजय, अधिकारियों ने दिवंगत को दी श्रद्धांजलि

अमृत विचार: पुलिस लाइन में तैनात एक एएसआई का कमरे में मृत अवस्था में पड़े होने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि पुलिसकर्मी पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहा था। निधन की खबर मिलते ही पुलिस विभाग में शोक हो गया और पुलिस लाइन में विभागीय सम्मान के साथ दिवंगत को श्रद्धांजलि दी गई।

संजय खाती (फाइल)।

मूलरूप से बेरीनाग पिथौरागढ़ निवासी एएसआई संजय खाती वर्ष 1990 में पुलिस विभाग में आरक्षी के पद पर भर्ती हुए थे और उत्तराखंड बनने के बाद पुलिसकर्मी ने कई जिलों में अपनी सेवाएं दीं। बताया कि कुछ साल पहले पुलिस कर्मी सड़क हादसे में घायल हो गया था और तभी से अस्वस्थ भी चल रहा था। जिस कारण कुछ माह पहले एएसआई के पद पर पदोन्नति होने के कारण कोतवाली में तैनाती रही। दो माह पहले ही पुलिस कर्मी को पुलिस लाइन स्थानांतरण कर वाहन सुरक्षा की ड्यूटी दी गई थी।

सोमवार को पुलिसकर्मी रोजमर्रा की भांति ड्यूटी कर दोपहर को घर पहुंचा और नित्यकर्म करने के बाद सोने चला गया। देर शाम तक जब पुलिस कर्मी नहीं उठा तो उसकी पत्नी ने रात्रि 10 बजे उठाने का प्रयास किया, लेकिन कोई हलचल नहीं होने के कारण आनन-फानन में पुलिस कर्मी को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि पुलिसकर्मी की रात्रि ड्यूटी भी थी।

निधन की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मंगलवार की सुबह होते ही एसपी क्राइम जितेंद्र चौधरी, एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी, सीओ सदर प्रशांत कुमार, सीओ पंतनगर डीआर वर्मा सहित पुलिस अधिकारी, कर्मी आवास पहुंचे और परिवार को ढांढस बंधाया। दोपहर के वक्त पुलिस लाइन स्थित प्रांगण में दिवंगत पुलिसकर्मी को पुष्पचक्र अर्पित कर विभागीय सम्मान दिया गया और श्रद्धांजलि देकर अंतिम विदाई दी गई।

स्मार्ट मीटर को लेकर कांग्रेसियों ने काटा हंगामा

संवाददाता, रुद्रपुर

एसई कार्यालय के बाहर हंगामा करते कांग्रेसी पार्षद व कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: स्मार्ट मीटर को लेकर कांग्रेसी पार्षदों ने यूपीसीएल के अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर हंगामा काटा और अधिकारियों के साथ हुई बैठक का बहिष्कार कर दिया। आरोप था कि विद्युत अधिकारी उपभोक्ताओं को भयभीत कर खून चूसने वाले स्मार्ट मीटर लगा रहे हैं, जबकि अधिकारी सफाई देते रहे।

मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष नगर निगम गौरव खुराना और व्यापारी नेता संजय जुनेजा के साथ कांग्रेसी पार्षद अधीक्षण अभियंता दफ्तर पहुंचे। जहां उन्होंने हंगामा काटते हुए विद्युत विभाग की ओर से लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर लगाने का पुरजोर विरोध किया। उनका कहना था कि विजिलेंस, बिजली विभाग और स्मार्ट मीटर लगाने वाले प्राइवेट लड़के टोली बनाकर वार्ड में छापेमारी कर रहे हैं और उपभोक्ताओं को भयभीत कर जबरन स्मार्ट मीटर लगा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इंकार करने पर भारी भरकम बिजली का बिल देने की धमकी दे रहे हैं। इससे साफ है कि प्रदेश सरकार के इशारे पर एक पूंजीपति को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। जिसे बर्दाश्त नहीं किया। हंगामे के दौरान बिजली विभाग के अधिकारियों ने बैठक के माध्यम से मुद्दे पर चर्चा करने का प्रस्ताव दिया और पार्षदों के अलावा व्यापारियों के साथ बैठक शुरू की। अधिकारियों का कहना था कि स्मार्ट मीटर सिर्फ स्मार्ट मीटर ही रहेगा। जिसके इस्तेमाल से बिजली बिल अधिक नहीं आएगा, जबकि कांग्रेसी पार्षदों का कहना था कि जब पुरानी व्यवस्था ठीक ठाक चल रही है तो स्मार्ट मीटर लगाने की जल्दबाजी क्यों हो रही है।

उन्होंने स्मार्ट मीटर का झांसा देकर प्रीपेड मीटर लगाने का आरोप लगाया। काफी देर चली मंत्रणा के बाद कार्यकर्ता बैठक का बहिष्कार कर बाहर निकले और ऐलान किया कि यदि किसी भी वार्ड में स्मार्ट मीटर लगाए जाते हैं तो कांग्रेस उसका पुरजोर विरोध करेगी। इस मौके पर कांग्रेस नेता मोहन लाल खेड़ा, पार्षद जितेश शर्मा, सौरभ राज बेहड़, इंद्रजीत सिंह, व्यापारी नेता गुरमीत सिंह, सुनील जडवानी, सौरभ शर्मा, गौरव गिरि, शुभम दास, साबिर कुरैशी मौजूद रहे।

तराई में तापमान में आई पांच डिग्री की गिरावट

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: तराई में पिछलेएक सप्ताह से तापमान लगातार बढ़ रहा है। वहीं मंगलवार को अधिकतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस कम हुआ है। वहीं मौसम वैज्ञानिकों ने रात या बुधवार की सुबह तेज हवा के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है।

यहां बता दें कि तराई में पिछले एक सप्ताह से चटक धूप निकल रही है। इससे लोगों को गर्मी का अहसास हो रहा है। पिछले एक सप्ताह से तापमान 40 डिग्री पार पहुंच गया था। जीबी पंत विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एएस नैन ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से अधिकतम तापमान कभी 40 डिग्री सेल्सियस तो कभी 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच रहा था। उन्होंने बताया कि इस पश्चिम विक्षोभ के सक्रिय रहने से तेज हवा और हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन मौसम सामान्य रहने के बाद फिर मई माह में तापमान बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 23.9 डिग्री सेल्सियस रहा।

भाजपा के महामंत्री पर वसूली का आरोप

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: एक बार फिर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने निर्वाचित स्थानीय जनप्रतिनिधि के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कहा कि भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का महामंत्री ओवरलोड डंपर के संचालन के नाम पर करोड़ों रुपये की वसूली कर रहा है। जिसका बंटवारा सत्ताधारी जनप्रतिनिधि के द्वारा होता है और पुलिस प्रशासन तहरीर आने के बाद भी चुप्पी साधे हुई बैठी है। ठुकराल ने एसपी सिटी को शिकायती पत्र और साक्ष्य पेश करते हुए कार्रवाई का मुद्दा उठाया। आगाह किया कि यदि जल्द ही कार्रवाई नहीं हुई तो पुलिस कार्यालय में धरना होगा।

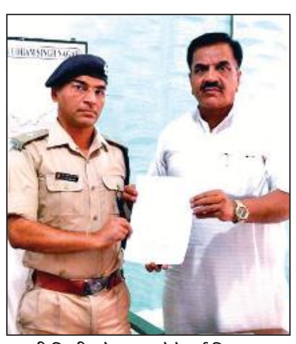
एसपी सिटी को ज्ञापन देते पूर्व विधायक।

मंगलवार को पुलिस कार्यालय पहुंचे पूर्व विधायक ठुकराल ने एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी को ज्ञापन सौंपा। उनका कहना था कि ऊधमसिंह नगर में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। पुलिस के नाम पर निर्वाचित सत्ताधारी जनप्रतिनिधि का बेहद करीबी अनुसूचित जाति मोर्चा का महामंत्री ओवरलोड डंपर से खुलेआम अवैध वसूली करता है। आरोप लगाया कि भाजपा नेता 70 हजार प्रत्येक डंपर से उगाही करते हैं और 200 डंपर से ओवरलोड और खनन वाहन के संचालन के नाम पर दो से तीन करोड़ रुपये की वसूली होती है।

उन्होंने कहा कि जिन खातों में रकम ट्रांसफर होता है और लेनदेन के मैसेज भी उनके पास है। बताया कि 16 अप्रैल को एक डंपर संचालक राम सिंह ने तहरीर देकर साक्ष्य भी पेश किए हैं और भाजपा को नामजद किया है। बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। कारण वसूली का पैसा पुलिस हो या सत्ताधारी नेताओं को बांटा जाता है। ठुकराल ने ऐलान किया कि जल्द ही मुकदमा दर्ज नहीं हुआ तो अनिश्चितकालीन धरना देंगे।

बाइक सवार बीबीए छात्र की हादसे में मौत

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: सोमवार की शाम को कॉलेज से घर लौट रहे एक बीबीए विद्यार्थी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में घायल को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और पुलिस ने घटना की जानकारी लेने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दीपक (फाइल)।

25 वर्षीय दीपक कोहली जयनगर थाना दिनेशपुर में अपने परिवार के साथ रहता था और एक प्राइवेट स्कूल से बीबीए की पढ़ाई करता था। रोजमर्रा की भांति दीपक बाइक से कॉलेज गया था और सोमवार की शाम को घर लौट रहा था। इस बीच अचानक जाफरपुर-दिनेशपुर मार्ग पर अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी के मैट्रो पालिस सिटी रुद्रपुर, उधमसिंह नगर स्थित प्लाट नं. H11/01 की पूर्व सेल डीड जो श्री यतेन्द्र जोशी, निवासी अम्बा नगर, अमरावती कॉलोनी, हल्द्वानी, नैनीताल के नाम थी, बैंक जाते समय कहीं गुम हो गयी है। यदि किसी सज्जन को मिले तो सूचित करने की कृपा करें। डी.आर. टम्टा, नं. H-11/0, मैट्रो पालिस सिटी, पन्तनगर, रुद्रपुर, उधमसिंह नगर, मो. 9456557434

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि० नैनीताल

E-Mail :- cepdpwdntl@gmail.com

UTTARAKHAND उत्तराखण्ड शासन

पत्रांक : 1021/17 एम०जी० — **निविदा सूचना** — दिनांक : 20-04-2026

महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०, नैनीताल द्वारा निम्नलिखित कार्यों की सील्ड निविदा दिनांकक 08.05.2026 को आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 02.05.2020 से 08:05:2026 तक किसी भी कार्य दिवस में निम्न कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है तथा दिनांक 06.05.2026 को अपराह्न 3:00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाले जा सकते है।
1- अधीक्षण अभियन्ता, द्वितीय वृत्ता, लो०नि०वि०, नैनीताल। 2-अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि० नैनीताल।
3- अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो०नि०वि० नैनीताल। 4- अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि० रुद्रपुर।

क्र० सं०	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रु० में) अधिशासी अभियंता प्रा०ख०, लो०नि०वि० नैनीताल के नाम बंधक हो	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु० में)	निविदा की वैधता रु० 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टॉम्प पेपर पर जिसमें रु० 1.00 का रसीदी टिकट लगा हो	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	दूनीखाल से रातीघाट (पाडली) मोटर मार्ग में यातायात सुचारू रखने हेतु, GPS Fitted (AIS Model) Pocklain मशीन को किराये पर विभाग में लगाने को कार्य। (मुख्यालय दूनीखाल)	22000.00	1500.00+ 18% GST	60 दिन	4 माह	मार्ग कार्य में पंजीकृत श्रेणी "डी" एवं उससे उच्चतर

निविदा दिनांक 06.05.2026 को सांय 3.30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेंगी। अन्य शर्तें निविदा प्रपत्र के साथ देखी जा सकती हैं। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करेन का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित रहेगा।

अधिशासी अभियंता
प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग
नैनीताल

तैयारी — कॉरिडोर को धरातल पर उतारने की कवायद तेज, महापौर शर्मा ने अधिकारियों के साथ किया स्थलीय निरीक्षण

रुद्रपुर में आध्यात्मिक ऊर्जा का नया केंद्र बनेगा शिव कॉरिडोर

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: गंगापुर रोड पर 'मानस खंड कॉरिडोर' के तहत प्रस्तावित भव्य शिव कॉरिडोर को धरातल पर उतारने की कवायद तेज हो गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा में शामिल इस महत्वाकांक्षी परियोजना को गति देने के लिए महापौर विकास शर्मा ने संबंधित विभागों की टीम के साथ प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण और सर्वे किया। इस दौरान उन्होंने पर्यटन विभाग, कुमाऊं मंडल विकास निगम, परिवहन और नगर निगम के अधिकारियों को प्रोजेक्ट का ड्राफ्ट जल्द तैयार करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के बाद अधिकारियों से जानकारी लेते महापौर विकास शर्मा। ● अमृत विचार

मंगलवार को महापौर शर्मा ने नगर निगम सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक के बाद मौके पर जाकर सर्वे कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने इस परियोजना को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताते हुए कहा कि शिव कॉरिडोर केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि रुद्रपुर की नई पहचान और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बनेगा। यह मेरा संकल्प है कि रुद्रपुर को एक ऐसा स्थल मिले जहां आकर लोग न केवल शांति का अनुभव करें, बल्कि हमारी समृद्ध सनातन संस्कृति से भी जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि गंगापुर रोड स्थित यह कॉरिडोर प्राचीन शिव मंदिर, गोल्ज्यू मंदिर और नीलकंठ धाम को एक सूत्र में पिरोकर सर्वसमाज की आस्था का संगम बनेगा। यहां बंगाली, कुमाऊंनी और सभी समाज की संस्कृतियों को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। परियोजना के विस्तार पर चर्चा करते हुए महापौर ने बताया कि इस कॉरिडोर को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में भी विकसित किया जाएगा, ताकि लोग पवित्र वातावरण में मांगलिक कार्य संपन्न कर सकें। इसके साथ ही, पर्यटकों को ग्रामीण परिवेश का अनुभव देने के लिए यहां मड हाउस (मिट्टी के घर) तैयार किए जाएंगे और बाहरी श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए आधुनिक विश्राम गृह बनाए जाएंगे। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि नई पीढ़ी को अपने संस्कारों से जोड़ने के लिए यहां संस्कृति की पाठशाला भी शुरू की जाएगी। जहां सनातन मूल्यों का ज्ञान दिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे, पार्षद प्रतिनिधि मानवेंद्र समेत पर्यटन विभाग, कुमाऊं मंडल विकास निगम एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

यह परियोजना शहर की अर्थव्यवस्था को भी देगी गति

रुद्रपुर : महापौर ने कहा कि शिव कॉरिडोर रुद्रपुर की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करेगा। यह परियोजना शहर की अर्थव्यवस्था को भी गति देगी, रोजगार के नए अवसर सृजित करेगी और पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व और आशीर्वाद से रुद्रपुर आज विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। जल्द ही इस परियोजना का विस्तृत ड्राफ्ट तैयार कर लेंगे, जिसके बाद मुख्यमंत्री स्वयं रुद्रपुर आकर इसका शिलान्यास करेंगे।

ब्रीफ न्यूज

अवैध शराब की 8 भट्ठियां कीं ध्वस्त

सितारगंज : चौकी शक्तिफार्म पुलिस ने अवैध कच्ची शराब के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सोमवार को गांव जगतारपुर और तिलियापुर के जंगलों में संचालित अवैध भट्ठियों को नष्ट कर दिया। सोमवार को शक्तिफार्म पुलिस चौकी प्रभारी ललित चौधरी के नेतृत्व में टीम ने गांव जगतारपुर और तिलियापुर से सटे बाराकोली रेंज के जंगल में अवैध शराब कारोबारी के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस टीम ने कुल 8 भट्ठियों को ध्वस्त कर किया। साथ ही, करीब 10 हजार लीटर लहन भी नष्ट कियापुलिस को लंबे समय से इन क्षेत्रों में जंगल के भीतर अवैध शराब निर्माण की सूचना मिल रही थी। इसी के आधार पर चौकी शक्तिफार्म पुलिस ने सघन अभियान चलाते हुए दोनों स्थानों पर एक साथ दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम ने शराब बनाने में प्रयुक्त उपकरणों को भी नष्ट कर दिया गया। वहीं, स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की है। टीम में हरीश चंद, हरगोविंद सिंह, कमल सिंह, भूपाल बिष्ट शामिल रहे।

नानकसागर बांध में डूबा रोडवेज बस चालक, मौत

संवाददाता, खटीमा

मनोहर सिंह (फाइल)।

अमृत विचार: रोडवेज के संविदा चालक की उस समय डूब जाने से मौत हो गई, जब वह नानकसागर में हाथ पैर धो रहा था और पैर फिसल गया। मृतक टनकपुर डिपो में बस खड़ी कर अन्य बस से बच्चों से मिलने काशीपुर जा रहा था।

सोमवार को बग्गा चौवन की भुड़िया लेन निवासी मनोहर सिंह (54) पुत्र लक्ष्मण सिंह टनकपुर रोडवेज डिपो में बस खड़ी कर अन्य बस से काशीपुर बच्चों से मिलने जा रहा था। देर शाम नानकसागर बांध पर बस रुकने पर वह धाम में हाथ पैर धोने लगा तभी अचानक पैर फिसलने से वह सागर में डूब गया। लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंचे नानकसागर चौकी इंचार्ज राजेंद्र पंत ने शव को खोजबीन कर निकलवाया और उप चिकित्सालय में मोर्चरी में रखवाया। आज मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर निशिकांत ने बताया कि फेफड़ों में पानी भरने से व्यक्ति की मौत हुई है। मृतक मनोहर सिंह रोडवेज में पिछले 15 साल से भी अधिक समय से रोडवेज में संविदा में चालक पद पर थे। जो बस को टनकपुर रोडवेज में खड़ी कर अपने बच्चों के घर काशीपुर जा रहा था। मृतक की चार लड़कियां हैं। जिनका विवाह हो चुका है और एक पुत्र योगी 9 साल का है। मृतक की पत्नी दीपा और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

विद्यार्थियों ने डीएम से पूछे कई प्रश्न, छात्र जीवन से सिविल सेवा तक के संघर्षों को किया साझा

जिलाधिकारी ने मेधावियों को सिखाए जीवन के पाठ

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जनपद के मेधावी विद्यार्थियों के साथ प्रेरणादायी संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने अपने छात्र जीवन से लेकर सिविल सेवा तक के संघर्षपूर्ण और प्रेरक सफर को साझा करते हुए विद्यार्थियों को सफलता के सूत्र बताए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही उपस्थित अभिभावकों और शिक्षकों के योगदान की भी सराहना की।

मंगलवार को संवाद कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी के समक्ष विद्यार्थियों ने खुलकर अपने सवाल रखे। उन्होंने कहा कि

संवाद कार्यक्रम में डीएम से प्रश्न पूछता मेधावी छात्र। ● अमृत विचार

लक्ष्य निर्धारण कैसे करें?, नीट की तैयारी किस प्रकार करें?, रुचि कला वर्ग में है, लेकिन अच्छे अंक आने के कारण विज्ञान लेने का दबाव है तो क्या करें? आदि ज्वलंत प्रश्नों पर जिलाधिकारी ने सहज, व्यावहारिक और प्रेरक उत्तर दिए। उन्होंने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि जीवन में वही क्षेत्र चुनना चाहिए जिसमें वास्तविक रुचि हो। कारण उसी में निरंतरता और उत्कृष्टता संभव है। उनके उत्तरों ने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को मजबूत किया और उनके मनोबल को नई दिशा दी।

जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों को संतुलित जीवनशैली अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने खेल, संगीत, नृत्य, गायन या अन्य रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। ताकि पढ़ाई का दबाव कम हो और व्यक्तित्व का समग्र विकास हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि सफलता केवल मेहनत से ही नहीं, बल्कि सही दिशा और गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन से मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अच्छे शैक्षणिक संस्थानों का चयन करने की सलाह देते हुए कहा कि बेहतर माहौल और प्रतिस्पर्धी वातावरण से सीखने की क्षमता और भी विकसित करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी विषयों का पाठ्यक्रम मूलतः समान स्तर का होता है और हर क्षेत्र में उज्ज्वल भविष्य की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर उन्होंने महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए कहा कि सबसे पहले परीक्षा के सिलेबस को गहराई से समझें, फिर एक ठोस योजना बनाएं और उसी के अनुसार निरंतर अभ्यास करें। अनुशासन, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास को सफलता की कुंजी बताते हुए उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हैं तो सफलता मिलनी तय है। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी ने सभी मेधावी विद्यार्थियों को जीवनोपयोगी पुस्तकें, बैग एवं मिष्ठान वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। यह संवाद कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए न केवल मार्गदर्शक साबित हुआ, बल्कि उनके भविष्य के प्रति नई ऊर्जा और सकारात्मक दृष्टिकोण भी प्रदान करने वाला रहा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, प्रभारी मुख्य शिक्षा अधिकारी सावेद आलम, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी उमा शंकर नेगी सहित अनेक विद्यार्थी, शिक्षक व अभिभावक मौजूद रहे।

भाई की शादी के लिए खरीदारी कर लौट रहीं दो बहनों की हादसे में मौत

सितारगंज में किच्छा हाईवे पर नयागांव के पास कार ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर

- ममेरी बहन की हालत भी गंभीर अस्पताल में भर्ती

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार: किच्छा हाईवे पर एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े एक ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। हादसें में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि, दो सगी बहनों ने रुद्रपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए खटीमा भेज दिया है।

मंगलवार को गांव नयागांव, सितारगंज निवासी हिना (22) पुत्री रईस अहमद और गांव सिरौलीकलां, किच्छा निवासी निशा (25) पत्नी तौफीक अहमद अपनी ममेरी बहन जहानाबाद (यूपी) निवासी रूबी (23) के साथ भाई मो. जाकिर के बारात की खरीदारी करने के लिए सितारगंज बाजार गई थी। बाजार से तीनों बहनें ई-रिक्शा में सवार होकर घर लौट रही थी। नयागांव के पास हाईवे किनारे ई-रिक्शा से उतरकर चालक को किराया दे रही थी। तभी सितारगंज की ओर से तेज गति से आई एक कार ने हाईवे पर किसी वाहन को ओवरटेक करते समय ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तीनों बहनें सहित ई-रिक्शा सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से ई-रिक्शा सवार गांव सिसैया निवासी रामकुमार गुप्ता, राजेश्वरी गुप्ता, डालचंद कश्यप और प्रेमपाल गंगवार को सितारगंज के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जबकि, तीन बहनों को उप जिला अस्पताल सितारगंज में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने दो सगी बहनें हिना और निशा सहित ममेरी बहन रूबी की गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। रुद्रपुर की एक निजी अस्पताल में दोनों सगी बहनों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जबकि, रूबी का इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही कांग्रेस नेता नवतेज पाल सिंह, करन जंग, आसपा नेता सत्येंद्र कुमार सहित दर्जनों नेता उनके आवास पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को धैर्य बनाए रखने का साहस दिया और ढाढस बंधाया। इधर, सीओ बीएस धौनी ने बताया कि दोनों शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए खटीमा भेज दिया है। दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। हादसें के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है।

बाइक और स्कूटी की टक्कर में पेपर मिल कर्मी ने दम तोड़ा

काशीपुर : स्कूटी और बाइक की टक्कर में गंभीर रूप से घायल हुए स्कूटी सवार पेपर मिल कर्मी की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। खड़कपुर देवीपुरा निवासी सतीश (40) पुत्र श्रीराम जसपुर रोड स्थित एक पेपर मिल में नौकरी करते थे। बीते रविवार की सुबह लगभग साढ़े नौ बजे वह स्कूटी से ड्यूटी जा रहे थे। बताया जा रहा है कि इसी दौरान जसपुर रोड पर फैक्ट्री से पहले सामने से आ रहे बाइक की स्कूटी से टक्कर हो गई। हादसे में स्कूटी व बाइक सवार दोनों लोग घायल हो गए। घायलों को मुरादाबाद रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां सोमवार की देर रात सतीश की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मंगलवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने बताया कि सतीश फैक्ट्री में नौकरी करके परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। वह अपने पीछे दो बेटी राधिका (12) व कंचन (8) और चिराग (6) व पत्नी सहित अन्य परिजनों को रोता-बिलखता छोड़ गए हैं।

डीसीएम से टकराकर बाइक सवार की मौत

जसपुर: डीसीएम से टकराकर बाइक सवार की मौत हो गई। हादसे में बाइक सवार की पत्नी एवं बच्चा भी गंभीर घायल हो गए। घायलों को काशीपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

मंगलवार को रम्पुरा रेलवे कालोनी नजीबाबाद हाल निवासी बक्शीवाला फाटक के पास बिजनौर निवासी 35 वर्षीय इकबाल पुत्र शब्बीर अहमद अपनी पत्नी नाहिद एवं सात माह के मो. शान को बाइक पर बैठाकर काशीपुर में अपने किसी रिश्तेदार के यहाँ शादी में शरीक होने आ रहा था। बताते है कि जैसे ही इकबाल रायपुरी बार्डर पर पहुंचा तो आगे जा रही डीसीएम क्रेन द्वारा अचानक ब्रेक लगाने से बाइक डीसीएम में घुस गई। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को एक निजी अस्पताल में लाया गया। लेकिन हालत नाजुक होने पर तीनों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर डाक्टरों ने इकबाल को मृत घोषित कर दिया। वहीं, नाहिद एवं शान को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। कोतवाल राजेंद्र सिंह डांगी ने बताया कि हादसे के बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

बिजली पोल शिफ्टिंग को लेकर किया हंगामा

किच्छा में मौके पर नाप जोख करते अधिकारी एवं व्यापारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: नगर के हल्द्वानी मार्ग पर लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जा रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य के दौरान बिजली पोल लगाने के स्थान को लेकर स्थानीय व्यापारियों ने जमकर हंगामा किया। व्यापारियों का आरोप था कि विद्युत विभाग निर्धारित और चिन्हित स्थानों के बजाय दूसरी जगहों पर पोल लगा रहा है, जिससे भविष्य में व्यापार और आवाजाही प्रभावित हो सकती है।

आनंदपुर मोड़ से किच्छा रेलवे स्टेशन तक सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा है। इस प्रक्रिया में सड़क के बीच आ रहे बिजली के खंभों को किनारे शिफ्ट किया जा रहा है। मौके पर मौजूद व्यापारियों ने आरोप लगाया कि विद्युत विभाग बार-बार पोल लगाने की जगह बदल रहा है, जिससे भ्रम और परेशानी की स्थिति पैदा हो रही है। हंगामे की सूचना मिलते ही विद्युत विभाग के उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे। व्यापारियों ने मांग रखी कि लोक निर्माण विभाग द्वारा पूर्व में चिन्हित किए गए स्थानों पर ही पोल स्थापित किए जाएं। अधिकारियों ने व्यापारियों की चिंताओं को सुना और लोक निर्माण विभाग द्वारा की गई पैमाइश (भूमि नपत) के आधार पर ही पोल लगाने पर सहमति जताई। उचित स्थान चिन्हित होने के बाद व्यापारियों ने संतोष व्यक्त किया।

पेड़ से लटका मिला इकलौते बेटे का शव

खटीमा: कोतवाली क्षेत्र के वनगवां गांव में मंगलवार सुबह उस समय कोहराम मच गया, जब गांव के ही हीरा सिंह (23 वर्ष) पुत्र जोगिंदर सिंह का शव घर से महज 100 मीटर दूर एक खेत में यूकेलिप्टस के पेड़ से लटका पाया गया। हीरा अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था।

हीरा सिंह (फाइल)।

हीरा सिंह सोमवार रात खाना खाने के बाद किसी से मिलने की बात कहकर घर से निकला था। रात करीब 11 बजे उसने अपने पिता को फोन कर मां से बात करने की इच्छा जताई थी, लेकिन पिता ने बात अनसुनी कर फोन काट दिया और मोबाइल फ्लाइट मोड पर लगा दिया। सुबह करीब साढ़े सात बजे ग्रामीणों ने उसका शव पेड़ से लटका देखा। घटनास्थल पर पहुंचे पिता जोगिंदर सिंह ने बेटे की मौत को आत्महत्या मानने से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है। सूचना मिलते ही एसएसआई ललित मोहन रावल और एसआई ललित सिंह बिष्ट भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पंतनगर की कॉलोनियों का मुद्दा उठाया

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ ने देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। विधायक ने पंतनगर एयरपोर्ट विस्तारीकरण की जद में आ रहे संजय कॉलोनी, मस्जिद कॉलोनी और वाल्मीकि कॉलोनी के लगभग 600 परिवारों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने मांग की कि जब तक इन परिवारों के लिए ठोस पुनर्वास योजना न बने, उन्हें न उजाड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय प्रशासन से वार्ता कर फिलहाल कोई जल्दबाजी में कार्रवाई नहीं होगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन सौंपते किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़।

इसके साथ ही, बेहड़ ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में वृद्धि, सेवानिवृत्ति पर 10 लाख की सहायता और अनावश्यक कटौती बंद करने की मांग भी रखी।

विधानसभा सत्र के दौरान विधायक बेहड़ ने जिला प्रशासन ऊधम सिंह नगर द्वारा अचानक बुलाई गई जिला योजना समिति की बैठक पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने समय पर एजेंडा बुकलेट न मिलने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए बैठक को दोबारा आयोजित करने की मांग उठाई।

अभिमंडल अध्यक्ष व अंश सेनापति चुने गए

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मदनापुर में शिशु भारती एवं छात्र संसद का गठन किया गया। विद्यालय में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनाव में चुने गए पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराई गई।

प्रधानाचार्य बच्ची सिंह बिष्ट ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। चुनाव प्रक्रिया द्वारा मनोनीत पदाधिकारियों में अध्यक्ष पद पर अभिमंडल, उपाध्यक्ष राज मधु, सेनापति भैया अंश सरकार, उप सेनापति तन्मय राय, मंत्री भैया शिवा विश्वास, उप मंत्री रूद्र विश्वास, वंदना प्रमुख बहन वंदना आर्य व वंदना, सहायक विद्या समददार को चुना गया। इसके अलावा शेष मेधावी विद्यार्थियों को विभिन्न विभागों का प्रमुख एवं सहायक बनाया गया। शपथ दिलाने के बाद प्रधानाचार्य बच्ची सिंह बिष्ट ने सभी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा "आज के शिशु कल का देश का भविष्य हैं। इस भाव को रखते हुए विद्यालय में पूरे वर्ष भर अपने दायित्वों का निर्वहन करें और समाज के हर क्षेत्र में अग्रणी रहें। विद्यालय कोषाध्यक्ष डिगर सिंह टाकुली ने व्यवस्था को विद्यालय हित एवं छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए उत्तम बताया। इस मौके पर खड़क सिंह कार्की, राम सिंह कोरंगा, महेंद्र सिंह पपोला आदि मौजूद रहे।

अस्थाई चेक पोस्ट का विरोध किया

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: नगर के हल्द्वानी मार्ग पर कैलाश माइनिंग द्वारा अस्थाई रॉयल्टी चेक पोस्ट बनाए जाने के विरोध में ग्राम प्रधानों और ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। शांतिपुरी लिंक मार्ग पर स्थापित इस चेक पोस्ट के कारण वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे स्कूली बच्चों और मरीजों सहित आम जनता को भारी जाम और भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा।

प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे प्रधान संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र यादव और क्षेत्र पंचायत सदस्य ललित मोहन ने कहा कि दर्जनों गांवों को जोड़ने वाले मुख्य लिंक मार्ग पर अनावश्यक चेक पोस्ट बनाना गलत है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि खनन डंपरों से गिरने

किच्छा में ग्रामीणों से वार्ता करते कोतवाल प्रकाश सिंह। ● अमृत विचार

वाली मिट्टी के कारण मार्ग खराब हो चुका है और धूल-मिट्टी से लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। हंगामे की सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रकाश दानू भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। तहसील प्रशासन और खनन विभाग के अधिकारियों ने भी ग्रामीणों से वार्ता की। आक्रोशित ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि चेक पोस्ट नहीं हटाया गया और सड़कों की हालत नहीं सुधारी गई, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। अंततः, अधिकारियों द्वारा अस्थाई चेक पोस्ट न बनाए जाने और समस्याओं के जल्द समाधान के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त किया। मौके पर कविता तिवारी, ललित बिष्ट, मोहन पांडे, इंदर मेहता, क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक दीपक सिंह मौजूद रहे।

उत्साह — कांग्रेस जिला कार्यालय में नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों का भव्य स्वागत किया

जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष का आह्वान

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: कांग्रेस जिला कार्यालय पर नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों के सम्मान में एक भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष अशोक राय, पवन बिष्ट और नासिर अली का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत कर उत्साहवर्धन किया।

मंगलवार को कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष हिमांशु गावा ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर पर कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने नवनियुक्त अध्यक्षों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके

नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों के साथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष, पूर्व विधायक और अन्य।

नेतृत्व में कांग्रेस की नीतियां जन-जन तक पहुंचेंगी। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से जनता की आवाज उठाती रही है और नए पदाधिकारियों की ऊर्जा से आगामी चुनावों में पार्टी को बड़ी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष करने का आह्वान किया।

महानगर अध्यक्ष ममता रानी ने कहा कि संगठन में युवाओं और अनुभवी कार्यकर्ताओं का मेल ही पार्टी की सफलता का आधार है। उन्होंने नवनियुक्त अध्यक्षों से महिलाओं और युवाओं को पार्टी से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करने की अपील की। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार सिंह, गोपाल भसीन, सतीश कुमार, उमा सरकार और ज्योति टम्टा सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान ललित, शाहिद अली, अबरार भाई, बाबू विश्वकर्मा, बेबी सिकंदर, मानस बैरागी, फरीद मंसूरी, पार्षद जितेश शर्मा, अशोक यादव, महेश कोली, कमल चुघ, संजीव राठौर, ओमप्रकाश राठौर, सचिन आनंद, चमन विश्वास, पार्षद बाबू खान आदि मौजूद रहे।

विधायक दें जवाब, कैसे नाम हुई भूमि

- विधायक पुत्र भूमि घोटाले पर सियासी घमासान
- गूलरभोज नगर अध्यक्ष ने खोला मोर्चा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: उत्तराखंड की राजनीति में गदरपुर विधायक अरविंद पांडेय के पुत्र पर लगे भूमि घोटाले के आरोपों ने अब बड़ा मोड़ ले लिया है। गूलरभोज नगर पंचायत अध्यक्ष सतीश चुघ ने विधायक के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कई तीखे सवाल दागे हैं, जिसके जवाब में विधायक ने खुद को और अपने परिवार को किसी भी वैज्ञानिक जांच के लिए तैयार बताया है।

प्रेस वार्ता के दौरान सतीश चुघ ने आरोप लगाया कि विधायक

प्रेसवार्ता करते गूलरभोज नगर पंचायत अध्यक्ष सतीश चुघ।

ने अपने रसूख का इस्तेमाल कर बुक्सा जनजाति की एक 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला की चार एकड़ भूमि अपने बेटे अतुल पांडेय के नाम करा ली। चुघ ने तकनीकी खामियों को उजागर करते हुए पूछा कि नियमानुसार बुक्सा समुदाय की भूमि सामान्य व्यक्ति के नाम कैसे दर्ज हुई? उन्होंने दस्तावेजों में हेरफेर का दावा करते हुए कहा कि साल 2011 में जो पुत्र 16 वर्ष का था, उसे कागजों में 40 वर्ष का कैसे दिखाया गया और ''पांडेय'' सरनेम की जगह ''कुमार'' क्यों लिखा गया? चुघ ने इसे बुजुर्ग माता के साथ अन्याय बताते हुए निर्णायक लड़ाई की चेतावनी दी।

इन आरोपों पर पलटवार करते हुए विधायक अरविंद पांडेय ने भावुक कार्ड खेला। उन्होंने कहा कि वे अपनी और भाजपा की स्वच्छ छवि को लेकर गंभीर हैं। विधायक ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि इस पूरे मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए उनकी और पीड़ित पक्ष की पॉलीग्राफी जांच कराई जाए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यदि कोई नेता दागदार है, तो उसकी सच्चाई वैज्ञानिक विधि से सामने आनी चाहिए ताकि पार्टी की छवि धूमिल न हो।

मार्ग चौड़ीकरण का कार्य जल्द

खटीमा: मुख्य चौराहे से टोल प्लाजा पहेनियां तक प्रस्तावित सड़क के चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण के कार्य का प्राधिकरण के अधिकारियों ने निरीक्षण किया। उन्होंने पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी के साथ टनकपुर रोड स्थित पुराने बस अड्डे पर प्रस्तावित बहुमंजिली मॉल निर्माण स्थल का भी निरीक्षण किया।

नगर के सौंदर्य करण एवं चौड़े मार्ग निर्माण के कार्यों के तहत मुख्य चौराहे से टोल प्लाजा पहेनियां तक सड़क का नरेंद्र नवानी अधिशासी अभियंता जिला विकास प्राधिकरण ने अपनी टीम के साथ निरीक्षण किया। परियोजना का यह कार्य यातायात व्यवस्था को सुगम व सुरक्षित तथा नगर की सुंदरता को आधुनिक रूप देगा।

सिटी ब्रीफ

जसपुर में गेहूं कटाई को लेकर दो पक्ष भिड़े

जसपुर : गेहूं फसल की कटाई को लेकर खेत में ही दो पक्षों में भिड़ंत हो गई। आपसी लड़ाई में एक पक्ष के दो लोग घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक गांव राजपुर निवासी किसान भोपाल सिंह के खेत का रास्ता पड़ोसियों ने बंद कर दिया। जिससे किसान को गेहूं फसल की मड़ाई में दिक्कत होने लगी। मामले की शिकायत किसान ने एसडीएम से की। बताते हैं कि एसडीएम के निर्देश पर कानूनगो एवं हल्का लेखपाल ने मौके पर पहुंचकर अपनी मौजूदगी में किसान के खेत में पड़े गेहूं की मढ़ाई कराई। तभी विपक्ष के कुछ लोग लाठी-डंडे लेकर मौके पर जा धमके। किसान एवं उसके परिवार के ऊपर लाठी डंडों से हमला कर दिया। पीड़ित किसान ने आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

चैती मेले से युवक की बाइक चोरी, रिपोर्ट दर्ज

काशीपुर : पत्नी के साथ चैती मेला देखने आये युवक की बाइक चोर चोरी कर ले गये। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने बाइक चोरी का मुकदमा दर्ज किया है। मोहल्ला नई बस्ती जसपुर निवासी शंकर सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ बीती 7 अप्रैल की रात बाइक से चैती मेला देखने आया था तथा उसने बाइक भगवती हॉस्पिटल वाली गली में खड़ी की थी। जब वह रात में वापस आया तो उसकी बाइक वहां से गायब थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर बाइक चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

58 हेक्टेयर वन भूमि पर कब्जे को लेकर संग्राम

ग्रामीणों के उग्र विरोध के आगे बेबस हुई वन विभाग की टीम, भारी विरोध के कारण बैरंग लौटे अधिकारी

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः उत्तराखंड के काशीपुर स्थित कुंडेश्वरी क्षेत्र में मंगलवार को वन भूमि पर प्लांटेशन करने पहुंचे वन विभाग के अमले और ग्रामीणों के बीच भारी गतिरोध देखने को मिला। रामनगर वन प्रभाग की जुड़का बीट के अंतर्गत आने वाले गांधीनगर खत्ता में 58 हेक्टेयर भूमि को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि वन कर्मियों को ग्रामीणों के भारी विरोध और हंगामे के कारण बैरंग वापस लौटना पड़ा।

मामला रामनगर रेंज की जुड़का बीट का है, जहां विभाग की करीब 58 हेक्टेयर (लगभग 230 एकड़) भूमि पर न्यायालय के आदेशानुसार प्लांटेशन (वृक्षारोपण) किया जाना प्रस्तावित है। इस ज़मीन को कब्ज़ा मुक्त करने के लिए वन विभाग ने पिछले साल दिसंबर माह में भी अभियान चलाया था। उस समय विभाग ने भूमि के चारों ओर तारबाड़ कर दी थी। हालांकि, उस दौरान ज़मीन पर ग्रामीणों द्वारा गेहूं की फसल बोई गई थी। ग्रामीणों के विनम्र अनुरोध और मानवीय दृष्टिकोण को देखते हुए विभाग ने आश्वासन दिया था कि फसल कटाई तक उन्हें परेशान नहीं किया जाएगा।

काशीपुर के ग्राम जुड़का में धरने पर बैठे ग्रामीण। ● अमृत विचार

ग्राम जुड़का में तैनात वन कर्मी। ● अमृत विचार

प्लांटेशन के दौरान हंगामा और नोकझोंक

फसल कटने के बाद, मंगलवार दोपहर को जब रामनगर रेंज के रेंजर धर्मानंद सुनाल के नेतृत्व में वन विभाग की टीम हैरो मशीन और ट्रैक्टरों के साथ प्लांटेशन की प्रक्रिया शुरू करने पहुंची, तो ग्रामीण लामबंद हो गए। जैसे ही मशीनें ज़मीन पर चलना शुरू हुईं, बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं और पुरुषों ने मशीनों के आगे खड़े होकर काम रुकवा दिया। ग्रामीणों का स्पष्ट तर्क था कि यह ज़मीन वन विभाग की नहीं, बल्कि राजस्व विभाग की है। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि वन विभाग के कर्मचारियों और ग्रामीणों के बीच तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की होने लगी।

धरने पर बैठीं ग्रामीण महिलाएं

रेंजर धर्मानंद सुनाल ने ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की और उन्हें ज़मीन से जुड़े दस्तावेज़ों व कोर्ट के आदेशों का हवाला दिया, लेकिन ग्रामीण टस से मस नहीं हुए। आक्रोशित ग्रामीण वहीं ज़मीन पर धरने पर बैठ गए। विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं ने मोर्चा संभाल लिया और विभाग के विरुद्ध नारेबाज़ी शुरू कर दी। ग्रामीणों ने साफ कर दिया कि वे किसी भी कीमत पर अपनी पुश्तैनी ज़मीन को नहीं छोड़ेंगे।

प्रशासन ने फिलहाल पीछे हटने का निर्णय लिया

घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए कुंडेश्वरी चौकी प्रभारी मनोज धौनी भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और वन विभाग के अधिकारियों ने घंटों तक ग्रामीणों को मनाने और धरना समाप्त करने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। रेंजर सुनाल ने बताया कि विभाग नियम सम्मत कार्रवाई कर रहा है, लेकिन ग्रामीणों का रुख बेहद कड़ा था। जैसे-जैसे शाम ढली और अंधेरा होने लगा, सुरक्षा व्यवस्था और ग्रामीणों के उग्र प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने फिलहाल पीछे हटने का निर्णय लिया। देर शाम तक चले इस ड्रामे के बाद वन विभाग की टीम को बिना किसी कार्रवाई के वापस लौटना पड़ा।

गांधीनगर खत्ता में तनाव बरकरार

फिलहाल गांधीनगर खत्ता में तनाव बरकरार है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वे इस मामले की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजेंगे। संभावना जताई जा रही है कि अगले कुछ दिनों में भारी पुलिस बल और पीएसी की मौजूदगी में दोबारा प्लांटेशन अभियान चलाया जा सकता है। दूसरी ओर, ग्रामीणों ने भी इस ज़मीन को बचाने के लिए आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है।

गौ मांस की सप्लाई करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचारः कोतवाली पुलिस ने प्रतिबंधित मांस की तस्करी और बिक्री के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मोहल्ला नईबस्ती स्थित एक होटल पर छापा मारकर होटल स्वामी सहित सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि मोहल्ला नईबस्ती में दानिश (मूल निवासी मुरादाबाद, हाल निवासी जसपुर) के होटल पर प्रतिबंधित मांस की खेप पहुंचने वाली है। पुलिस ने जाल बिछाया और मौके से ठाकुरद्वारा निवासी नईम, जुबेर और फरीद को दबोच लिया। ये आरोपी होटल स्वामी दानिश को मांस सप्लाई करने आए थे। पूछताछ में आरोपियों ने एक संगठित नेटवर्क का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि अशोक सिंह और भजन सिंह उर्फ राजे (निवासी कुंडा) जंगल से आवारा जानवरों को पकड़कर कसाइयों को बेचते थे। इसके बाद ठाकुरद्वारा निवासी फहीम उर्फ सट्टा इन जानवरों को काटने का काम करता था, जिसके बाद मांस को अलग-अलग होटलों में सप्लाई किया जाता था। कोतवाल राजेंद्र सिंह डांगी ने बताया कि पुलिस ने होटल स्वामी दानिश समेत सभी सात नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य संभावित संपर्कों और इस धंधे में शामिल अन्य संदिग्धों की तलाश में जुट गई है। इस कार्रवाई ने क्षेत्र में गौ-तस्करी के कारोबार पर करारा प्रहार किया है।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी। ● अमृत विचार

तीन अस्पतालों पर पांच पांच हजार का जुर्माना

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः तीन अस्पतालों में बायोमेडिकल वेस्ट का सही से निस्तारण नहीं होते पाये जाने पर पांच-पांच हजार का जुर्माना लगाया गया है। वहीं एक हेल्थ केयर और क्लीनिक को सील किया गया है।

मंगलवार को तहसीलदार पंकज चंदोला, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमरजीत साहनी, सहायक नगर आयुक्त विनोद लाल शाह, एफएसओ श्याम सिंह और प्राधिकरण कर्मियों ने संयुक्त रूप से अस्पतालों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान अधिकारियों ने अस्पतालों में स्टाफ, फायर, बैठने की व्यवस्था आदि की जांच की। मुरादाबाद रोड स्थित तीन निजी अस्पतालों में बायोमेडिकल वेस्ट का निस्तारण सही से होता नहीं पाया गया। साथ ही एक अस्पताल में फायर की अनुमति नहीं पाई गई। तीनों अस्पतालों पर पांच-पांच हजार का जुर्माना लगाया है। इसके बाद टीम महेशपुरा पहुंची। यहां दो क्लीनिक बिना दस्तावेजों के संचालित पाए गए। टीम ने दोनों को सील कर दिया। तहसीलदार पंकज चंदोला और नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमरजीत साहनी ने बताया कि तीन अस्पताल पर पांच-पांच हजार का जुर्माना लगाया गया है। महेशपुरा में झोलाछाप एक हेल्थकेयर और एक क्लीनिक को सील किया गया है। एक सप्ताह के भीतर मानक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

अक्टूबर तक चलेगा स्विमिंग का प्रशिक्षण

काशीपुरः इस बार स्टेडियम स्थित स्विमिंग पूल अक्टूबर माह तक संचालित किया जाएगा। चार साल बाद इतने लंबे समय के लिये स्विमिंग पूल संचालित हो सकेगा।

दरअसल कोरोना काल के बाद से स्पोर्ट्स स्टेडियम स्थित स्विमिंग पूल संचालित होने पर कोई न कोई दिक्कतें आ रही है। कोरोना काल में दो साल तक प्रशिक्षण पूरी तरह बंद रहा। इसके बाद चुनाव समेत अन्य किसी कारण के चलते बहुत कम समय के लिये स्विमिंग का प्रशिक्षण दिया जा सका। अमूमन अप्रैल माह में स्विमिंग का प्रशिक्षण आरंभ हो जाता है। इस साल 24 अप्रैल को स्विमिंग का प्रशिक्षण शुरू हो चुका है। हालांकि अभी केवल छोटे-बड़े मिलाकर 14 लोग ही स्विमिंग का प्रशिक्षण ले रहे हैं, लेकिन एक मई से यह संख्या बढ़ने के आसार है।

काशीपुर में श्रीराम इंस्टीट्यूट में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ अतिथि।

श्रीराम संस्थान में फेयरवेल समारोह आयोजित

काशीपुर : श्रीराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के बहुउद्देशीय सभागार में बीसीए विभाग के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा अपने सीनियर्स (अंतिम वर्ष के छात्रों) के सम्मान में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। उत्साह, उमंग और रंगारंग प्रस्तुतियों से सजे इस कार्यक्रम में कनिष्ठ छात्रों ने अपने सीनियर्स को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। समारोह के दौरान छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे। आकर्षक परिधानों में सजे छात्र-छात्राओं ने रैंप वॉक के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, वहीं मनोरंजक फन गेम्स ने सभी का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के आधार पर निर्णायक मंडल ने उदयराज सिंह को मिस्टर फेयरवेल तथा हर्षिता दुर्गापाल को मिस फेयरवेल के खिताब से सम्मानित किया। इस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष रवीन्द्र कुमार, निदेशक प्रो. (डॉ.) योग राज सिंह एवं प्राचार्य डॉ. एसएस कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

रामलीला कमेटी के लिए तहसीलदार को चुनाव अधिकारी नामित किया

संवाददाता, काशीपुर

● **श्री रामलीला कमेटी के साधारण सभा की सूची उपलब्ध कराने के लिये नोटिस जारी किए**

अमृत विचारः रामलीला कमेटी के चुनाव के लिए एसडीएम ने तहसीलदार को चुनाव अधिकारी नामित किया है। चुनाव अधिकारी कमेटी की निवर्तमान कमेटी को तीन दिन के अंदर पंजीकृत संस्था श्री रामलीला कमेटी के साधारण सभा की सूची उपलब्ध कराने को नोटिस जारी किया है।

श्री रामलीला कमेटी, रामलीला ग्राउंड के चुनाव जो वर्ष 2017 से आयोजित नहीं हो पाने के कारण उप निबंधक, फर्म सोसायटीज एवं चिट्स, ऊधम सिंह नगर द्वारा वर्ष 2023 में विहित प्राधिकारी / उप जिलाधिकारी को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के प्रावधानों के तहत चुनाव कराये के लिये चुनाव अधिकारी नामित किये जाने का अनुरोध किया गया था। इस पर एसडीएम ने जून, 2024 में श्री रामलीला कमेटी के चुनाव कराये जाने के लिये नायब तहसीलदार, काशीपुर को चुनाव अधिकारी नामित किया। लेकिन नायब तहसीलदार, काशीपुर का पद रिक्त होने कारण पुनः उप निबंधक, फर्म सोसायटीज एवं चिट्स, ऊधम सिंह नगर को अन्य किसी अधिकारी को चुनाव अधिकारी नामित किये जाने का अनुरोध किया गया। इस पर एसडीएम ने तहसीलदार काशीपुर को कमेटी का चुनाव कराये जाने के लिये चुनाव अधिकारी नामित किया गया है। एसडीएम ने नामित चुनाव अधिकारी को संस्था के चुनाव सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपादित कराये जाने के निर्देश दिये हैं।

एसडीएम के निर्देश के बाद तहसीलदार पंकज चंदोला ने निवर्तमान कमेटी को 03 दिन के अंदर पंजीकृत संस्था श्री रामलीला कमेटी के साधारण सभा की सूची उपलब्ध कराने के लिये नोटिस जारी किये हैं। तहसीलदार ने बताया कि कमेटी के चुनाव नियमानुसार निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से जल्द कराये जाएंगे।

50 लाख के हो चुके हैं विकास कार्य

सड़क का शिलान्यास करतीं ग्राम प्रधान मीना विश्वास व त्रिनाथ विश्वास।

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचारः गदरपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विजयनगर ग्राम पंचायत में विकास कार्यों को लेकर सकारात्मक पहल देखने को मिल रही है। ग्राम प्रधान मीना विश्वास व प्रधान प्रतिनिधि त्रिनाथ विश्वास ने संयुक्त रूप से लगभग 5 लाख रुपये की लागत से निर्मित सड़क का उद्घाटन किया गया।

इस दौरान वार्ड सदस्य एवं बीडीसी सदस्य भी मौजूद रहे। ग्राम प्रधान मीना विश्वास ने कहा चुनाव से पूर्व जनता से किए गए वादों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक ग्राम पंचायत में लगभग 50 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य कराए जा चुके हैं। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि बरसात से पहले नाली, सड़क और जल निकासी से जुड़े सभी अधूरे कार्य पूर्ण कर लिए जाएंगे, जिससे ग्रामीणों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो सके। प्रधान प्रतिनिधि त्रिनाथ विश्वास ने बताया कि सरकार से प्राप्त बजट का शत-प्रतिशत उपयोग विकास कार्यों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत विजयनगर के सभी गांवों में समान रूप से कार्य कराए जा रहे हैं। साथ ही लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। उनका कहना था कि बुनियादी सुविधाओं में सुधार दिखाई दे रहा है। इस मौके पर दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

डायनेस्टी की प्रतिज्ञा और कृतिका को डीएम ने किया सम्मानित

डीएम के साथ डायनेस्टी की छात्राएं।

खटीमा : डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फार्म की छात्रा प्रतिज्ञा पोखरिया को बोर्ड वरीयता सूची में 8वां और कृतिका को 17वां स्थान प्राप्त करने पर जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने रुद्रपुर में सम्मानित किया। डीएम भदौरिया ने कहा कि विद्यार्थियों को सदैव अपने लक्ष्य की ओर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। विद्यालय के प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर सभी को बधाई दी है।

युवाओं को मिलेगा नवाचार का मौका

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर के डिजाइन इनोवेशन सेंटर (डीआईसी) ने द गुरुकुल फाउंडेशन स्कूल, काशीपुर के अटल टिंकरिंग लैब के सहयोग से अविष्कार 5.0 एक राष्ट्रीय नवाचार चुनौती का शुभारंभ किया है। इस पहल का उद्देश्य देशभर के युवा प्रतिभागियों और पेशेवरों में नवाचार, अनुसंधान और समाधान-आधारित सोच को प्रोत्साहित करना है।

समस्या से समाधान की अवधारणा पर आधारित यह राष्ट्रीय मंच प्रतिभागियों को विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप विचारों और रणनीतियों के निर्माण के लिए प्रेरित करता है।

यह पहल प्रतिभागियों को वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए अनुसंधान, डिजिटल उपकरणों और डिज़ाइन थिंकिंग आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिसमें नीति निर्माण और सामाजिक प्रभाव पर विशेष बल दिया गया है। आईआईएम से जारी विज्ञप्ति में बताया कि यह प्रतियोगिता स्कूल (कक्षा 6 से 12), कॉलेज एवं विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ उद्योग से जुड़े पेशेवरों के लिए खुली है। प्रतिभागी 1 से 2 सदस्यों की टीम के रूप में भाग ले सकते हैं, जबकि स्कूल टीमों के लिए एक शिक्षक मेंटर अनिवार्य होगा।

शांतनु महाराज को स्मृति चिह्न भेंट करते वरिष्ठ भाजपा नेता चुघ। ● अमृत विचार

शांतनु महाराज ने सुनाया श्रीराम-केवट संवाद

रुद्रपुर : फुलसुंगा गांव में सात दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन पूर्वांचल सेवा समिति की ओर से किया जा रहा है। जिसमें परम पूज्य शांतनु महाराज श्री राम कथा का वर्णन किया जा रहा है। जिसमें श्री राम और केवट संवाद के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी और वरिष्ठ भाजपा नेता भारत भूषण चुघ रहे। श्रीराम कथा के दौरान शांतनु महाराज ने बताया कि किस प्रकार गंगा नदी को पार करने के लिए प्रभु श्री राम ने केवट की नाव का सहारा लिया और वह गंगा नदी पार कर पाए। उन्होंने कहा कि प्रभु राम ने राक्षसों का नाश करने के लिए जहां वानरों को अपनी सेना बनाया। वही समाज के सभी लोगों का भी सहयोग लिया। इससे पूर्व समाजसेवी और भाजपा नेता चुघ ने श्री शांतनु महाराज को पुष्प गुच्छ भेंटकर व पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर दूधिया बाबा मंदिर के स्वामी शिवानंद जी महाराज, आलोक प्रताप सिंह, नीरज कुमार सिंह, सोनू ठाकुर, जयप्रकाश सिंह, जगदंबा कौशिक आदि मौजूद रहे।

इंडस्ट्रीज का बिजली कनेक्शन काटा, विरोध

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः एक पैकेजिंग इंडस्ट्रीज का बिजली कनेक्शन काट देने से परेशान इंडस्ट्रीज के लोगों ने सांकेतिक प्रदर्शन किया।

महावीर पैकेजिंग इंडस्ट्रीज के अमित कुमार जैन ने बताया कि उन्होंने अभी तक स्मार्ट मीटर नहीं लगाया है, इसको लेकर मंगलवार दोपहर को उनकी इंडस्ट्री की बिजली ऊर्जा निगम की ओर से काट दी गई। इसके विरोध में जब बिजली घर पर पहुंचे तो वहां पर तृतीय श्रेणी का कर्मचारी मौजूद था। जब बिजली घर पर कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं मिला तो आधा घंटे तक सांकेतिक प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान उन्हें मौखिक रूप से बताया कि उनके यहां पर स्मार्ट मीटर नहीं लगा है, इस कारण बिजली काटी गई है। आरोप लगाया कि इस संबंध में ऊर्जा निगम के अवर सहायक अभियंता, एसडीओ ग्रामीण को फोन मिलाया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। ऐसे में जब काफी देर कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो वो लौट आए। यदि जल्द ही बिजली की लाइन नहीं जोड़ी गई तो सभी कारोबारी आंदोलन करेंगे। प्रदर्शन करने वालों में अक्षत पाइप इंडस्ट्री के ओमप्रकाश बजाज, हरि ऑक्सीजन के शोभित अग्रवाल, विनित रावल, दीपक मिश्रा, आयुष अग्रवाल आदि रहे।

रोष | बाजपुर चीनी मिल में छंटनी की आशंका और भेदभाव का आरोप, दी कार्य बहिष्कार की चेतावनी

मेडिकल परीक्षण के विरोध में उतरे कर्मचारी

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः सहकारी चीनी मिल बाजपुर के स्थायी कर्मचारियों ने मिल प्रबंधन द्वारा थोपे जा रहे चिकित्सकीय परीक्षण के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कर्मचारियों ने प्रधान प्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर दो-टूक शब्दों में कहा है कि वे 28 और 29 अप्रैल को प्रस्तावित मेडिकल प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बनेंगे।

कर्मचारियों का तर्क है कि वे नियुक्ति के समय नियमानुसार अपना चिकित्सकीय परीक्षण करा चुके हैं। अब दोबारा मेडिकल बोर्ड के माध्यम से परीक्षण कराने के पीछे वे ''छंटनी'' की साजिश देख रहे हैं। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि मिल प्रबंधन एक तरफ शासनादेश का हवाला देकर उनकी चिकित्सकीय सुविधाएं और भत्ते बंद कर चुका है, वहीं दूसरी ओर परीक्षण के नाम पर उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि पिछले एक साल से कर्मचारी 35 से 45 प्रतिशत तक वेतन कटौती का सामना कर रहे हैं, जिससे वे पहले ही मानसिक तनाव में हैं। मिल परिसर में उड़ने वाली धूल और गैसों के कारण स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। कर्मचारियों ने यह भी मुद्दा उठाया कि जहां उनका वेतन काटा जा रहा है, वहीं अधिकारियों को गुपचुप तरीके से पदोन्नति और वेतन वृद्धि दी जा रही है, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है।

बाजपुर में चिकित्सीय परीक्षण के विरोध में नारेबाजी करते स्थायी कर्मकार।

मंगलवार को कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से मेडिकल प्रक्रिया का बहिष्कार किया। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि प्रबंधन ने दबाव बनाने की कोशिश की, तो वे पूर्ण कार्य बहिष्कार को मजबूर होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी मिल प्रशासन की होगी। इस दौरान भारी संख्या में कर्मचारी मिल परिसर में मौजूद रहे। इस मौके पर श्याम कार्तिक, गुलाम मुस्तफा, गुरमीत सिंह सीटू, मिथलेश, रामऔतार, दौलत सिंह, विनोद, राजकुमार कश्यप, अब्दुल हमीद, नन्हें सिंह, विजयपाल सिंह, रामसरन, रशीद, सुरेश दीक्षित, दिनेश, छोटे लाल आदि मौजूद रहे।

किच्छा के विद्या मंदिर में मेधावी बच्चों को सम्मानित करते अतिथि। ● अमृत विचार

मेधावी बच्चों को किया गया सम्मानित

किच्छा : नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड की मेरिट सूची में 21वां स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र विक्रम सिंह सहित अन्य छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में सरस्वती विद्या मंदिर के होनहार छात्र विक्रम सिंह ने 500 में से 467 अंक प्राप्त कर मेरिट सूची में 21वां स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय परिसर में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में विद्यालय की वरीयता सूची में स्थान प्राप्त करने वाले हर्षिका गंगवार, अंतेश कुशवाहा, आदित्य यादव, तान्या राठौर श्वेता धनगर, चेतन यादव, आयुषी तिवारी, कृष्णा गिरी, कौशल गंगवार, आयुषी कुशवाहा, अंश कुमार, आलिया गंगवार एवं रश्मि को प्रमाण पत्र एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य कैलाश चंद्र भट्ट ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्वागत कार्यक्रम में ओमपाल गंगवार, मुकेश बिष्ट, तुलसी प्रसाद, वेद प्रसाद, रामकिशोर, श्यामा चरण, पुरुषोत्तम राम, आशुतोष मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

श्रीमद्भागवत कथा के सफल आयोजन पर जताया आभार

बनबसा : भूमिया मंदिर बमनपुरी में मंदिर समिति अध्यक्ष जीवन सिंह नेगी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में हाल ही में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के सफल आयोजन के बाद व्यवस्थाओं की समीक्षा की गया तथा आयोजन की सफलता के लिए सभी का आभार जताया गया। इस दौरान आयोजन से जुड़े आय-व्यय का विस्तृत विवरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उपस्थित सदस्यों ने अपने सुझाव साझा करते हुए भविष्य में भी सहयोग बनाए रखने का संकल्प लिया। बैठक का संचालन दिनेश भट्ट ने किया। इस मौके पर पंडित दया किशन पंत, अशोक जोशी, दीपू रौतेला, कुलदीप रावत सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

आंधी के कारण कांडा मार्ग में गिरा पेड़। ● अमृत विचार

आंधी-तूफान का कहर, छतें उड़ीं, दो छात्राएं घायल

बागेश्वर, अमृत विचार : जनपद में मंगलवार दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट बदली और तेज आंधी-तूफान व बारिश ने भारी नुकसान पहुंचाया। तूफान के चलते कई दुकानों और मकानों की छतें उड़ गईं, जिससे अफरा-तफरी मच गई। छत गिरने से दो छात्राएं घायल हो गईं, जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तूफान के कारण कांडा रोड और गरुड़ रोड पर पेड़ गिरने से यातायात बाधित हो गया। इसके अलावा कई स्थानों पर शादी-विवाह के टेंट भी उड़ गए। घटबगड़ क्षेत्र में एक मकान के ऊपर पेड़ गिरने की सूचना है। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

कोसी बैराज में जल्द शुरू होंगे वाटर स्पोर्ट्स, डीएम ने मानसखंड मिशन के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए

अल्मोड़ा का मल्ला महल बनेगा हेरिटेज वेडिंग डेस्टिनेशन

- डीएम ने जिला पर्यटन विकास समिति की बैठक ली

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः पर्यटन गतिविधियों को सुव्यवस्थित, सतत और प्रभावी ढंग से विकसित करने के उद्देश्य से जिला पर्यटन विकास समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं, आधारभूत संरचना के विकास, प्रचार-प्रसार रणनीतियों और रोजगार सृजन की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने पिछली बैठक के निर्देशों की समीक्षा करते हुए कोसी बैराज क्षेत्र में वाटर स्पोर्ट्स को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। साथ ही सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अलावा झांकर सैम मंदिर के पास प्रस्तावित ईको हट्स और भतरोजखान स्थित अतिथि गृह को जल्द संचालित करने के निर्देश दिए गए।

अल्मोड़ा कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में मौजूद समिति सदस्य। ● अमृत विचार

मल्ला महल को हेरिटेज वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने पर जोर देते हुए प्रति कार्यक्रम 80 हजार रुपये शुल्क निर्धारित करने और इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए। व्यवस्थाओं के बेहतर संचालन के लिए अनुभवी प्रबंधक की नियुक्ति पर भी बल दिया गया। मानसखंड मंदिर माला मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जागेश्वर धाम के मास्टर प्लान को प्राथमिकता के आधार पर लागू कर वहां की आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए अल्मोड़ा को प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने की बात कही।

युकां कार्यकर्ताओं ने फूंका सरकार का पुतला

महंगाई, बिगड़ती कानून व्यवस्था पर जताया आक्रोश, नर्सिंग कॉलेज की मनमानी का भी किया विरोध

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा में सरकार का पुतला फूंकते युकां कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचारः अल्मोड़ा में संचालित मां अम्बे इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज के खिलाफ अब यूथ कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। बुधवार नाराज यूथ कांग्रेस ने नर्सिंग कॉलेज की मनमानी और पत्रकारों के साथ अभद्रता के खिलाफ प्रदर्शन किया। वहीं, महंगाई, कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को लेकर सरकार का पुतला फूंका।

इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि नर्सिंग संस्थान में लगातार सामने आ रही घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। कहा कि हाल ही में एक वरिष्ठ पत्रकार के साथ बदसलूकी और उन्हें धमकाने की घटना यह दर्शाती है कि संस्थान के संचालकों के हौसले कितने बुलंद हैं और उन्हें किस प्रकार का राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। यह सीधे तौर पर कानून-व्यवस्था को चुनौती देने जैसा है। वहीं, कार्यकर्ताओं ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। अपराध की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आम लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। महिलाओं पर अपराध की घटनाएं बढ़ रही हैं। सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। महंगाई के मुद्दे पर भी यूथ कांग्रेस ने सरकार को घेरा। इसके अलावा कार्यकर्ताओं ने कहा कि नर्सिंग इंस्टीट्यूट मानकों के विपरीत संचालित किया जा रहा है, जिसकी जांच होनी आवश्यक है। कहा कि पहाड़ के छात्रों का दमन करने का काम कर रहा है। उन्होंने मामले में कार्रवाई की मांग उठाई।

इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र भोज, यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष विक्रम सिंह फर्त्याल, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री पूरन सिंह रौतेला, जिला अध्यक्ष पंचायती राज हरीश भट्ट, नगर अध्यक्ष तारा चंद्र जोशी, पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश चंद जोशी, विनोद वैष्णव, अख्तर हुसैन, भैरव गोस्वामी, जगदीश पांडे, शरद साह, चन्दन गिरी गोस्वामी, अंबी राम आर्य, ललित मोहन पंत, विशाल कनवाल, रॉबिन भंडारी, प्रत्येश पांडे, शहाबुद्दीन, भारत रत्न पांडे, पारस डसीला, वीरेंद्र चंद्र आर्या, गोपाल मोहन भट्ट, इसरार अहमद, संतोष कुमार, किरन आर्या, गोलू सतवाल, दीपक डसीला, सुमित जोशी, अनूप फर्त्याल आदि रहे।

नर्सिंग कॉलेज संचालक पर सख्त कार्रवाई की मांग

अल्मोड़ा : नर्सिंग कॉलेज में पत्रकारों के साथ हुए अभद्र व्यवहार को लेकर मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब क्षेत्रीय विधायक मनोज तिवारी ने पत्रकारों के साथ हुई बदसलूकी पर नाराजगी जताते हुए कॉलेज प्रबंधक पर कार्रवाई की मांग उठाई है। विधायक तिवारी ने प्रेस को दिए एक बयान में कहा कि पत्रकार लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं और समाज के हर वर्ग की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। ऐसे में उनके साथ किसी भी प्रकार की अभद्रता न केवल निंदनीय है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के भी खिलाफ है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो व्यक्ति पत्रकारों की गरिमा को ठेस पहुंचा सकता है, उसके व्यवहार पर स्वाभाविक रूप से सवाल उठते हैं कि वह आम जनता, विद्यार्थियों और संस्थान में कार्यरत शिक्षकों के साथ कैसा व्यवहार करता होगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित नर्सिंग इंस्टीट्यूट का यह पहला मामला नहीं है, बल्कि पूर्व में भी इस संस्थान से जुड़े कई विवाद सामने आ चुके हैं, जो नैतिकता और अनुशासन के विपरीत रहे हैं। ताकि सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रशासन दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे। उन्होंने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई।

अनुमेहा जोशी को हिंदी ओलंपियाड में पांचवां स्थान

बनबसाः केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 एनएचपीसी बनबसा की कक्षा 7 की छात्रा अनुमेहा जोशी ने अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांचवां स्थान प्राप्त किया है। यह प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा दिल्ली के सीडी देशमुख ऑडिटोरियम में आयोजित की गई थी।

इस उपलब्धि पर अनुमेहा को लद्दाख के उपराज्यपाल द्वारा प्रशस्ति पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य राजेश कुमार वत्स ने छात्रा को सम्मानित करते हुए इसे विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। अनुमेहा के पिता दीपक जोशी केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 छावनी में गणित के अध्यापक हैं। इस मौके पर स्कूल के शिक्षक भी उपस्थित रहे।

छात्रा को शील्ड प्रदान करते प्राचार्य।

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट से जनता परेशान

लमगड़ा के मेरगांव में जल संस्थान ने टैंकरों से पानी का वितरण किया। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्मोड़ा

- बढ़ती गर्मी के बीच जल संकट ने बढ़ाई लोगों की मुश्किलें
- विभाग जल संकट ग्रस्त क्षेत्रों में टैंकर से बांट रहा पानी

अमृत विचारः अल्मोड़ा में गर्मी बढ़ने के साथ ही जिले में पेयजल संकट भी गहराने लगा है। जिले के ग्रामीण इलाकों में जल संकट से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नियमित और पर्याप्त पानी नहीं मिलने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। हालांकि विभाग की ओर से टैंकर से पानी बांटा जा रहा है। जिससे कुछ हद तक लोगों को राहत मिल रही है।

जिलेभर में इन दिनों लगातार गर्मी बढ़ रही है। जिसका सीधा असर जल स्त्रोतो पर पड़ रहा है। जल स्रोत सूखने से ग्रामीणों को पानी के लिए जूझना पड़ रहा है। कई गांवों में नलों से पानी की आपूर्ति होनी बंद हो गई है। वहीं, पानी के लिए ग्रामीण इधर-उधर भटक रहे हैं।

इधर विभाग की ओर से मंगलवार को भी लमगड़ा, मेरगांव, तोली समेत आदि स्थानों पर टैंकरों से पानी बांटा गया। विभागीय स्टोर कीपर किशन सिंह मेहता ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट दूर करने के लिए विभाग लगातार टैंकरों के माध्यम से लोगों की प्यास बुझा रहा है। उन्होंने बताया कि रोजाना टैंकरों के माध्यम से ग्रामीणों को पीने के पानी उपलब्ध कराया जा रहा है।

जन आक्रोश सम्मेलन में मौजूद महिलाएं। ● अमृत विचार

नारी शक्ति अधिनियम लागू करने की मांग उठाई

बागेश्वर, अमृत विचार : भाजपा महिला मोर्चा ने नारी शक्ति अधिनियम को जल्द लागू करने की मांग करते हुए इसके विरोध को लेकर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों की आलोचना की। यहां आयोजित जन आक्रोश सम्मेलन में मुख्य वक्ता प्रदेश उपाध्यक्ष कमला चुफाल ने कहा कि विपक्षी दल अधिनियम लागू होने में रोड़ा अटका रहे हैं, लेकिन जनता उनकी मंशा समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा इस अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को अधिकार और सत्ता में भागीदारी दिलाना चाहती है। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या ने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष रेखा गोस्वामी ने कहा कि विपक्ष को जनता आने वाले चुनाव जवाब देगी। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख दीपा आर्या, नीमा धपोला, विमला कपकोटी, आशा फुलारा, भगवती धपोला आदि मौजूद रहे। संचालन भावना गड़िया ने किया।

डीडीए की समाप्ति तक जारी रहेगा धरना

अल्मोड़ाः जिला विकास प्राधिकरण की समाप्ति की मांग को लेकर सर्वदलीय संघर्ष समिति का धरना प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को समिति से जुड़े सदस्यों ने धरना दिया। इस दौरान शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। डीडीए समाप्ति तक धरना प्रदर्शन पर डटे रहने की चेतावनी दी।

धरना स्थल पर वक्ताओं ने कहा कि डीडीए पहाड़ के भौगोलिक स्थिति के अनुकूल नहीं है। इसके कारण लोगों के लिए भवन बनाना मुश्किल हो गया है। उन्हें कई विभागों के चक्कर काटने पड़ रहा हैं। नगर निगम की आय भी इससे कम हो गई है। सदस्यों ने जल्द डीडीए हटाने की मांग की। यहां समिति संयोजक प्रकाश चंद्र जोशी, अख्तर हुसैन, रॉबिन मनोज भंडारी, ललित मोहन पंत, हेम चंद्र रहे।

जिपं सदस्य कृष्णानंद जोशी का चुनाव रद्द

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचारः जिला पंचायत की शक्तिपुरबुंगा सीट के विजेता प्रत्याशी कृष्णानंद जोशी का चुनाव रद्द कर दिया गया है। दूसरे नंबर पर रहे प्रत्याशी की याचिका पर जिला न्यायालय ने मंगलवार को ये आदेश दिया। मतदाता सूची में दो जगह नाम दर्ज होने के चलते निर्वाचन रद्द कर दिया गया है। अब यह सीट खाली हो गई है।

हरिद्वार जिले को छोड़ उत्तराखंड के शेष 12 जिलों में जुलाई 2025 में त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव हुए थे। चम्पावत जिले की जिला पंचायत की शक्तिपुरबुंगा सीट से कृष्णानंद जोशी ने भाजपा समर्थित मनमोहन सिंह बोहरा को 345 वोटों से हराया था। कृष्णानंद जोशी को 2259 और मनमोहन सिंह बोहरा को 1914 वोट मिले थे। इसके अलावा मनीष महर को 1734, दिनेश चंद्र चौड़ाकोटी को 1041 और चंद्र सिंह को 812 मत मिले थे।

चुनाव नतीजे के खिलाफ दूसरे नंबर पर रहे भाजपा समर्थित प्रत्याशी मनमोहन सिंह बोहरा ने अदालत में याचिका दायर की थी। जिसमें उन्होंने कृष्णानंद जोशी का चम्पावत विधानसभा क्षेत्र में दो जगह मतदाता सूची में नाम होने का आरोप लगाया था। सभी पक्षों को सुनने और तमाम दस्तावेजों के परीक्षण के बाद जिला जज अनुज कुमार संगल मंगलवार को निर्वाचन रद्द करने का आदेश दिया। अब यह सीट रिक्त हो गई है।

बाहरी लोगों के सत्यापन की मांग

रानीखेत में एसडीएम को ज्ञापन सौंपते विहिप कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, रानीखेत

- विहिप ने गो संरक्षण व सत्यापन अभियान को लेकर सौंपा ज्ञापन

अमृत विचारः विश्व हिंदू परिषद जिला रानीखेत ने "गो सम्मान आह्वान अभियान" के तहत संयुक्त मजिस्ट्रेट के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में गो रक्षा, गो माता के सम्मान और कठोर गो कानून बनाने की मांग की गई। इस दौरान जिला अध्यक्ष हर्षवर्धन पंत ने कहा कि गो संरक्षण भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसके लिए सख्त कानून जरूरी है। वहीं, परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर एक अन्य ज्ञापन सौंपा। इसमें क्षेत्र में रह रहे बाहरी लोगों के सख्त सत्यापन और नशा तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की गई। कार्यक्रम में जिला मंत्री विपिन भार्गव, कोषाध्यक्ष रघुवर बिष्ट, नगर अध्यक्ष नवल किशोर पांडे, नगर मंत्री नवीन पंत, दिगंबर मनराल, पारस तिवारी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्प्रिंगफील्ड स्कूल में नृत्य प्रतियोगिता में सफल छात्र-छात्राएं शिक्षकों के साथ।

गोविंद स्कूल में एकल नृत्य प्रतियोगिता आयोजित

रानीखेत, अमृत विचार : गोविंद मेमोरियल स्प्रिंग फील्ड पब्लिक स्कूल में एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रमुख त्योहार, देशभक्ति गीत और विभिन्न क्षेत्रों के लोक नृत्य विषय रखे गए, जिसमें प्रतिभागियों ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। ग्रुप-1 में वर्णिका नेगी (कक्षा 2) ने प्रथम, सोनल नैनवाल (कक्षा 3) ने द्वितीय और लावांशी (कक्षा 3) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ग्रुप-2 में रूही (कक्षा 4) प्रथम, सृष्टि (कक्षा 5) द्वितीय और नमन (कक्षा 4) तृतीय रहे। वहीं ग्रुप-3 में रिद्धिमा (कक्षा 7) प्रथम, लावण्या (कक्षा 8) द्वितीय और इशिता (कक्षा 6) तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम में सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष विमल सती मुख्य अतिथि व निर्णायक रहे। उन्होंने प्रतिभागियों की सराहना की। विद्यालय की मैनेजिंग डायरेक्टर रमा माहरा और प्रधानाचार्या रितिका कांडपाल ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। कार्यक्रम में शिक्षक, अभिभावक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दहशत | **दुकानदारों ने भागकर बचाई जान, सोमवार रात उचौलीगोठ में भी दिखा था हाथी**

हनुमान चट्टी पर दिनदहाड़े गजराज की धमक

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचारः पूर्णागिरि मार्ग से लगे उचौलीगोठ, गेंडाखाली और थ्वालखेड़ा के बाद अब हाथी की धमक पूर्णागिरि धाम के पास हनुमान चट्टी में भी शुरू हो गई है। मंगलवार सुबह 10 बजे करीब विशालकाय हाथी हनुमान चट्टी में सड़क पार करता हुए दिखाई दिया। हाथी को देखते हुए मां पूर्णागिरि मेले में आए श्रद्धालुओं में हड़कंप मच गया। हाथी सड़क किनारे बनी दुकानों तक पहुंच गया, जिससे घबराए दुकानदारों दुकान छोड़कर भाग निकले।

पूर्णागिरि मार्ग पर गुजरता हाथी। ● अमृत विचार

अफरा तफरी देख घटना स्थल से दूर दुकान लगा रहे दुकानदारों ने घटना की जानकारी बूम रेंज को दी। जिसके बाद वन दरोगा भरत बिष्ट के नेतृत्व में पहुंची टीम ने हाथी को ठुलीगाड़ की तरफ जंगल में खदेड़ा। हाथी के जंगल की ओर भागने के बाद श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। इस दौरान कई श्रद्धालुओं ने हाथी का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया में वायरल कर दिया। उचौलीगोठ के ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार की रात हाथी उचौलीगोठ में लगी पानी के टंकी के पास पहुंचा और पानी पीने के बाद जंगल की ओर चला गया। बताया कि हाथी लगातार पूर्णागिरि मार्ग पर विचरण कर रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को भी खतरा उत्पन्न हो गया है। लोगों ने वन विभाग से श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों की सुरक्षा को देखते हुए रात में भी गस्त करने की मांग की है।

> मंगलवार की सुबह 10 बजे करीब हाथी के हनुमान चट्टी के पास आने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचकर वन विभाग की टीम ने हाथी को जंगल की ओर खदेड़ा। हाथी से तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए गस्त बढ़ा दी गई है। श्रद्धालुओं को भी जागरूक किया जा रहा है।
> -गुलजार हुसैन, रेंजर, बूम रेंज

सल्ट में गांजे के साथ युवक किया गिरफ्तार

संवाददाता, अल्मोड़ा

- आरोपी के कब्जे से 10.380 किलो गांजा बरामद हुआ
- पुलिस टीम ने कठपतिया तिराहा के पास से पकड़ा आरोपी

अमृत विचारः सल्ट पुलिस ने कठपतिया तिराहा के पास एक युवक को गांजे के साथ दबोच लिया। आरोपी के कब्जे से 10.380 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार सल्ट थानाध्यक्ष कश्मीर सिंह व प्रभारी एसओजी सुनील धानिक के नेतृत्व में टीम गस्त पर थी। इस दौरान क्षेत्र के कठपतिया तिराहा के पास चेकिंग अभियान के दौरान मोटर साईकिल संख्या यूके 19 बी 3163 को रोका। तलाशी लेने पर आरोपी रवि धौलाखण्डी वर्ष पुत्र नन्द किशोर धौलाखण्डी, निवासी ग्राम खलटा पोस्ट मडुली तहसील भिकियासैण जिला अल्मोडा के कब्जे से 10.380 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार बरामद गांजे की कीमत दो लाख 59 हजार 500 रुपये से अधिक आंकी गई। पुलिस ने मौके पर गांजे को सील कर एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। टीम में अपर उप निरीक्षक दीवान सिंह, हेड कांस्टेबल सुरेन्द्र कुमार, कांस्टेबल हरीश प्रसाद, हेमंत मनराल शामिल रहे।

अच्छे बनो, नहीं तो अकेले रह जाओगे।
-मार्क ट्वेन, अमेरिकी लेखक

आर्थिक कूटनीतिक सफलता

वैश्विक अर्थव्यवस्था आज संरक्षणवाद, आपूर्ति-श्रृंखला अस्थिरता और भू-राजनीतिक तनावों के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता व्यापारिक के साथ रणनीतिक महत्व का भी है। यह इसका संकेत है कि भारत अपनी आर्थिक कूटनीति को नए आयाम दे रहा है। महज नौ महीनों में व्यापक वार्ताओं का निष्कर्ष समझौते के बतौर निकलना इस बात का प्रमाण है कि नई दिल्ली अब 'धीमी बातचीत' की पुरानी छवि से बाहर निकलकर निर्णायक और तेज़ व्यापारिक साझेदार बनना चाहती है। यह समझौता इसलिए ऐतिहासिक है, क्योंकि यह भारत की हिंद-प्रशांत रणनीति को आर्थिक आधार देता है, जहां पश्चिमी बाजारों में ऊंचे शुल्क और गैर-टैरिफ बाधाएं भारतीय निर्यात को सीमित करती रही हैं, वहीं न्यूजीलैंड के साथ 100 प्रतिशत शुल्क-मुक्त पहुंच भारतीय उत्पादों के लिए एक नया द्वार खोल सकती है।

वर्तमान में दोनों देशों के बीच व्यापार लगभग 1.5 अरब डॉलर के आसपास है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 49 फीसद की वृद्धि के बावजूद दोनों देश के बाजारों के आकार के लिहाज से कम ही है। ऐसे में अगले पांच वर्षों में इसे पांच अरब डॉलर और 15 साल में 20 अरब डॉलर निवेश तक ले जाना अति महत्वाकांक्षी लक्ष्य है, पर क्रियान्वयन प्रभावी हो तो असंभव भी नहीं है। भारतीय निर्यातकों के लिए यह समझौता खास है। फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग सामान, आईटी सेवाएं और कृषि-प्रसंस्कृत उत्पादों को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी तो सेवा क्षेत्र— विशेषकर आईटी, शिक्षा और पेशेवर सेवाओं में अस्थायी वीजा प्रावधान भारतीय युवाओं के लिए नए अवसर खोल सकते हैं। यह न केवल निर्यात बढ़ाएगा, बल्कि रोजगार सृजन को भी गति देगा, हालांकि चुनौतियां भी हैं। डेयरी और बागबानी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में घरेलू उत्पादकों की चिंता स्वाभाविक है, क्योंकि न्यूजीलैंड की डेयरी प्रतिस्पर्धात्मक रूप से अत्यंत मजबूत है। ऐसे में समझौते में संतुलन बनाना, जैसे- चरणबद्ध बाजार खोलना या कोटा प्रणाली लागू करना आवश्यक होगा। यही संतुलन इस समझौते की सफलता की कसौटी बनेगा। गैर-टैरिफ बाधाएं भी बड़ी चुनौती हैं। गुणवत्ता मानक, जैव-सुरक्षा नियम और प्रमाणन प्रक्रियाएं यदि सरल नहीं की गईं, तो न्यूजीलैंड के बाज़ारों में 100 प्रतिशत शुल्क-मुक्त पहुंच का वास्तविक लाभ सीमित हो सकता है, इसलिए समझौते पर हस्ताक्षर होना ही पर्याप्त नहीं, लॉजिस्टिक्स, मानकीकरण और व्यापार सुगमता में ठोस सुधार जरूरी हैं। न्यूजीलैंड के कृषि समूहों की संवेदनशीलता को देखते हुए उनकी आंतरिक राजनीति इस समझौते को प्रभावित हो सकती है, परंतु दोनों देशों के साझा हित—स्थिर आपूर्ति-श्रृंखला, विश्वसनीय साझेदारी और चीन पर निर्भरता में संतुलन इस समझौते को आगे बढ़ाने की मजबूत प्रेरणा प्रदान करते हैं।

यह समझौता भारत के लिए पारंपरिक बाजारों से आगे बढ़कर नए, स्थिर और भरोसेमंद साझेदार तलाशने हेतु 'विविधीकरण की रणनीति' का हिस्सा है। यदि इसे सही ढंग से लागू किया गया, तो यह न केवल व्यापारिक आंकड़ों को बढ़ा असमानता दूर करेगा, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की आर्थिक और रणनीतिक स्थिति को भी सुदृढ़ करेगा।

प्रसंगवश

नृत्य उद्योग का आकार 45 अरब डॉलर से अधिक

मानव सभ्यता की सबसे पुरानी अभिव्यक्तियों में से एक है 'नृत्य'। जब शब्द अस्तित्व में नहीं थे, तब शरीर की गति ही संवाद का माध्यम थी। समय के साथ नृत्य ने भिन्न-भिन्न संस्कृतियों में अनेक रूप धारण किए और आज यह विश्वभर में एक जीवित कला के रूप में स्थापित है। नृत्य अब वैश्विक संदर्भ में केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहा, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक कूटनीति का प्रभावी साधन बन चुका है। नवीनतम 'विश्व नृत्य रिपोर्ट' के अनुसार, वैश्विक स्तर पर नृत्य उद्योग का आकार 45 अरब डॉलर से अधिक पहुंच गया है। वर्चुअल नृत्य कार्यक्रमों में वर्ष 2020 के मुकाबले 2025 तक 60 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई है। नृत्य चिकित्सा को अब मानसिक स्वास्थ्य उपचारों में सम्मिलित किया जा रहा है।

श्वेता गोयल
शिक्षिका

अनेक देशों में चिकित्सक अवसाद, चिंता और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याओं के उपचार में नृत्य आधारित विधियों का उपयोग किया जा रहा है। विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं ने भी नृत्य को शिक्षा के एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में स्वीकार किया है, जिससे बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और सृजनात्मकता का विकास होता है। नृत्य की विविधता, उसकी समावेशिता और उसके सामाजिक महत्व का उत्सव मनाने के लिए प्रत्येक वर्ष 29 अप्रैल को 'अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस नृत्य को एक साझा मानव धरोहर के रूप में प्रस्तुत करता है, जिसमें भौगोलिक सीमाओं, जाति, धर्म, भाषा या राजनीतिक विचारधाराओं की कोई बाधा नहीं होती। इस अवसर पर करीब 170 देशों में एक साथ नृत्य महोत्सवों, कार्यशालाओं और सार्वजनिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया जाता है।

नृत्य परंपरा की दृष्टि से भारत विश्व के सबसे समृद्ध देशों में से एक है। भारतीय नृत्य हजारों वर्षों से चली आ रही एक जीवंत और विकसित परंपरा है, जिसकी जड़ें वेदों, पुराणों, महाकाव्यों और शास्त्रों में गहराई से समाहित हैं। भारतीय नृत्य की विशिष्टता उसकी आध्यात्मिक गहराई, दार्शनिकता और सामाजिक प्रतिबद्धता में निहित है। भारतीय नृत्य केवल सौंदर्य प्रदर्शन नहीं, बल्कि आध्यात्मिक साधना का माध्यम है। नाट्यशास्त्र, जो लगभग दो हजार वर्ष पूर्व रचित एक विश्वप्रसिद्ध ग्रंथ है, भारतीय नृत्य की बुनियादी संरचना और सिद्धांतों का आधार है। इस ग्रंथ में नृत्य, नाट्य और संगीत के तत्वों का अत्यंत वैज्ञानिक और विशद विवरण दिया गया है।

भारत में नृत्य की विविधता उसकी सांस्कृतिक विविधता की तरह अद्भुत है। प्रत्येक क्षेत्र, प्रत्येक राज्य, यहां तक कि कई गांवों की भी अपनी विशिष्ट नृत्य परंपराएं हैं। भारत के शास्त्रीय नृत्य रूप जैसे भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी, कुचिपुड़ी, मोहिनीअट्टम, कथकली, मणिपुरी और सत्त्रिया, न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके हैं। इन सभी शास्त्रीय नृत्य शैलियों में अंग संचालन, हस्तमुद्राएं, नेत्र भाव, पद संचालन और ताल की अत्यंत जटिल विधियां हैं, जिन्हें साधना द्वारा वर्षों में सिद्ध किया जाता है। भारतीय शास्त्रीय नृत्य का एक प्रमुख उद्देश्य जीवन के रहस्यों को भावों के माध्यम से व्यक्त करना है। इनमें नौ रसों का विशेष महत्व है, श्रृंगार, वीर, करुण, हास्य, रौद्र, भयानक, वीभत्स, अद्भुत और शांत। एक सिद्ध नर्तक या नर्तकी अपने अभिनय द्वारा दर्शकों को इन रसों की अनुभूति कराता है और उन्हें एक आत्मिक यात्रा पर ले जाता है। भारतीय लोक नृत्य समृद्ध और विविधतापूर्ण हैं।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

जिंदगी, जेब और भविष्य पर भारी पड़ेगा जल संकट

राजेश जैन
वरिष्ठ पत्रकार

पानी अब सिर्फ प्यास बुझाने का साधन नहीं, बल्कि जीवन, स्वास्थ्य, खेती, अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता की धुरी है और यही धुरी तेजी से कमजोर पड़ रही है। विडंबना यह है कि हम नहीं समझ पा रहे हैं कि पानी का संकट अब केवल पर्यावरण का विषय नहीं रहा, बल्कि हमारे समय का सबसे बड़ा सामाजिक, आर्थिक और मानवीय संकट बन चुका है। यह संकट उस बुनियादी संसाधन से जुड़ा है, जिसके बिना सभ्यता, विकास और जीवन की कल्पना ही संभव नहीं।

आज जल संकट की कहानी केवल सूखते तालाबों, घटते भूजल स्तर या कम होती बारिश तक सीमित नहीं है। यह उस परिवार की कहानी है, जो नल के निर्धारित समय का इंतजार करता है, उस किसान की कहानी है, जिसकी पूरी फसल बारिश और सिंचाई पर निर्भर है और उस शहर की कहानी है, जहां पानी अब अधिकार नहीं, बल्कि खरीदी जाने वाली सेवा बनता जा रहा है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि यह संकट अचानक नहीं आया। यह धीरे-धीरे हमारे जीवन में समाता गया और अब हमारी दिनचर्या, बजट, स्वास्थ्य और भविष्य सभी को प्रभावित कर रहा है।

शहरों में पानी अब सहज उपलब्ध संसाधन नहीं रहा। सुबह-शाम पानी आने का समय तय है और उसके बीच का पूरा दिन उसी की योजना बनाने में गुजरता है। कई इलाकों में लोग टैंकरों पर निर्भर हैं, यानी पानी अब बाजार में बिकने वाला उत्पाद बन चुका है। एक मध्यमवर्गीय परिवार हर महीने हजारों रुपये केवल पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने में खर्च कर रहा है। यह बदलाव खामोशी से हुआ, लेकिन इसके दूरगामी परिणाम बेहद गंभीर हैं, क्योंकि जब पानी बाजार का हिस्सा बनता है, तो समानता खत्म होने लगती है। पानी का निजीकरण धीरे-धीरे सामाजिक विभाजन को और गहरा कर रहा है, जहां भुगतान करने की क्षमता ही उपलब्धता तय करने लगी है।

> शहरों में पानी अब सहज उपलब्ध संसाधन नहीं रहा। सुबह-शाम पानी आने का समय तय है और उसके बीच का पूरा दिन मैनेजमेंट में गुजरता है। कई जगहों पर लोग टैंकर के भरोसे हैं। यानी पानी अब बाजार में बिकने वाली चीज बन चुका है।

जब सब्जियां महंगी होती हैं, तो चर्चा अक्सर पेट्रोल, डीजल या सप्लाई चेन तक सीमित रह जाती है, जबकि असली कारण कई बार पानी होता है। कम बारिश, गिरता भूजल स्तर और महंगी सिंचाई खेती की लागत बढ़ा रहे हैं। इसका सीधा असर आम आदमी की थाली पर पड़ता है। यानी जल संकट केवल प्यास का संकट नहीं, बल्कि महंगाई का भी बड़ा कारक बन चुका है। आने वाले वर्षों में खाद्य सुरक्षा पर इसका असर और अधिक स्पष्ट दिखाई देगा।

पानी की उपलब्धता जितनी बड़ी समस्या है, उससे कहीं अधिक गंभीर चुनौती उसकी गुणवत्ता है। देश के अनेक हिस्सों में लोग वही पानी पी रहे हैं, जो उनकी बीमारियों का कारण बन रहा है। डायरिया, टाइफाइड, फ्लोराइड और आर्सेनिक जैसी समस्याएं लाखों लोगों की जिंदगी प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में बड़ा प्रश्न यह है कि क्या 'हर घर जल' केवल पाइपलाइन पहुंचाने तक सीमित है, या उसमें सुरक्षित और शुद्ध पानी भी शामिल है? केवल पहुंच नहीं, गुणवत्ता भी नीति का केंद्र बननी चाहिए।

जल संकट का सबसे बड़ा और अक्सर अदृश्य भार महिलाएं और बच्चे उठाते हैं। गांवों और बस्तियों में आज भी पानी लाने की जिम्मेदारी मुख्यतः महिलाओं पर है। कई किलोमीटर पैदल चलकर पानी लाना उनके दैनिक जीवन का हिस्सा है। इसका असर बच्चों, विशेषकर लड़कियों की शिक्षा पर पड़ता है, क्योंकि पानी लाने की जिम्मेदारी उनके स्कूल समय को निगल जाती है। इस तरह जल संकट सामाजिक असमानता को और गहरा करता है।

एक ओर शहरों में स्विमिंग पूल, कार वॉश और सजावटी फव्वारों के लिए पानी उपलब्ध है, तो दूसरी ओर गांवों और झुग्गी बस्तियों में पीने के पानी के लिए संघर्ष हो रहा है। यह असमानता केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि प्राथमिकताओं की भी है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो पानी भविष्य में सामाजिक संघर्ष और अस्थिरता का बड़ा कारण बन सकता है। जल असमानता सामाजिक असंतोष को जन्म देती है और धीरे-धीरे व्यवस्था के प्रति अविश्वास बढ़ाती है।

पानी अब प्राकृतिक संसाधन भर नहीं, बल्कि राजनीतिक मुद्दा भी बन चुका है। चुनावों में मुफ्त पानी के वादे होते हैं, लेकिन दीर्घकालिक जल प्रबंधन पर गंभीरता कम दिखाई देती है। राज्यों के बीच नदी जल विवाद बढ़ रहे हैं। शहरों में अव्यवस्थित शहरीकरण और गांवों में जल संरचनाओं की उपेक्षा ने स्थिति को और जटिल बनाया है। स्पष्ट है कि समस्या केवल पानी की कमी नहीं, बल्कि उसके प्रबंधन की विफलता भी है।

जलवायु परिवर्तन ने पानी की उपलब्धता को और अनिश्चित बना दिया है। कहीं अचानक बाढ़ आती है, तो कहीं लंबे समय तक सूखा पड़ता है। यह असंतुलन खेती, शहरों, उद्योगों और पूरी अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। अब जल संकट केवल 'कम पानी' का नहीं, बल्कि 'अनिश्चित पानी' का बन चुका है। मौसम की यह अनिश्चितता भविष्य की जल योजनाओं को और कठिन बना रही है। जल संकट का समाधान केवल सरकारों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। यह सामूहिक जिम्मेदारी है। घरों में पानी बचाने की आदत, वर्षा जल संचयन, स्थानीय जल स्रोतों का पुनर्जीवन, अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग और खेती में माइक्रो-इरिगेशन जैसी आधुनिक तकनीकों का विस्तार— ये छोटे कदम बड़े बदलाव ला सकते हैं। सबसे जरूरी है पानी को असीमित संसाधन मानने की मानसिकता बदलना।

जल संकट की सबसे खतरनाक बात यह है कि यह धीरे-धीरे बढ़ता है, इसलिए इसकी गंभीरता देर से समझ आती है। पानी केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं, बल्कि जीवन का सबसे बुनियादी संकट बन चुका है। यदि आज पानी को राष्ट्रीय और व्यक्तिगत प्राथमिकता नहीं बनाया गया, तो आने वाले वर्षों में यह केवल समस्या नहीं रहेगा, यह संघर्ष का कारण बनेगा, घर-घर में, शहर-शहर में और देशों के बीच भी। पानी बचाना अब पर्यावरण प्रेम नहीं, अस्तित्व की अनिवार्यता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

आमने सामने

सपा पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगी। भाजपा पीडीए समाज को न्याय दिलाने से रोकना चाहती है। महिला सुरक्षा पर भाजपा सरकार के दावे खोखले हैं। सरकार ने असली पत्थरबाजों पर कोई कार्रवाई नहीं की।

-अखिलेश यादव
सपा अध्यक्ष

समाजवादी पार्टी की गिद्ध नजर हमेशा ऐसे मामलों पर रहती है, जहां से राजनीतिक फायदा लिया जा सके। सपा का मकसद पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना नहीं, बल्कि समाज में तनाव पैदा कर अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करना है।

-अनिल राजभर
मंत्री, उत्तर प्रदेश

स्वच्छ हरित- बड़ा मंगल अभियान

नुसरत जहां
एजीए, लखनऊ हाईकोर्ट

उत्तर प्रदेश की राजधानी जिसे 'तहजीब का शहर' कहा जाता है, अपनी संस्कृति, चिकनकारी कढ़ाई, लजीज खानपान और ऐतिहासिक इमारतों के लिए प्रसिद्ध है। यही नहीं गोमती नदी किनारे बसे शहर में ज्येष्ठ माह की चिलचिलाती गर्मी एवं धूप में हनुमान भक्त हर बड़े मंगल को जगह-जगह बड़ी संख्या में भंडारों का आयोजन होता है। कहा जाता है कि ज्येष्ठ माह के बड़े मंगल को हर मजहब के, चाहे अमीर हों या गरीब, पूरी श्रद्धा से प्रसाद ग्रहण करते हैं। यहां गंगा-जमुनी तहजीब लखनऊ को पूरे विश्व में खास बनाती है।

हर्ष की बात है कि इस साल 2026 को बड़े मंगल बहुत ही विशेष रहने वाले हैं, क्योंकि इस वर्ष ज्येष्ठ माह में चार नहीं, बल्कि पांच बड़े मंगल पड़ेंगे। यह दुर्लभ संयोग 19 साल बाद बन रहा है। 2026 में बड़े मंगल की तारीखें (8 मंगल) पांच मई से 23 जून तक हैं। दूसरे, जो इसे खास बनाती है, वह यह है कि इस धार्मिक परंपरा को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने की दिशा में 'लोक भारती' ने 'हरित बड़ा मंगल अभियान' की शुरुआत की है। इस पहल के तहत बड़े मंगल के अवसर पर आयोजित होने वाले भंडारों को पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल बनाने का संकल्प लिया गया है।

बड़ा मंगल की परंपरा को स्वच्छता, हरित सोच, सामाजिक सहभागिता से जोड़ते हुए इस बार भंडारों में सिंगल यूज प्लास्टिक का भी प्रयोग पूरी तरह से त्याग करने का संकल्प लिया गया है। भंडारों में पत्तल, बांस आदि जैविक एवं कंपोस्ट योग्य सामग्री का प्रयोग होगा। आयोजकों के कचरा प्रबंधन, कूड़ा वर्गीकरण एवं पुनर्चक्रण के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्वच्छता टीम एवं पर्यावरण मित्र समूह का गठन होगा।

> ज्येष्ठ माह के बड़े मंगल को हर मजहब के लोग चाहे अमीर हों या गरीब, पूरी श्रद्धा से लाइन में लगकर प्रसाद ग्रहण करते हैं।

स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल भंडारे आयोजित करना ही इस पहल का मूल उद्देश्य है, ताकि धार्मिक परंपरा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी समाज तक पहुंचे। राजधानी लखनऊ में बड़े मंगल की अपनी अलग महत्ता है। ज्येष्ठ माह के बड़े मंगल में लखनऊ के हर मंदिर में रौनक एवं जगह-जगह भंडारों का आयोजन होता है। इस दिन हनुमान जी की विशेष रूप से पूजा की जाती है। मान्यता है कि इसी माह में हनुमान जी की पहली मुलाकात भगवान राम से हुई थी।

मंदिर का पौराणिक उल्लेखः भगवान श्रीराम के कहने पर लक्ष्मण जी, माता सीता को अयोध्या से महर्षि वाल्मिकी के आश्रम लेकर जा रहे थे, रास्ते में लक्ष्मणपूरी नगरी पड़ी। लक्ष्मण टीले पर लक्ष्मण जी रुके, सीताजी ने यहीं विश्राम किया था। यहां रक्षा के लिए स्वयं बजरंगबली मौजूद रहे। तभी से इस जगह पर हनुमान रक्षक बनकर विराजमान हैं।

पुराना हनुमान मंदिर के मुख्य महंत गोपाल दास जी महाराज ने बताया कि लखनऊ में एक महामारी फैली थी, बड़ी संख्या में लोग उसकी चपेट में आने लगे। लोगों ने हनुमान जी से प्रार्थना की। महामारी खत्म हो गई। तभी से ज्येष्ठ महीने के मंगल को हनुमान जी का प्रसाद वितरण होने लगा।

लखनऊ नामा में भी मंदिर का जिक्रः डॉ. योगेश प्रवीण लखनऊ नामा में लिखते हैं कि गोमती के उस पार हनुमान के दो प्राचीन मंदिर हैं, जिस मंदिर को आज मुख्य मंदिर का महत्व दिया जाता है, वो इत्र व्यापारी लाला जाटमल ने 1783 ई. में बनाया था।

यह मंदिर महंत खासाराम के अनुरोध पर तैयार किया गया था। योगेश प्रवीण आगे लिखते हैं कि लखनऊ के अलीगंज में दूसरा हनुमान मंदिर है, जिसे सआदत अली खां की मां आलिया बेगम ने बनवाया था। आलिया रैकबार ठाकुर घराने की थीं।

बड़े मंगल के अवसर पर नवाब वाजिद अली शाह एक ब्रह्मभोज का आयोजन करते थे। बेगमों की तरफ से बंदरों को चना खिलाया जाता था। लगभग 400 वर्ष पहले प्रारंभ हुई यह धार्मिक परंपरा आज भी पूरी श्रद्धा भाव से लगातार हर वर्ष मनाई जाती है। शहर की हर सड़क, मोहल्ले और मुख्य चौराहों पर लगभग 300–400 से अधिक भंडारे आयोजित होते हैं। भक्तों की मान्यता है कि हनुमान जी संकट मोचन हैं। वे सभी के कष्ट हरते हैं।

राम भक्त श्री हनुमान जी की सबसे बड़ी सेवा प्यासे को पानी और भूखे को भोजन देना है। यही हमारा धर्म भी सिखाता है। बड़े मंगल पर स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल भंडारों का आयोजन करने में हम सभी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें, ताकि धार्मिक परंपरा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी समाज तक पहुंचे।

Email:nusratfahad8@gmail.com

सोशल फोरम

पृथ्वीराज कपूर और शंकर

उन दिनों पृथ्वीराज कपूर शकुंतला नाम का अपना एक नाटक शुरू करने की तैयारी कर रहे थे। एक दिन एक लड़का उनसे मिला। पृथ्वीराज कपूर ने लड़के से पूछा कि तुम क्या करते हो? लड़के ने जवाब दिया कि मैं तबला बजा लेता हूं। हारमोनियम भी बजा लेता हूं। डांस भी कर लेता हूं और कभी-कभार नाटकों में इक्के-दुक्के डायलॉग्स भी स्टेज पर बोल चुका हूं। उन्होंने लड़के से दादर आने के लिए कहा। दादर में एक जगह थी, जहां अक्सर नाटकों रिहर्सलें चला करती थी।

रंजन शर्मा
रिटायर्ड ऑफिसर

वो लड़का दादर पहुंच गया। ये पूरा घटनाक्रम 1940 के आस-पास का है। पृथ्वीराज कपूर ने उस लड़के से कहा कि तबला बजाकर सुनाओ। लड़के ने तबला बजाया कि जिसने भी सुना वो सुनता रह गया। पृथ्वीराज कपूर ने एलान कर दिया कि अब से ये लड़का पृथ्वी थिएटर का अहम सदस्य होगा। उस लड़के का नाम था शंकर सिंह रघुवंशी। वही जो आगे चलकर शंकर-जयकिशन की ज़बरदस्त संगीतकार जोड़ी में से एक था।

शंकर जी की जयकिशन जी संग जोड़ी कैसे बनी थी। जयकिशन दयाभाई पांचाल गुजरात से मुंबई करियर बनाने के इरादे से आए थे। वो हारमोनियम के उस्ताद थे। जयकिशन जी ने एक फैक्ट्री में टाइम कीपर की नौकरी शुरू कर दी। फुर्सत के वक्त में वो संगीत जगत में नाम बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। एक दफा गुजराती फिल्मों के उस वक्त के नामी डायरेक्टर चंद्रवर्दन भट्ट के ऑफिस के बाहर जयकिशन जी शंकर जी से मिले। शंकर जी को पता चला कि जयकिशन हारमोनियम बहुत अच्छा बजाते हैं, तो शंकर जी ने उन्हें पृथ्वी थिएटर में बतौर हारमोनियम नवाज़ रखवा दिया। अब पृथ्वी थिएटर के सभी नाटकों में शंकर जी तबला बजाते थे और जयकिशन जी हारमोनियम बजाते थे।

राज कपूर ने शंकर जयकिशन को आग के म्यूज़िक डायरेक्टर राम गांगुली का सहयोगी बनने का ऑफर दिया। इन दोनों ने राम गांगुली के गाइडेंस में आग के म्यूज़िक पर काम किया। राज कपूर शंकर जी से बड़े प्रभावित हुए। राज कपूर ने अपनी नेक्स्ट फिल्म बरसात अनाउंस की तो उसमें म्यूज़िक कंपोज़ करने का काम उन्होंने शंकर जी को दिया। उन्होंने जयकिशन जी को भी अपने साथ जोड़ लिया। इस तरह से शंकर-जयकिशन की जोड़ी बनी।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

शहरी विकास के बीच स्लम बस्ती की हकीकत

देश भर की स्लम बस्तियों की स्थिति पर नज़र डालें, तो यह समस्या केवल एक बस्ती तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में व्यापक रूप से फैली हुई है। भारत में वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 6.55 करोड़ लोग स्लम बस्तियों में रहते थे, जो देश की कुल जनसंख्या का लगभग 5.41 प्रतिशत है। देश के दो हजार से अधिक शहरों और कस्बों में लगभग 1.39 करोड़ स्लम परिवार निवास करते हैं। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022 तक भारत में लगभग 20.9 करोड़ लोग स्लम क्षेत्रों में निवास कर रहे हैं। यह संख्या दर्शाती है कि शहरीकरण के साथ-साथ स्लम बस्तियों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। यह आंकड़ा इस बात का संकेत देता है कि देश में शहरी गरीबों की संख्या और उनकी समस्याएं गंभीर होती जा रही हैं।

निरमा कुमारी रैगर
एक्टिविस्ट

स्लम बस्तियों में सुविधाओं की कमी का मुख्य कारण तेजी से हो रहा शहरीकरण और ग्रामीण क्षेत्रों से रोजगार की तलाश में होने वाला पलायन है। शहरों में उद्योग, निर्माण कार्य और सेवा क्षेत्र में काम की तलाश में लोग आते हैं, लेकिन उनके लिए पर्याप्त सस्ते आवास उपलब्ध नहीं होते। परिणामस्वरूप वे शहर के किनारों पर अस्थाई बस्तियां बसाने को मजबूर हो जाते हैं। इन बस्तियों में रहने वाले लोग शहर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, फिर भी उन्हें आवश्यक सुविधाएं नहीं मिल पातीं।

ऐसी बस्तियों की स्थिति में सुधार के लिए कई ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। सबसे पहले, सरकार और स्थानीय प्रशासन को इन बस्तियों में स्वच्छ पेयजल की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। प्रत्येक गली में पक्की नालियां और कचरा प्रबंधन की व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए, ताकि गंदगी और बीमारियों को रोका जा सके। सामुदायिक स्नानघर और शौचालयों का निर्माण भी अत्यंत आवश्यक है, जिससे महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित किया जा सके। इसके साथ ही, बस्ती में आंगनबाड़ी केंद्र की स्थापना अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए। इससे बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा और पौष्टिक आहार मिल सकेगा, साथ ही गर्भवती महिलाओं और किशोरियों को आवश्यक पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

रोजगार के क्षेत्र में भी सुधार की आवश्यकता है। ऐसी बस्ती के लोगों को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए, ताकि वे बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकें और उनकी आय में वृद्धि हो सके। इसके लिए स्वयं सहायता समूहों और लघु उद्योगों को बढ़ावा देकर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सकता है। साथ ही शहरी आवास योजनाओं जैसे किफायती आवास कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए, ताकि स्लम बस्तियों के निवासियों को सुरक्षित और स्थायी आवास उपलब्ध कराया जा सके।

वास्तव में, किसी शहर का विकास तभी सार्थक माना जाएगा, जब उसमें रहने वाले और उसके विकास में योगदान देने वाले सभी नागरिकों को समान अवसर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों, इसलिए आवश्यक है कि सरकार, प्रशासन और समाज मिलकर इन बस्तियों के विकास के लिए ठोस और स्थायी कदम उठाएं, ताकि शहर का हर कोना विकास की मुख्यधारा से जुड़ सके। यदि ऐसी बस्तियों की समस्याओं को समय रहते दूर नहीं किया गया, तो यह न केवल सामाजिक असमानता को बढ़ाएगा, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं को भी गंभीर बना देगा।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा* 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

विश्व नृत्य दिवस आज

नृत्य : मन के भावों का अभिनीत गीत

नृत्य मनुष्य के उल्लास का प्रत्यक्ष भावात्मक प्रदर्शन है। जब मन उल्लास से भर उठता है, तो शारीरिक चेष्टाएं उसकी अभिव्यक्ति नृत्य के रूप में करती हैं। इस प्रकार नृत्य मन के भावों का अभिनीत गीत है। यदि सूक्ष्मता से देखें तो प्रकृति का हर तत्व खुशी में नृत्य करता जान पड़ता है। बरसते पानी में महकती धरती पर सिर्फ मोर ही नहीं नाचते, पेड़ों की डालियां भी वर्षा की बूंदों के साथ झूमती नजर आती हैं। प्रकृति से इतर अपनी सभ्यता और संस्कृति के विकास क्रम में मनुष्य ने नृत्य की लय और गति को विभिन्न शैलियों में बांधकर नृत्य के अनेक प्रकारों को सृजित किया है। भारत में बहुल सांस्कृतिक विविधता में विभिन्न नृत्य शैलियां विकसित हुई हैं। इन नृत्य शैलियों को शास्त्रीय नृत्य और लोक नृत्य की दो श्रेणियों में रख सकते हैं। यह दोनों ही शैलियां भारतीय संस्कृति, इतिहास और सामाजिक जीवन के जीवंत प्रतीक हैं।

डॉ. प्रशांत अग्निहोत्री
निदेशक, रुहेलखंड शोध संस्थान, शाहजहांपुर

भारत में लोक नृत्य की परंपरा अत्यंत प्राचीन, विविधतापूर्ण और जीवंत रही है, जो देश की सांस्कृतिक बहुलता का सशक्त प्रतीक है। यह परंपरा विभिन्न क्षेत्रों, जातीय समूहों और सामाजिक समुदायों के जीवन से गहराई से जुड़ी हुई है। भारत के प्रत्येक प्रदेश- जैसे पंजाब, राजस्थान, गुजरात और असम की अपनी विशिष्ट लोकनृत्य शैलियां हैं, जो वहां की भौगोलिक, ऐतिहासिक और सामाजिक परिस्थितियों को प्रतिबिंबित करती हैं। लोक नृत्यों का उद्भव मुख्यतः कृषि-आधारित समाज से हुआ, जहां फसल कटाई, वर्षा, विवाह और धार्मिक उत्सवों के अवसर पर सामूहिक रूप से नृत्य किया जाता था।

उदाहरण के लिए, पंजाब का भांगड़ा फसल की खुशी का प्रतीक है, जबकि गुजरात का गरबा देवी-उपासना से जुड़ा हुआ है। इन नृत्यों में स्थानीय लोकगीत, वाद्य यंत्र और पारंपरिक वेशभूषा का महत्वपूर्ण स्थान होता है। आधुनिक समय में भी लोक नृत्य अपनी प्रासंगिकता बनाए हुए हैं और सांस्कृतिक उत्सवों व मंचीय प्रस्तुतियों के माध्यम से इन्हें नया आयाम मिला है।

कथक नृत्य

कथक भारतीय शास्त्रीय नृत्य परंपराओं में एक प्रमुख और विकसित शैली है, जिसकी ऐतिहासिक जड़ें प्राचीन कथावाचन परंपरा से जुड़ी हैं। 'कथक' शब्द 'कथा' से बना है और प्रारंभ में कथक वे कलाकार थे, जो मंदिरों और जनसभाओं में धार्मिक कथाएं प्रस्तुत करते थे। यह शैली उत्तर भारत, विशेषत: उत्तर प्रदेश में विकसित हुई तथा लखनऊ और जयपुर घरानों के माध्यम से समृद्ध हुई। इसके विकास को तीन चरणों में देखा जा सकता है- मंदिर परंपरा, दरबारी प्रभाव और आधुनिक मंचीय स्वरूप। भक्ति काल में इसमें कृष्ण लीलाओं का वर्णन प्रमुख रहा, जबकि मुगल काल में इसमें नजाकत, श्रृंगार और तकनीकी जटिलता का समावेश हुआ। कथक की विशेषता उसकी भाव-भंगिमा, 'अभिनय', तेज 'तत्कार' और घूमरदार 'चक्कर' हैं, जो इसे विशिष्ट बनाते हैं।

लिल्ली घोड़ी

लिल्ली घोड़ी या कठ घोड़वा नृत्य उत्तर प्रदेश और बिहार के ग्रामीण अंचलों में प्रचलित एक पारंपरिक लोकनृत्य है। यह नृत्य विवाह, मेलों और उत्सवों में प्रस्तुत किया जाता है। ऐतिहासिक रूप से इसका संबंध वीरता और घुड़सवारी की परंपरा से है। नर्तक लकड़ी या बांस से बने कृत्रिम घोड़े को कमर में बांधकर रंग-बिरंगे वस्त्रों में नृत्य करते हैं, जिससे ऐसा प्रतीत होता है मानो वे घोड़े पर सवार हों। यह नृत्य मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक संदेशों का भी माध्यम रहा है।

कजरी

कजरी भारतीय लोकसंगीत की एक भावप्रधान शैली है, जिसका उद्गम उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर और वाराणसी क्षेत्र में माना जाता है। सावन-भादों की वर्षा ऋतु में गाए जाने वाले कजरी गीत विरह, प्रेम और प्रकृति के सौंदर्य को अभिव्यक्त करते हैं। जब इन गीतों के साथ नृत्य किया जाता है, तो यह एक संपूर्ण सांस्कृतिक अनुभव बन जाता है। स्त्रियां समूह में झूला झूलते हुए या आंगन में गोल घेरा बनाकर कजरी गाती और नृत्य करती हैं। यह शैली ग्रामीण जीवन की सहज अभिव्यक्ति है, जिसमें भाव और लय का सुंदर संतुलन दिखाई देता है।

मयूर नृत्य

मयूर नृत्य भारतीय लोक और शास्त्रीय परंपराओं का एक मनोहारी रूप है, जो विशेष रूप से ब्रज क्षेत्र में प्रचलित है। इसका संबंध कृष्ण की लीलाओं और प्रकृति-प्रेम से जोड़ा जाता है। वर्षा ऋतु में मोर के नृत्य से प्रेरित होकर यह शैली विकसित हुई। कलाकार मोर के पंखों से सुसज्जित वेशभूषा पहनकर उसकी चाल और मुद्राओं का अनुकरण करते हैं। बांसुरी, ढोलक और मंजीरा जैसे वाद्य यंत्र इसकी लयात्मकता को और अधिक आकर्षक बनाते हैं।

जोगिनी नृत्य

जोगिनी नृत्य उत्तराखंड और हिमालयी क्षेत्र की लोकसंस्कृति का एक आध्यात्मिक रूप है। यह देवी-उपासना और धार्मिक अनुष्ठानों से जुड़ा हुआ है। इस नृत्य में नर्तक भावावेश में आकर नृत्य करते हैं, जिससे दैवीय अनुभूति का संचार होता है। ढोल, दमाऊ और रणसिंघा जैसे वाद्य यंत्र इसकी ऊर्जा को बढ़ाते हैं। इस प्रकार भारत के लोक नृत्य न केवल मनोरंजन के साधन हैं, बल्कि वे देश की सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक जीवन और ऐतिहासिक परंपराओं का सजीव प्रतिबिंब भी प्रस्तुत करते हैं।

पाय डंडा

पाय डंडा नृत्य उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में प्रचलित एक ऊर्जावान लोकनृत्य है। यह नृत्य मुख्यत: फसल कटाई, मेलों और धार्मिक अवसरों पर किया जाता है। इसमें डंडों का तालबद्ध टकराव वीरता और समन्वय का प्रतीक होता है। इसका संबंध प्राचीन युद्धाभ्यास और शारीरिक कौशल से भी जोड़ा जाता है।

छपेली

छपेली नृत्य उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र का एक लोकप्रिय लोकनृत्य है, जो वसंत ऋतु और होली जैसे उत्सवों पर किया जाता है। इसमें स्त्री-पुरुष युगल के रूप में भाग लेते हैं और लोकगीतों की धुन पर संवादात्मक शैली में नृत्य करते हैं। इसमें श्रृंगार, हास्य और सामाजिक जीवन के विविध रंग दिखाई देते हैं। हुड़का और मंजीरा जैसे वाद्य यंत्र इसकी लय को सजीव बनाते हैं।

नौटंकी नौटंकी उत्तर भारत की एक लोकप्रिय लोकनाट्य परंपरा है, जिसमें संगीत, गायन, संवाद और नृत्य का समन्वय होता है। इसका विकास विशेषत: उत्तर प्रदेश में हुआ। नौटंकी में नृत्य कथा-वाचन का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसमें कथक की छाप स्पष्ट दिखाई देती है, विशेषकर चक्कर और भाव-भंगिमा में। ढोलक, नगाड़ा और हारमोनियम की ताल पर कलाकार नृत्य करते हुए कथा को जीवंत बनाते हैं। नौटंकी में सम्मिलित नृत्य स्वरूप विविध लोक और शास्त्रीय शैलियों से प्रभावित होते हैं। इनमें कथक की छाप स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, विशेषकर उसकी घूमरदार चाल, चक्कर और भाव-भंगिमा में। इसके साथ ही लोकनृत्य की सरलता और सहजता भी इसमें समाहित रहती है, जिससे यह आम जनमानस के लिए अधिक ग्राह्य बन जाता है। नौटंकी के नृत्य में अभिनय (अभिनयात्मक नृत्य) का विशेष स्थान होता है। कलाकार गीतों और संवादों के बीच नृत्य करते हुए कथा के भावों को अभिव्यक्त करते हैं। स्त्री पात्रों की भूमिका, चाहे पुरुष कलाकार निभाएं या स्त्रियां, उसमें लयात्मकता और नज़ाकत का समावेश होता है। नृत्य की गतियां अधिक जटिल न होकर दर्शकों के साथ संवाद स्थापित करने वाली होती हैं।

आर्ट गैलरी

सहयोग और जीवन की यात्रा दर्शाती पेंटिंग

यह पेंटिंग आधुनिक शैली की एक प्रभावशाली रचना है, जिसमें मानव जीवन, श्रम और सामाजिक संबंधों को प्रतीकात्मक रूप में दर्शाया गया है। चित्र में कई मानव आकृतियां दिखाई देती हैं, जिन्हें ज्यामितीय आकृतियों जैसे वृत्त, त्रिभुज और आयत के माध्यम से उकेरा गया है। यह शैली चित्र को अमूर्तता प्रदान करती है और दर्शक को गहराई से सोचने के लिए प्रेरित करती है। चित्र के केंद्र में कुछ महिलाएं और पुरुष दिखाई देते हैं, जो अपने-अपने कार्यों में लगे हुए हैं। किसी के हाथ में घड़ा है, तो कोई सहारा देता हुआ प्रतीत होता है। यह सामूहिकता और सहयोग की भावना को दर्शाता है।

आकृतियों के झुके हुए चेहरे और सरल भाव जीवन की गंभीरता, संघर्ष और संवेदनशीलता को व्यक्त करते हैं। रंगों का प्रयोग भी बहुत सूक्ष्म और संतुलित है। हल्के नीले, हरे, भूरे और पीले रंगों का संयोजन शांति और स्थिरता का वातावरण बनाता है। पृष्ठभूमि का हरा रंग प्रकृति और जीवन का प्रतीक है, जबकि धूसर रंग मानव जीवन की कठिनाइयों को दर्शाता है। चित्र में रेखाओं और आकृतियों का संतुलन यह दर्शाता है कि कलाकार ने केवल दृश्य नहीं, बल्कि भावनाओं को भी उकेरने का प्रयास किया है। यह पेंटिंग केवल एक दृश्य प्रस्तुत नहीं करती, बल्कि समाज में परस्पर निर्भरता, सहानुभूति और एकता का संदेश देती है। समग्र रूप से यह पेंटिंग दर्शाती है कि जीवन में संघर्ष और कठिनाइयों के बावजूद, मनुष्य आपसी सहयोग और समझ के माध्यम से आगे बढ़ता है। कलाकार ने अपनी अनूठी शैली के माध्यम से साधारण जीवन को असाधारण अर्थ प्रदान किया है, जो इस कृति को विशेष बनाता है।

नीरज के बारें में

नीरज गोस्वामी भारत के एक प्रसिद्ध समकालीन चित्रकार और मूर्तिकार हैं, जिन्होंने अपनी अनूठी कला शैली से विशेष पहचान बनाई है। वे विशेष रूप से तेल रंगों के कुशल प्रयोग के लिए जाने जाते हैं, जिनसे उनकी पेंटिंग्स में अद्भुत चमक और जीवंतता दिखाई देती है। उनकी कलाकृतियों में आधुनिकता और भावनात्मक गहराई का सुंदर समन्वय मिलता है। नीरज गोस्वामी की रचनाएं दर्शकों को आकर्षित करने के साथ-साथ विचार करने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने भारतीय कला जगत में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और अपनी सृजनशीलता के माध्यम से कला को नई दिशा प्रदान की है। वे सेलेडॉन पोर्सिलेन और ओनिक्स स्टायरेशन के रंगों का उपयोग करते हैं, जिससे उनके कैनवस में एक सौम्य चमक और अद्वितीय रंग संयोजन समाहित हो जाता है। नीरज की पेंटिंग्स कीमती पत्थरों से मिलती-जुलती होने के लिए जानी जाती हैं, जिनमें एक ऐसी पारदर्शिता दिखाई देती है, जो कला जगत में शायद ही कभी देखने को मिलती है। वे अपनी कलाकृतियों में एक उल्लेखनीय दीप्ति प्राप्त करते हैं, जिससे वे एक विशिष्ट और चमकदार गुणवत्ता के साथ अलग दिखती हैं। तेल रंगों पर अपनी महारत और रंगों के अनूठे संयोजन के माध्यम से, नीरज गोस्वामी पारंपरिक सीमाओं को पार करते हुए ऐसी कलाकृतियां बनाते हैं, जो अपनी चमक और दीप्ति से मंत्रमुग्ध कर देती हैं।

अनोखी परंपरा

नेपाल के न्यिनबा समुदाय में आज भी प्रचलित है 'पांचाली' प्रथा

हिमालय की ऊंची वादियों में स्थित नेपाल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ कुछ अनोखी और कम ज्ञात परंपराओं के लिए भी पहचाना जाता है। इन्हीं में से एक है 'पांचाली' प्रथा, जिसे भ्रातृ बहुपतित्व कहा जाता है। यह परंपरा महाभारत की द्रौपदी की कथा की याद दिलाती है और आज भी नेपाल के सुदूर हुमला जिले में रहने वाले न्यिनबा समुदाय के बीच प्रचलित है। इस प्रथा के अनुसार, एक ही महिला का विवाह परिवार के सभी भाइयों से कराया जाता है। आधुनिक समाज में यह व्यवस्था असामान्य लग सकती है, लेकिन इसके पीछे गहरे सामाजिक और आर्थिक कारण निहित हैं।

हुमला जिले के दुर्गम पर्वतीय क्षेत्र में बसे न्यिनबा लोग अत्यंत कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन करते हैं। समुद्र तल से ऊंचाई पर स्थित इन गांवों में खेती सीमित है और संसाधन बहुत कम हैं। ऐसे में परिवार की जमीन का बंटवारा उनके लिए बड़ी समस्या बन सकता है। यदि प्रत्येक भाई अलग विवाह करे, तो जमीन छोटे-छोटे हिस्सों में बंट जाएगी, जिससे उत्पादन घटेगा और आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। इस समस्या से बचने के लिए सभी भाइयों की शादी एक ही महिला से कर दी जाती है, जिससे संपत्ति संयुक्त रहती है और परिवार आर्थिक रूप से स्थिर बना रहता है।

इस व्यवस्था में विवाह सामान्यतः बड़े भाई से होता है, जो परिवार का मुखिया भी होता है। विवाह के बाद महिला सभी भाइयों की पत्नी मानी जाती है और परिवार सामूहिक रूप से जीवन जीता है। घर और आजीविका से जुड़े निर्णय बड़े भाई द्वारा लिए जाते हैं, जबकि अन्य सदस्य भी समान रूप से जिम्मेदारियां निभाते हैं। बच्चों को किसी एक पिता से नहीं जोड़ा जाता, बल्कि पूरे परिवार की संतान माना जाता है, जिससे पारिवारिक विवाद की संभावना कम हो जाती है। न्यिनबा समुदाय में महिलाएं घर और खेतों का कार्य संभालती हैं, जबकि पुरुष पशुपालन और व्यापार में लगे रहते हैं। जौ, बाजरा और आलू की खेती तथा नमक और ऊन का व्यापार उनकी आजीविका के मुख्य साधन हैं। हालांकि नेपाल सरकार ने 1963 में इस प्रथा पर कानूनी प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन दूरस्थ क्षेत्रों में इसका प्रभाव सीमित रहा है। 1980 के दशक में मानवशास्त्री नैन्सी लेविन ने इस परंपरा का अध्ययन करते हुए इसे केवल सामाजिक कुरीति नहीं, बल्कि कठिन परिस्थितियों में जीवित रहने की रणनीति बताया। आज भी यह प्रथा वहां के लोगों के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनी हुई है।

बज्जिकांचल की बसेरी कला और कंचन प्रकाश

मानव की प्रारंभिक अभिव्यक्तियों में चित्रांकन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रागैतिहासिक शैलाश्रय चित्र इस बात के सशक्त प्रमाण हैं कि मनुष्य ने अपनी अनुभूतियों, शिकार-जीवन और प्रतीकों को दृश्य रूप में अंकित किया। भाषा, संकेत और मौखिक परंपराओं के समानांतर विकसित होते हुए भी चित्रकला ने सामाजिक-सांस्कृतिक स्मृति के निर्माण में विशिष्ट योगदान दिया। यही परंपरा गुफा-चित्रों से आगे बढ़ते हुए विभिन्न सभ्यताओं में विकसित हुई और आज भी लोकजीवन में जीवित है। भारत के अनेक अंचलों की लोक चित्रकलाएं समकालीन कला परिदृश्य में अपनी सशक्त उपस्थिति बनाए हुए हैं। आधुनिकता के विस्तार के बावजूद लोकचित्रों की प्रतीकात्मकता और सामुदायिक ऊर्जा आज भी आकर्षण का केंद्र है।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

इसी सांस्कृतिक विरासत को रेखांकित करती प्रदर्शनी 'बज्जिका आर्टः कंचन प्रकाश और संजू देवी के बीच एक संवाद' का उद्घाटन 11 फरवरी 2026 को दिल्ली स्थित चंपा ट्री आर्ट गैलरी में हुआ। यह पहल आईसीसीआर, म्यूजियम ऑफ सेक्रेड आर्ट (MOSA) और गैलरी के संयुक्त सहयोग से आयोजित की गई। चित्रकार कंचन प्रकाश और सुजनी कढ़ाई कलाकार संजू कुमारी को साथ प्रस्तुत करते हुए यह प्रदर्शनी रंग और धागे के बीच संवाद रचती है। कथात्मक कढ़ाई और समानांतर चित्रित रूपों के माध्यम से यह आयोजन स्त्री सृजनशीलता और बज्जिका अंचल की जीवित परंपराओं को सामने लाता है।

बज्जिकांचल की जिस बसेरी (या बंसेरी/देव-सिंगार) लोककला को यहां प्रमुखता दी गई, वह मिथिला या मंजूषा की तरह व्यापक पहचान नहीं पा सकी है। बज्जिका के विद्वान उदय नारायण सिंह के अनुसार बसेरी कला कभी इस अंचल की सांस्कृतिक पहचान थी, जो आधुनिकता की चकाचौंध में धूमिल पड़ रही है। फिर भी कुछ कला अनुरागी इसे जीवित रखे हुए हैं। इस परंपरा को संजोने में चुल्हिया देवी, वासमती देवी, इंदिरा देवी और कृति देवी जैसी महिला कलाकारों का उल्लेखनीय योगदान रहा है।

बसेरी कला मूलतः विवाह-परंपराओं से जुड़ी भित्ति-चित्रकला है। बज्जिकांचल, जिसमें बिहार के मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिवहर और वैशाली जिले शामिल हैं, में यह विश्वास है कि विवाह के समय बांस-पूजन से वंश-वृद्धि और समृद्धि होती है। विवाह से पूर्व 'मटकोर' नामक रस्म के अवसर पर घर की बाहरी दीवारों को गोबर-मिट्टी से लीपकर उन पर बांस, पशु-पक्षी, फूल-पत्तियों और मंगल प्रतीकों का अंकन किया जाता है। कुछ स्थानों पर इस कार्य में नाई जाति की स्त्रियों की भी सहभागिता होती है।

मटकोर बिहार के ग्रामीण हिंदू विवाह संस्कारों की एक प्राचीन रस्म है। विवाह से एक-दो दिन पूर्व महिलाएं तालाब या खेत से मंगलगीत गाते हुए शुद्ध मिट्टी लाती हैं, जिससे मंडप (मड़वा) की वेदी तैयार की जाती है। यह मिट्टी धरती माता के आशीर्वाद, उर्वरता और नवजीवन का प्रतीक मानी जाती है। इसी क्रम में बांस के झुरमुट पर जाकर उसकी पूजा की जाती है। रोली, हल्दी, अक्षत और दीप अर्पित कर बांस देवता से अनुमति ली जाती है, तभी चयनित बांस काटा जाता है। बांस स्थायित्व, लचक और वंश वृद्धि का प्रतीक है।

बसेरी चित्र इन्हीं सांस्कृतिक मान्यताओं से प्रेरित होते हैं। दीवारों पर लंबवत बांस-आकृतियां, पत्तियां, चिड़ियां, लताएं और कभी-कभी सूर्य या कलश जैसे प्रतीक अंकित किए जाते हैं। रंगों में गेरुआ, हरा, पीला और नीला प्रमुख होते हैं। रेखांकन सरल, सजावटी और प्रतीकात्मक होता है। यह स्त्रियों की सामूहिक सांस्कृतिक अभिव्यक्ति है, जो विवाह को प्रकृति और समुदाय से जोड़ती है।

राज्य पुरस्कार और भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की सीनियर फेलोशिप से सम्मानित कंचन प्रकाश ने इस दीवार-कला को कागज और कैनवास पर रूपांतरित कर नई पहचान दी है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कला संकाय से शिक्षित कंचन आधुनिक और समकालीन कला-भाषा से परिचित होते हुए भी अपने अंचल की परंपरा को संरक्षित और संवर्धित करने में सक्रिय हैं। उनके प्रयासों से यह विलुप्तप्राय कला राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय मंचों तक पहुंच रही है।

वस्तुतः बसेरी कला केवल एक लोकचित्र परंपरा नहीं, बल्कि प्रकृति-सम्मान, स्त्री-सृजन और सामुदायिक एकता का जीवंत सांस्कृतिक दस्तावेज है। इसके संरक्षण और संवर्धन के प्रयास निरंतर जारी रहें, यही अपेक्षा है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	76,886.91	23,995.70
गिरावट	416.72	97.00
प्रतिशत में	0.54	0.40

सोना 1,54,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,44,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, बुधवार, 29 अप्रैल 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन – तुलसी 2535, राज श्री 1940, फ़ॉर्चून कि. 2695, रविन्द्रा 2480, फॉर्चुन 13kg 2375, जय जवान 2080, सचिन 2300, सूरज 2080, अवसर 2125, उजाला 2070, गृहणी 13 kg 2130, क्लासिक (kg) 2440, मोर 2285, चक्र टिन 2505, ब्लू 2380, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2490
किराना– निजामाबाद हल्दी 16000–18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 14000–18000, अजवायान 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 800–1150
चावल– (प्रति कु0)– डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1kg,5kg) 11700, हरी पत्ति नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400, लाडली 4400
दाल दलहन– मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500–13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7450–9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10700–12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500, चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 7000–8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000–11600, अरहर कोरी छोटी 12600
चीनी– द्वारकेश 4300, बहेड़ी 4280, सितारगंज 4250

बरेली सर्राफा

दाम प्रति 10 ग्राम– सोना पक्के आभूषण 153000, सोना गिन्नी 149000, चांदी (पक्की) 2440 (अनुमानित)

हल्द्वानी मंडी

नोट : दाम प्रति क्विंटल में
चावल :– शरबती– 6500–7200 बासमती– 10400–12400 परमल– 3000–3400
दाल दलहन :–काला चना– 6000–6800 साबुत चना दाल– 6500 मूंग साबुत– 10400 राजमा– 11000–12400 दाल उड़द– 9200–11200 साबुत मसूर दाल– 7000–7600 मसूर दाल– 9000 1000 उड़द साबुत– 10400 काबुली चना– 10200–10600 अरहर दाल– 9200 –11200 लोबिया/करमानी– 1400–2200

कच्चे तेल में उछाल से सहमा शेयर बाजार, सेंसेक्स 417 अंक फिसला

बैंक, वित्तीय एवं वाहन कंपनियों के शेयरों में गिरावट से भी नुकसान में रहे सूचकांक

मुंबई, एजेंसी

कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में तेज उछाल और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के दबाव में मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट रही। सेंसेक्स 417 अंकों के नुकसान में रहा जबकि निफ्टी 97 अंक गिरकर बंद हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि मुख्य रूप से बैंक, वित्तीय एवं वाहन कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट से मानक सूचकांक नुकसान में रहे।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 416.72 अंक यानी 0.54 प्रतिशत गिरकर 76,886.91 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 562.57 अंक तक लुढ़ककर 76,741.06 तक पहुंच गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी 97 अंक यानी 0.40 प्रतिशत गिरकर 23,995.70 अंक पर बंद हुआ।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजीत मिश्रा ने कहा कि अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर अनिश्चितता के जारी रहने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया और निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा। इसके अलावा नियामकीय प्रावधानों के कारण बैंकों के शेयर भी दबाव में रहे।

बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 2,257 कंपनियों के शेयर गिरकर बंद हुए जबकि 1,998 कंपनियों में तेजी रही और 172 अन्य अपरिवर्तित रहे।

एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट में रहे, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी बढ़त के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में सकारात्मक रुख देखने को मिला जबकि अमेरिकी बाजार सोमवार को स्थिर बंद हुए थे। इससे पहले, सोमवार को सेंसेक्स 639.42 अंक चढ़कर 77,303.63 और निफ्टी 194.75 अंक बढ़कर 24,092.70 पर बंद हुआ था।

ब्रेंट क्रूड 2.97 % उछलकर 111.4 डॉलर प्रति बैरल

नुकसान में रहे शेयर :– एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक, इंटरग्लोब एविएशन, मारुति सुजुकी, भारतीय स्टेट बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

बढ़त के साथ बंद हुए :– रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा और सन फार्मा।

मिडकैप में 0.27 प्रतिशत की गिरावट

बीएसई स्मालकैप सूचकांक 0.42 प्रतिशत की बढ़त पर रहा जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप सूचकांक 0.27% की गिरावट में रहा। क्षेत्रवार सूचकांकों में पीएसयू बैंक खंड में सर्वाधिक 2.20 प्रतिशत की सुस्ती रही जबकि बैंकेक्स 1.61 प्रतिशत गिर गया। निजी बैंकों के खंड में 1.23 प्रतिशत और वाहन खंड में 0.98 प्रतिशत की गिरावट रही।

- वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड करीब 2.97 प्रतिशत उछलकर 111.4 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।
- विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1,151.48 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की।

एक्सपर्ट्स की राय

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि आरबीआई ने बैंकों के लिए 'प्रत्याशित ऋण ह्रास' (ईसीएल) ढांचे को अप्रैल 2027 से लागू करने को अंतिम रूप दे दिया है। इस बदलाव के कारण निकट अवधि में बैंकों की वित्तीय प्रावधान की जरूरत बढ़ सकती है।

एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों का 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जाना, रुपये का 94.5 के ऊपर चले जाना और एफआईआई की लगातार निकासी से भारतीय बाजार पर दबाव बना हुआ है।

कैपिटल सब्सिडी और एसजीएसटी रिम्बर्समेंट से निवेश लागत में बड़ी राहत

गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे उद्योग लगाने पर खर्च होगा कम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति 2022 के तहत गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे विकसित हो रहे इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर्स (आईएमएलसी) में निवेश करने वाले उद्योगों को एलिजिबल कैपिटल इनवेस्टमेंट (ईसीआई) पर 42% तक कैपिटल सब्सिडी और 100% नेट एसजीएसटी रिइम्बर्समेंट (ईसीआई के 300% तक) की सुविधा से निवेश लागत में बड़ी राहत दे रही है। आईएमएलसी अब देश के प्रमुख औद्योगिक हब के रूप में उभर रहे हैं।

सरकार द्वारा दी जा रही बहुस्तरीय सब्सिडी, टैक्स छूट और आसान प्रक्रियाओं ने इसे निवेशकों के लिए 'हाई-इंसेंटिव कॉरिडोर' बना दिया है। सरकार ने विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए विशेष प्रावधान किए हैं। सरकारी भूमि पर 80% तक फ्रंट-एंड लैंड सब्सिडी और 35% तक कैपिटल सब्सिडी का लाभ दिया जा रहा है।

इसके अलावा, आईएमएलसी में स्थापित इकाइयों को भूमि पंजीकरण पर 100% स्टाम्प ड्यूटी छूट मिलती है, जिससे उद्योग स्थापना आसान और किफायती हो जाती है। औद्योगिक विकास को गति देने के लिए ऊर्जा और नवाचार पर विशेष जोर दिया गया है।

एफडीआई और फॉर्च्यून ग्लोबल 500 कंपनियों को 5 वर्षों तक 100% बिजली शुल्क (इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी) में छूट दी जा रही है। ग्रीन इंडस्ट्री को प्रोत्साहित करने के लिए 50% तक (अधिकतम 2.5 करोड़) का इंसेंटिव दिया जा रहा है, जबकि रिसर्च एवं डेवलपमेंट के लिए 10 करोड़ तक का अनुदान उपलब्ध है।

'निवेश मित्र' से आसान और पारदर्शी प्रक्रिया

निवेश प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए निवेश मित्र सिंगल विंडो पोर्टल को सशक्त किया गया है। इस प्लेटफॉर्म पर 500 से अधिक सेवाएं उपलब्ध हैं, जिनमें भूमि आवंटन, स्वीकृति और इंसेंटिव ट्रैकिंग शामिल है। इससे निवेशकों को अलग-अलग विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते और समय की बचत होती है।

- एफडीआई, भूमि और स्टाम्प ड्यूटी में विशेष रियायतें, पावर, ग्रीन और आरएंडडी इंसेंटिव से इंडस्ट्री को बढ़ावा

बढ़ेगी प्रतिस्पर्धा

आईएमएलसी में स्थापित उद्योगों को केंद्र सरकार की पीएलआई योजना के साथ 30% तक अतिरिक्त टॉप-अप दिया जा रहा है। इससे मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलती है और बड़े निवेश आकर्षित होते हैं। सरकार का लक्ष्य है कि गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे विकसित ये औद्योगिक क्लस्टर न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे देश की औद्योगिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

निर्यात होगा 25 लाख टन गेहूं, अधिसूचना जारी

नयी दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य मंत्रालय की इकाई डीजीएफटी ने 25 लाख टन गेहूं के निर्यात की अनुमति देने के सरकार के फैसले को अधिसूचित कर दिया है। केंद्र ने 20 अप्रैल को एक और अच्छी फसल की संभावना के बीच भंडार की आरामदायक स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त 25 लाख टन गेहूं के निर्यात की अनुमति दी थी।

इसके साथ ही अब कुल 50 लाख टन गेहूं और 10 लाख टन गेहूं उत्पादों के निर्यात की अनुमति मिल गई है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि गेहूं की निर्यात नीति प्रतिबंधित बनी रहेगी। हालांकि, अतिरिक्त 25 लाख टन गेहूं के निर्यात की अनुमति है।

इसमें कहा गया कि इसके लिए विस्तृत तौर-तरीकों को एक अलग आदेश के माध्यम से अधिसूचित किया जाएगा। अधिसूचना में कहा गया कि इसके अलावा 13 मई, 2022 की डीजीएफटी की अधिसूचना में उल्लेखित मौजूदा नीतिगत स्थिति लागू रहेगी, जिसमें भारत सरकार द्वारा अन्य देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए दी गई अनुमति और उनकी सरकारों के अनुरोध के आधार पर भी निर्यात की अनुमति दी जाएगी। यह मात्रा उक्त 25 लाख टन गेहूं निर्यात की अनुमति के अतिरिक्त होगी। कृषि मंत्रालय के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) के लिए देश का गेहूं उत्पादन 12.02 करोड़ टन रहने का अनुमान है।

- **फसली वर्ष 2025-26 में देश में गेहूं का उत्पादन 12 करोड़ टन रहने का अनुमान**

रुपया 53 पैसे टूटकर 94.68 प्रति डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया मंगलवार को 53 पैसे टूटकर 94.68 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की ऊंची कीमत और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के कारण निवेशकों का भरोसा कम होने से रुपये की विनिमय दर में गिरावट आई।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा है कि चालू खाते के घाटे (सीएडी) में संभावित वृद्धि और अस्थिर पूंजी प्रवाह के कारण भी रुपये में तेज गिरावट आई है।

इसके अलावा, विदेशी निवेशकों द्वारा निरंतर निकासी से रुपये पर दबाव पड़ा है। इस साल अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 19 अरब डॉलर से अधिक की निकासी की है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.35 पर खुला और कारोबार के अंत में यह 94.68 पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 53 पैसे की गिरावट है।

एटीएफ कीमतों पर जल्द राहत दे सरकार

मुंबई, एजेंसी

देश की प्रमुख विमानन कंपनियों ने एटीएफ कीमतों की वजह से विमानन उद्योग के 'अत्यधिक दबाव' में होने का जिक्र करते हुए कहा है कि तत्काल राहत नहीं दिए जाने पर संचालन ठप होने की भी स्थिति बन सकती है।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआईए) ने नागर विमानन मंत्रालय को पत्र लिखकर विमानन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों, करों में राहत और घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए समान मूल्य निर्धारण व्यवस्था की बहाली की मांग की है।

एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट की भागीदारी वाले इस संगठन ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है, जबकि कई क्षेत्रों में हवाई क्षेत्र पाबंदियों ने परिचालन लागत और बढ़ा दी है। विमानन कंपनियों के कुल परिचालन खर्च का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा एटीएफ का ही होता है। एफआईए ने 26 अप्रैल को लिखे पत्र में कहा कि किसी भी प्रकार के तदर्थ मूल्य निर्धारण (घरेलू और अंतरराष्ट्रीय के बीच) या एटीएफ की कीमतों में अनुचित वृद्धि से एयरलाइंस को भारी नुकसान होगा और विमान खड़ा करने की नौबत आ सकती है, जिससे उड़ानें रद्द करनी पड़ेंगी।

एयरलाइंस ने एटीएफ पर 11 प्रतिशत उत्पाद शुल्क को अस्थायी रूप से स्थगित करने की भी मांग की है। उनका कहना है कि ईंधन की बढ़ी कीमतों और रुपये में गिरावट के कारण लागत और अधिक बढ़ गई है। एयरलाइंस संगठन के मुताबिक, सरकार ने पिछले महीने घरेलू उड़ानों के लिए एटीएफ कीमतों में बढ़ोतरी को 15 रुपये प्रति लीटर तक सीमित किया था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए कीमतों में 73 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हो गई। इससे वैश्विक उड़ानों पर गंभीर असर पड़ा है और अप्रैल में भारी नुकसान हुआ है।

एयरलाइंस ने चेतावनी दी है कि मौजूदा मूल्य ढांचा यदि जारी रहा तो घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय दोनों उड़ानों का संचालन असंभव हो जाएगा और उद्योग गंभीर संकट में पहुंच सकता है।

- **एयरलाइन संगठन ने पत्र लिखकर सरकार से की मांग**

विस चुनाव बाद नहीं बढ़ेंगी पेट्रोल, डीजल की कीमतें : सरकार

नयी दिल्ली, एजेंसी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि सरकार की पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने 29 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में मतदान समाप्त होने के बाद कीमतों में बढ़ोतरी की अटकलों को खारिज किया। पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में रिकॉर्ड चौथे साल भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण पिछले दो महीनों में कच्चा तेल 50 प्रतिशत से अधिक महंगा हो गया है। लागत और बिक्री मूल्य के बीच बढ़ते अंतर के कारण सरकारी तेल कंपनियों को भारी नुकसान हो रहा है। कुछ अनुमानों के अनुसार यह दैनिक नुकसान लगभग 2,400 करोड़ रुपये है। इसी कारण अटकलें लगाई जा रही थीं कि असम, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव बुधवार को संपन्न होने के बाद कीमतों में तत्काल बढ़ोतरी हो सकती है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

निर्वाचन आयोग ने एनआईए से कहा देसी बमों का उपयोग रोका जाए

नयी दिल्ली, एजेंसी

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से पहले राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि शरारती तत्व मतदान में बाधा डालने और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने के लिए बमों का इस्तेमाल न कर पाएं।

आयोग के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह निर्देश चुनावी राज्य में देसी बमों की बरामदगी और एक हल्के विस्फोट की रिपोर्ट के बाद आया है। राज्य में पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को हुआ था, जबकि दूसरे एवं अंतिम चरण का मतदान बुधवार को होगा।

अधिकारियों ने कहा कि आयोग पश्चिम बंगाल में मतदान के दिन या चुनाव के बाद की हिंसा को रोकने के लिए सख्त कदम उठा रहा है। निर्वाचन आयोग का यह निर्देश तब आया जब पुलिस ने 26 अप्रैल को दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ में एक व्यक्ति के घर से बड़ी संख्या में देसी बम बरामद किए, जो बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का कथित कार्यकर्ता है। यह घटना राज्य में विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण से कुछ दिन पहले हुई।

बाद में केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर एनआईए ने राज्य में 79 देसी बमों की बरामदगी की जांच के लिए एक मामला दर्ज किया।

एनआईए के प्रवक्ता ने बीते रविवार को कहा था कि आतंकवाद रोधी एजेंसी ने आज एक मामला दर्ज किया, जो मूल रूप से शनिवार को कोलकाता के भांगड़ संभाग के उत्तर काशी पुलिस थाना में दर्ज किया गया था, और जांच शुरू कर दी है।

कोलकाता के भवानीपुर में 29 अप्रैल को होने वाल मतदान से पूर्व केंद्रीय सुरक्षा बलों की उच्च स्तरीय गश्त जारी है। ● अमृत विचार

न्यायाधिकरण से मंजूरी प्राप्त 1,468 मतदाता बंगाल चुनाव के दूसरे चरण में कर सकेंगे मतदान : अधिकारी

कोलकाता, एजेंसी

एसआईआर से जुड़े न्यायाधिकरण के आदेशों के बाद पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में कुल 1,468 लोगों का नाम जोड़ा गया है, जो 29 अप्रैल को विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। निर्वाचन आयोग के अनुसार, जिन मतदाताओं के नाम पूरक मतदाता सूची में हैं, वे आयोग की वेबसाइट पर अपना मतदाता पहचान पत्र क्रमांक दर्ज करके अपने विवरण की जांच कर सकते हैं। निर्वाचन आयोग के अधिकारी ने बताया कि जिन मतदाताओं की अपीलों का निपटारा अपीलीय न्यायाधिकरणों द्वारा 27 अप्रैल तक कर दिया गया था, उन्हें एक पूरक मतदाता सूची में शामिल किया गया है, और वे दूसरे चरण में मतदान कर सकेंगे। दूसरे चरण में मतदान पश्चिम बंगाल के सात जिलों में फैले 142 निर्वाचन क्षेत्रों में होगा।

... चलें बूथ की ओर

पश्चिम बंगाल : अंतिम चरण के मतदान के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना हो गयीं। हावड़ा के बागनान स्थित डीसीआरसी केंद्र से ईवीएम–चुनाव सामग्री लेकर निकलतीं मतदान कर्मी। ● **फोटो** : शुभंकर चक्रवर्ती

आम जनता बनाम ममता की लड़ाई बन गया है पश्चिम बंगाल चुनाव : समिक भट्टाचार्या

कोलकाता, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्या ने तृणमूल कांग्रेस को 'जीवित अवशेष' मात्र बताते हुए कहा है कि यह चुनाव 'आम जनता बनाम ममता' की लड़ाई बन चुका है। पश्चिम बंगाल चुनाव के पहले चरण में हुए भारी मतदान को अभूतपूर्व बताते हुए श्री भट्टाचार्या ने कहा कि 93.19 प्रतिशत मतदान इस बात का साफ इशारा है कि ममता बनर्जी अब सत्ता से जा रही हैं। श्री भट्टाचार्या ने बातचीत में कहा कि ममता बनर्जी की विदाई तय है। इतनी बड़ी संख्या में हुआ मतदान सत्ता विरोधी लहर को दिखाता है। यही माहौल चुनाव के दूसरे चरण में भी बना रहेगा। हमें भरोसा है कि हम बंगाल में बड़ी जीत हासिल करेंगे और चार मई को सरकार बनाएंगे। पश्चिम बंगाल में दो चरणों के विधानसभा चुनाव के तहत पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को हुआ था और दूसरे चरण की वोटिंग बुधवार को होगी और नतीजों की घोषणा चार मई को की जाएगी। घुसपैठियों पर उन्होंने कहा कि राज्य के कई सीमावर्ती जिलों की आबादी और संरचना में अब तक बहुत बड़ा बदलाव आ चुका है। पश्चिम बंगाल की बांग्लादेश के साथ लगभग 2,216 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है, जो किसी भी भारतीय राज्य की सबसे लंबी अंतरराष्ट्रीय थल और नदी सीमा है। श्री भट्टाचार्या ने आरोप लगाया कि बंगाल के सीमावर्ती जिलों की पूरी जनसांख्यिकी बदल गई है। इसमें कोई शक नहीं है कि तृणमूल ने सिर्फ वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को बढ़ावा दिया और देश की सुरक्षा को खतरे में डाला है।

उपद्रवियों पर कार्रवाई को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ याचिका दायर

कोलकाता, एजेंसी

कलकत्ता उच्च न्यायालय में मंगलवार को एक याचिका दायर की गई, जिसमें आरोप लगाया गया है कि निर्वाचन आयोग पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के मद्देनजर उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई के सिलसिले में उसकी तरफ से जारी आदेश पर अमल नहीं कर रहा है।

उच्च न्यायालय ने 22 अप्रैल को आयोग की ओर से नियुक्त पुलिस पर्यवेक्षक के उस आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसमें कुछ नागरिकों को उपद्रवी करार दिया गया था और संबंधित अधिकारियों को उनके खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया था।

तृणमूल कांग्रेस के सांसद एवं वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याण बनर्जी ने मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष दायर याचिका में दावा किया कि आयोग ने लगभग 350 लोगों की एक नयी सूची तैयार की है, जिनके खिलाफ कार्रवाई की जानी है। इस खंडपीठ में न्यायमूर्ति पार्थ सारथी सेन भी शामिल हैं। याचिका में बनर्जी ने आरोप लगाया कि उच्च न्यायालय ने आदेश के कार्यान्वयन पर 30 जून तक रोक लगा दी थी, लेकिन निर्वाचन आयोग इसका पालन नहीं कर रहा है। खंडपीठ ने बनर्जी के मुवक्किल को उनकी तरफ से मौखिक रूप से किए गए अनुरोध पर अवमानना याचिका दायर करने की अनुमति दे दी।

हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया था कि यह आदेश नागरिक/पुलिस अधिकारियों को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 या किसी अन्य दंड संहिता के तहत अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने से नहीं रोकेगा।

- **तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं करने का लगाया आरोप**

वह 'सिंघम' हैं, तो मैं 'पुष्पा' हूं: तृणमूल नेता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की फाल्टा विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान ने निर्वाचन आयोग की ओर से पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के उत्तर प्रदेश कैडर के अधिकारी अजय पाल शर्मा के क्षेत्र का दौरा करने पर मंगलवार को आपत्ति जताई। खान ने कहा कि अगर शर्मा सिंघम हैं, तो वह पुष्पा हैं और पार्टी कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस बीच, तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने शर्मा पर पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के विधानसभा चुनाव के लिए 29 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने का आरोप लगाते हुए फाल्टा में उनके खिलाफ प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने बताया कि शर्मा को तृणमूल समर्थकों के विरोध का सामना करना पड़ा।

वर्ल्ड ब्रीफ

पहले चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार के चयन मंडल में भारतवंशी

लंदन। पहले चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार 2027 के चयन मंडल की मंगलवार को घोषणा की गई, जिसमें उत्तरी लंदन में बच्चों की किताब दुकान चलाने वाली एक भारतवंशी विक्रेता को भी शामिल किया गया है। मसवेल हिल स्थित पुरस्कृत ''बच्चों की किताब दुकान'' की मालिक संचिता बसु डे सरकार लेखक फ्रैंक कॉटरेल-बॉयस और अभिनेत्री लॉली एडेफोपे के साथ मिलकर आठ से बारह वर्ष की आयु के बच्चों के लिए समकालीन सर्वश्रेष्ठ कथा साहित्य का चयन करेंगी। वार्षिक बुकर पुरस्कार की तरह ही बच्चों के लिए इस साहित्यिक पुरस्कार के विजेता को 50,000 पाउंड की राशि दी जाएगी और अंतिम सूची में चयनित लेखकों को 2,500 पाउंड मिलेंगे।

एस-400 मिसाइल प्रणाली की चौथी इकाई अगले महीने मिलेगी

नई दिल्ली। भारत को सतह से हवा में मार करने वाली एस-400 ट्रायम्फ मिसाइल प्रणाली की चौथी इकाई रूस से अगले महीने के पहले हिस्से में प्राप्त होने की उम्मीद है। इससे भारतीय वायुसेना के वायु रक्षा तंत्र को और मजबूती मिलेगी। सुरक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों के मुताबिक अक्टूबर 2018 में भारत ने पांच मिसाइल प्रणालियां खरीदने के लिए रूस के साथ 5 अरब अमेरिकी डॉलर का एक समझौता किया था और इनमें से तीन की आपूर्ति पहले ही की जा चुकी है। मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति के लिए संशोधित समयसीमा के अनुसार, पांचवीं इकाई नवंबर तक सुपुर्द कर दी जाएगी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एस-400 मिसाइल प्रणालियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

भ्रष्टाचार मामले में शहबाज की बेटी-दामाद को मिली जमानत

लाहौर। पाकिस्तान की एक अदालत ने मंगलवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की बेटी राबिया इमरान और उनके पति इमरान यूसुफ को भ्रष्टाचार और धनशोधन के एक बड़े मामले में जमानत दे दी। न्यायाधीश अशफाक अहमद ने दंपति की जमानत याचिकाएं मंजूर कर लीं और संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) को सात मई तक उन्हें गिरफ्तार करने से रोक दिया। अदालत के एक अधिकारी ने कहा, लाहौर की विशेष अदालत ने प्रधानमंत्री शहबाज की बेटी राबिया इमरान और उनके पति इमरान यूसुफ को भ्रष्टाचार और धनशोधन के मामले में सात मई तक अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी है।

ट्रंप को झटका, न्यूयॉर्क में एनपीटी समीक्षा सम्मेलन में ईरान को चुना गया उपाध्यक्ष

गुट निरपेक्ष आंदोलन के समर्थन से हुआ चयन, अमेरिका ने बताया शर्मनाक और अपमानजनक

न्यूयॉर्क, एजेंसी

एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक घटनाक्रम में ईरान को न्यूयॉर्क में चल रहे परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) समीक्षा सम्मेलन का उपाध्यक्ष चुना गया है। इसे अमेरिका के लिए जहां बड़ा झटका माना जा रहा है, वहीं ईरान ने इसे परमाणु हथियार मुक्त दुनिया के लिए अपने प्रयासों की जीत बताया है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था अंतरराष्ट्रीय परमाणु उर्जा एजेंसी (आईएईए) का कहना है कि ईरान लगातार परमाणु अप्रसार संधि के नियमों का उल्लंघन कर रहा है।

वियना में ईरानी मिशन ने एक बयान में कहा कि यह चुनाव वैश्विक स्तर पर परमाणु हथियारों को खत्म करने के लिए ईरान की भूमिका और वकालत का सम्मान है। ईरान ने अपना पुराना नारा दोहराते हुए कहा, परमाणु ऊर्जा सभी के लिए, लेकिन परमाणु हथियार किसी के लिए नहीं। ईरान ने अपने दावे में यह भी कहा कि उनके यहां परमाणु हथियारों पर धार्मिक रूप से पाबंदी है। इसके लिए उन्होंने अपने दिवंगत सर्वोच्च नेता के उस फतवे का हवाला दिया जिसमें इन हथियारों के इस्तेमाल पर रोक लगाई गई है। गौरतलब है कि पिछले साल आईएईए के 35 सदस्यीय बोर्ड ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें 2005 के बाद पहली बार आधिकारिक रूप से कहा गया था कि ईरान परमाणु नियमों का पालन नहीं कर रहा है। परमाणु एजेंसी का आरोप है कि ईरान ने कई संदिग्ध ठिकानों पर अघोषित परमाणु सामग्री और गतिविधियों के बारे में जानबूझकर जानकारी नहीं दी है।

एनपीटी समीक्षा सम्मेलन में 34 उपाध्यक्ष होते हैं। ईरान उपाध्यक्ष के रूप में सम्मेलन की सामान्य समिति का हिस्सा बन गया है, जो सम्मेलन के संचालन और एजेंडे को व्यवस्थित करने में मदद करती है। ईरान के लिए यह नियुक्ति उसकी परमाणु नीति और परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया के लिए उसकी वकालत की वैश्विक स्तर पर स्वीकार्यता के रूप में देखी जा रही है। ईरान का चुनाव गुटनिरपेक्ष आंदोलन जो 121 विकासशील देशों का समूह है, की ओर से नामांकन के आधार पर हुआ है। यह दर्शाता है कि कई विकासशील देश शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा के अधिकार और परमाणु निरस्त्रीकरण के मुद्दे पर ईरान के साथ खड़े हैं।

न्यूयॉर्क में सोमवार को शुरू हुआ परमाण अप्रसार संधि सम्मेलन।

अमेरिका समेत पश्चिमी देशों ने किया कड़ा विरोध

इस चुनाव का अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों ने कड़ा विरोध किया है। अमेरिका ने इसे शर्मनाक और सम्मेलन की विश्वसनीयता के लिए अपमानजनक बताया है, उसका आरोप है कि ईरान अपनी परमाणु प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन कर रहा है। उपाध्यक्ष के रूप में ईरान प्रक्रियात्मक भूमिका में आ गया है, यह ईरान को वैश्विक परमाणु नीतियों पर चर्चा के दौरान अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने का एक बड़ा मंच प्रदान करेगी।

परमाणु हथियारों के विनाशकारी परिणामों को भूल रही है दुनिया : गुटेरस

- कहा- दुनिया में हो रही है परमाणु हथियारों में चिंताजनक बढ़ोतरी

सम्मेलन के दौरान संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने दुनिया को आगाह करते हुए कहा कि देश परमाणु हथियारों के विनाशकारी परिणामों को भूलते जा रहे हैं और दुनिया भूलने की खतरनाक बीमारी की चपेट में है। गुटेरस ने याद दिलाया कि परमाणु निरस्त्रीकरण की कोशिशें 1946 से ही शुरू हो गई थीं, लेकिन अब दशकों की मेहनत पर पानी फिरता दिख रहा है। परमाणु हथियारों की धमकियां फिर से सुनाई देने लगी हैं, देशों के बीच अविश्वास बढ़ रहा है और हथियार नियंत्रण की नीतियां दम तोड़ रही हैं। गुटेरेस ने कहा कि पिछले साल दुनिया भर में सैन्य खर्च बढ़कर 2.7 ट्रिलियन डॉलर हो गया। इसके साथ ही दशकों बाद पहली बार परमाणु हथियारों की संख्या में भी चिंताजनक बढ़ोतरी देखी गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि परमाणु परीक्षणों को लेकर फिर से चर्चा शुरू होना और नए देशों द्वारा परमाणु हथियार पाने की कोशिश करना एक बड़ा खतरा है। गुटेरेस ने कहा, अतीत में दुनिया केवल इसलिए बची रही क्योंकि नेताओं ने संयम दिखाया। उन्होंने जोर दिया कि परमाणु युद्ध कभी जीता नहीं जा सकता और इसे कभी लड़ा भी नहीं जाना चाहिए।

होर्मुज में सुरक्षित आवागमन बहाल होना चाहिए : भारत

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हुई बहस में जहाजों पर हमलों की निंदा की
- कहा- ऐसे हमले वैश्विक शांति और ऊर्जा सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में भारत ने सोमवार को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित एवं निर्बाध समुद्री आवागमन को तत्काल बहाल करने का आह्वान किया और चेतावनी दी कि इस महत्वपूर्ण जलमार्ग में वाणिज्यिक जहाजों पर हाल ही में हुए हमले वैश्विक शांति, ऊर्जा सुरक्षा एवं आर्थिक स्थिरता के लिए खतरा हैं।

अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के एजेंडे के अंतर्गत समुद्री क्षेत्र में जलमार्गों की सुरक्षा एवं संरक्षण पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की उच्च स्तरीय खुली बहस में भारतीय प्रतिनिधि योजना पटेल ने जोर दिया कि महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा वैश्विक व्यापार एवं स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। जलमार्गों की सुरक्षा के लिए नए सिरे से अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान करते हुए पटेल ने कहा कि ऐसी घटनाएं अस्वीकार्य हैं और इनके परिणामस्वरूप पहले ही भारतीय नाविकों की जान जा चुकी है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार का एक बड़ा हिस्सा वहन करते हैं और किसी भी व्यवधान के अंतरराष्ट्रीय स्थिरता के लिए दूरगामी परिणाम होते हैं।

पटेल ने कहा कि महत्वपूर्ण जलमार्गों पर नौवहन की स्वतंत्रता का अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार पूरी तरह सम्मान किया जाना चाहिए । उन्होंने सुरक्षित एवं निर्बाध समुद्री मार्ग की तत्काल बहाली का आग्रह किया। भारत ने एक स्वतंत्र समुद्री व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

रूस ने कहा- ईरान को होर्मुज पर अपना नियंत्रण रखने का पूरा अधिकार

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वसीली नेबेंजिया ने जोर देकर कहा है कि जंग के समय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए ईरान के पास होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन को विनियमित और प्रतिबंधित करने का अधिकार सुरक्षित है। नेबेंजिया ने सोमवार को इस मसले पर बोलते हुए सारा इल्जाम ईरान पर मढ़ने की कोशिशों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, पूरी जिम्मेदारी ईरान पर डालने की कोशिश की गई, मानो ईरान ने ही अपने पड़ोसियों पर हमला किया हो। होर्मुज में ईरान के कदम का बचाव करते हुए उन्होंने कहा युद्ध की स्थिति में खतरे का सामना कर रहे किसी भी तटीय देश के पास अपनी सुरक्षा के लिए अपने क्षेत्रीय जल क्षेत्र के भीतर आवाजाही को सीमित करने का अधिकार होता है। रूसी दूत ने पश्चिमी देशों पर दोहरे मानदंड अपनाने का भी आरोप लगाया।

राजीव गांधी हत्या मामले के दोषी ने वकील के रूप में पंजीकरण कराया

चेन्नई। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी हत्याकांड के दोषियों में से एक एजी पेरारिवलन ने अपना नाम तमिलनाडु और पुडुचेरी बार एसोसिएशन में वकील के रूप में पंजीकृत कराया है।

पेरारिवलन को इस मामले में आजीवन कारावास की सजा हुई थी लेकिन उसे 2022 में रिहा कर दिया गया था। पेरारिवलन (54) का वकील के तौर पर पंजीकरण 27 अप्रैल को हुआ। वह मद्रास हाईकोर्ट में वकील के तौर पर काम करेगा और कैदियों को कानूनी सहायता प्रदान करने पर जोर देगा। पेरारिवलन को सोमवार को औपचारिक रूप से बार एसोसिएशन में शामिल किया गया। मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी समारोह में उपस्थित थे। तमिलनाडु और पुडुचेरी बार काउंसिल के अध्यक्ष पी एस अमलराज और उपाध्यक्ष एस प्रभाकरण भी शामिल हुए। सुप्रीम कोर्ट ने 18 मई 2022 को अनुच्छेद 142 के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए पेरारिवलन की रिहाई का आदेश दिया था।

धर्म पूछा, कलमा पढ़ने को कहा, फिर सुरक्षा गार्डों को चाकू घोंपा

महाराष्ट्र के ठाणे में पहलगाम जैसी घटना, गिरफ्तार आरोपी से मिले आईएसआईएस के दस्तावेज

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार तड़के पहलगाम के आतंकी हमले से मिलती-जुलती घटना हुई। दो सुरक्षा गार्डों से धर्म पूछने और कलमा पढ़ने के लिए कहने के बाद एक शख्स ने उन पर चाकू से हमला कर दिया और दोनों को गंभीर रूप से घायल करने के बाद भाग निकला। बाद में उसे सीसीटीवी फुटेज से पहचान करने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की जांच एटीएस को सौंपी गई है। एटीएस ने उसके आवास से अकेले ही हमला करने और इस्लामिक स्टेट का उल्लेख करने वाला एक नोट, एक लैपटॉप और कुरान की तीन प्रतियां बरामद की हैं।

एटीएस के मुताबिक आरोपी की पहचान 31 वर्षीय जैब जुबैर अंसारी के रूप में हुई है जो 2020 में अमेरिका से भारत लौटा था। सोमवार तड़के उसने ठाणे के मीरा रोड इलाके में एक निर्माणाधीन इमारत में हुई कहासुनी के बाद सुरक्षा गार्ड से कथित तौर पर उनका धर्म पूछा था। एक पीड़ित के मुताबिक इसके बाद उसने उन्हें कलमा पढ़ने को कहा। वे ऐसा नहीं कर पाए तो उसने चाकू से उन पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इससे पहले आरोपी ने सुरक्षा गार्डों से किसी मस्जिद का पता पूछा था और उन्होंने उसकी जानकारी होने से इन्कार कर दिया था। एटीएस के एक अधिकारी के अनुसार, अभी तक की जांच में पता चला है कि इस हमले में अंसारी अकेले ही शामिल था। महाराष्ट्र सरकार की ओर से जांच सौंपे जाने के बाद एटीएस ने घटना स्थल से करीब 200 मीटर दूर मीरा रोड स्थित नया नगर के स्मिता रीजेंसी भवन स्थित आवास की तलाशी ली, जहां वह अकेले रहता था।

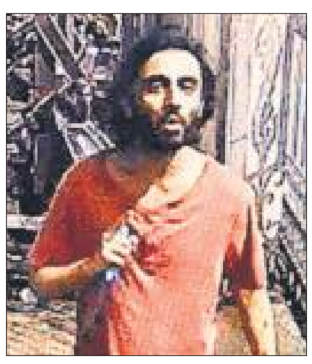
चाकू लेकर खड़ा आरोपी। ● सीसीटीवी फुटेज

अमेरिका में 20 साल रहकर लौटा था भारत

ठाणे पुलिस ने सील किया घर।

एटीएस ने बताया कि आरोपी 2000 से 2020 तक अपने माता-पिता के साथ अमेरिका में रहता था। वर्क परमिट समाप्त होने के बाद वह भारत लौट आया और कुछ समय तक मुंबई के कुर्ला और पड़ोसी नवी मुंबई के वाशी में रहा। 2022 से वह स्मिता रीजेंसी बिल्डिंग में अकेला रह रहा उसकी पत्नी अफगान है जो उसे छोड़कर अमेरिका चली गई। मीरा भायंदर-वसई विरार क्षेत्र में मिश्रित आबादी रहती है, जिसमें मुस्लिम बहुल एक क्षेत्र भी शामिल है।

खुद ही कट्टरपंथी बनने जैसा मामला : फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आरोपी कई वर्षों से अमेरिका में रह रहा था और संभवत: ऑनलाइन सामग्री और किताबों से प्रभावित होकर चरमपंथी मानसिकता अपना बैठा। ऐसा लगता है कि इसी से प्रभावित होकर उसने जिहाद और दूसरे धर्मों के लोगों की हत्या की सोच विकसित कर ली। हालांकि एटीएस और एनआईए जैसी एजेंसियों की मदद से हम इस बात की जांच करेंगे कि इस कट्टरपंथ के पीछे कौन है और क्या इसमें अन्य लोग भी शामिल हैं।

जामिया मिल्लिया में राष्ट्रीय स्वयं संघ के कार्यक्रम का भारी विरोध

नई दिल्ली, एजेंसी

जामिया मिल्लिया के गेट पर पुलिस-प्रदर्शनकारियों में भिड़ंत।

- भारी पुलिस बल की तैनाती के बावजूद मुख्यद्वार बंद कर अतिथियों को आने से रोका
- जामिया हमारा विश्वविद्यालय आपकी शाखा नहीं के नारे लगे

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्रों ने मंगलवार को परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम का कड़ा विरोध किया। दिल्ली पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स की भारी तैनाती के बावजूद प्रदर्शनकारियों ने प्रवेश द्वार को बंद कर अतिथियों को ऑडिटोरियम के अंदर आने से रोक दिया। उन्होंने संघ के कार्यक्रम को केंद्रीय विश्वविद्यालय की गरिमा के खिलाफ बताया और उसे रद्द करने की मांग की।

छात्रों ने इस दौरान 'जामिया हमारा विश्वविद्यालय है, आपकी शाखा नहीं' और 'कैंपस के भगवाकरण को बंद करो' जैसे पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इंकलाब जिंदाबाद के भी नारे लगाए और ऑडिटोरियम के प्रवेश द्वार को अवरुद्ध कर दिया। लेफ्ट विंग के छात्र संगठनों स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) ने इस विरोध का नेतृत्व किया। एक प्रदर्शनकारी ने बताया कि आरएसएस अपने मुख्य अतिथि को ऑडिटोरियम में ले जाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन छात्रों ने मुख्य द्वार पर मोर्चा संभाल लिया और आरएसएस पदाधिकारियों से कैंपस से निकलने को कहा।

आइसा ने एक बयान में कहा कि जामिया में आरएसएस के लिए कोई जगह नहीं है। आइसा ने आरोप लगाया कि जिस संगठन ने स्वतंत्रता आंदोलन में कोई भूमिका नहीं निभाई, वह आज अपनी सत्ता मजबूत करने के लिए राष्ट्रवाद का कार्ड खेल रहा है। एसएफआई ने सोमवार को एक बयान में कहा, अल्पसंख्यक छात्रों वाले परिसर में संघ का कार्यक्रम आयोजित करना एक प्रत्यक्ष उकसावा और उसकी गरिमा व सुरक्षा पर हमला है।

दूसरे कॉलेजों में भी हो चुका है विरोध: जामिया में मंगलवार को बढ़ा यह तनाव दिल्ली विश्वविद्यालय के उन कॉलेजों की घटनाओं के बाद हुआ जहां हाल ही में संघ से जुड़े कार्यक्रमों का छात्रों और शिक्षक निकायों ने कड़ा विरोध किया था।

मेलानिया के चेहरे पर विधवा जैसी चमक... भद्दे मजाक पर भड़के ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप ने जिमी किमेल के एक आपत्तिजनक मजाक को लेकर एबीसी से उन्हें नौकरी से निकालने की मांग की है। किमेल ने बृहस्पतिवार को 'जिमी किमेल लाइव' के दौरान मजाक करते हुए कहा था कि मेलानिया के चेहरे पर विधवा होने का इंतजार कर रही महिला जैसी चमक है।

मेलानिया ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, किमेल जैसे लोगों को हर शाम टीवी के जरिए घरों में घृणा फैलाने का मौका नहीं दिया जाना चाहिए। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी बाद में इसी बात को दोहराया। इस मामले पर एबीसी की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। किमेल अपनी प्रस्तुतियों के जरिए लंबे समय से राष्ट्रपति ट्रंप को निशाना बनाते रहे हैं तथा पिछले साल प्रशासन के साथ टकराव के बाद उन्होंने अपनी टिप्पणियों को और तीखा कर दिया।

गुजरात : भाजपा ने सभी 15 नगर निगमों पर किया कब्जा

अहमदाबाद, एजेंसी

- अहमदाबाद में भाजपा को 192 में से 160 सीटें, शेष 32 कांग्रेस को

गुजरात की सभी 15 नगर निगम सीटों पर 26 अप्रैल को हुए चुनाव में भाजपा ने जीत हासिल की। पार्टी ने इसके साथ मोरबी और पोरबंदर नगर निगमों में सभी 52-52 सीटें अपने नाम की हैं।

राज्य के 17 नगर निगमों में से 15 में चुनाव हुए। शेष दो निगमों का कार्यकाल अभी समाप्त होना बाकी है। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, भाजपा ने अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट, जामनगर, भावनगर, गांधीधाम, सुरेंद्रनगर, मेहसाणा, आणंद, नडियाड, नवसारी और वापी के नगर निगमों में भी जीत हासिल की। अहमदाबाद में भाजपा ने कुल 192 में से 160 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को 32 सीटें मिलीं।

पिछली बार सात सीटें जीतने वाली एआईएमआईएम इस बार खाता खोलने में भी नाकाम रही। सूरत नगर निगम में भाजपा ने 120 में से 115 सीटें हासिल कीं, जबकि कांग्रेस को केवल एक सीट मिली। पिछली बार 27 सीटें जीतने वाली आम आदमी पार्टी इस बार चार सीटों तक सिमट गई। राजकोट नगर निगम में भाजपा ने 72 में से 65 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को सात सीटें मिलीं। वडोदरा नगर निगम में भाजपा ने 76 में से 69 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस को छह और एक सीट अन्य उम्मीदवार के खाते में गई।

भाजपा ने जामनगर और भावनगर नगर निगमों में भी बड़े अंतर से जीत हासिल की। सुरेंद्रनगर और नडियाद नगर निगमों में भाजपा को केवल एक-एक सीट का नुकसान हुआ। नवसारी, गांधीधाम, मोरबी, वापी, आणंद, नडियाद, मेहसाणा, पोरबंदर और सुरेंद्रनगर जैसे नवगठित नगर निगमों में पहली बार हुए चुनाव में भी भाजपा ने जीत दर्ज की। रविवार को 15 नगर निगमों, 84 नगरपालिकाओं, 34 जिला पंचायतों और 260 तालुका पंचायतों के लिए मतदान हुआ था।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष - आज आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नई कार्ययोजनाओं को गति मिलेगी। जल्दबाजी में कोई बड़ा निवेश करने से बचें।

तुला - आज साझेदारी के कार्यों में अपेक्षित लाभ मिलेगा। नए व्यावसायिक अवसर प्राप्त होंगे। पुराने मतभेद सुलझेंगे।

वृष - आज रुका हुआ धन प्राप्त होने से होगा। परिवार के साथ सुखद समय व्यतीत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतना जरूरी है।

वृश्चिक - आज शत्रुओं पर आपकी विजय सुनिश्चित है। नौकरीपेशा को सुखद समाचार मिल सकता है। कानूनी मामलों में स्थिति पक्ष में रहेगी।

मिथुन - आज संपर्कों का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक यात्राएं सफल रहेंगी। कार्यक्षेत्र में आपकी बुद्धि और कौशल की सराहना होगी।

धनु - आज नई योजनाओं पर काम शुरू करने का सही समय है। रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन उत्तम रहेगा। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।

कर्क - आज कार्यभार बढ़ सकता है। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। मानसिक शांति के लिए थोड़ा समय एकांत में बिताएं।

मकर - आज घरेलू सुख-सुविधाओं पर धन खर्च हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। कार्यस्थल पर काम की अधिकता रहेगी।

सिंह - आज भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। अटके हुए सरकारी कार्य पूर्ण होंगे। सामाजिक मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कुंभ - आज पराक्रम में वृद्धि होगी। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। नए विचारों को साझा करने से करियर में उन्नति के नए रास्ते खुलेंगे।

कन्या - आज दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण रह सकता है। अनावश्यक खर्चों और वाद-विवाद से दूर रहें। महत्वपूर्ण निर्णय टाल देना बेहतर होगा।

मीन - आज धन संचय के प्रयास सफल होंगे। आय के नए स्रोत विकसित होंगे। परिवार में किसी धार्मिक कार्य की रूपरेखा बन सकती है।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

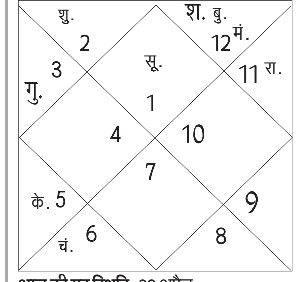

आज की ग्रह स्थिति : 29 अप्रैल, बुधवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष- शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी 19 .51 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

दिशाशूल-उत्तर, **ऋतु**- ग्रीष्म।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-हस्त 30 अप्रैल 00 .16 तक तत्पश्चात चित्रा।

सुडोकू - 133 का हल

4	3	7	1	2	9	5	8	6
6	9	8	5	7	3	2	1	4
2	5	1	6	8	4	9	3	7
5	1	2	7	4	8	6	9	3
9	7	6	3	1	2	4	5	8
3	8	4	9	5	6	1	7	2
1	6	3	4	9	7	8	2	5
8	4	5	2	3	1	7	6	9
7	2	9	8	6	5	3	4	1

सुडोकू -134

	2		4	8				
1				3			5	8
6				2		4		
		7		6				
4			2		9			
				4		8		
		3		9				
9	5							
		6	7	5	4			

कड़े कदम

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की ताजा स्थिति रिपोर्ट, ऑनलाइन ठगी के खिलाफ कड़े कदम उठाने की दी जानकारी

डिजिटल अरेस्ट के मामले में व्हाट्सएप ने बंद किए करीब 9,400 खाते

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि डिजिटल अरेस्ट घोटालों के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए दूरसंचार नियामकों, सेवा प्रदाताओं, भारतीय रिजर्व बैंक, प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों एवं सीबीआई को शामिल करते हुए बहुस्तरीय कार्रवाई की गई है। इसके अलावा व्हाट्सएप ने भी ऐसे अपराधों में शामिल 9,400 खातों पर रोक लगा दी है।

गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने अपनी विस्तृत स्थिति रिपोर्ट में इस कार्रवाई का ब्योरा दिया। यह रिपोर्ट देश में डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामलों पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के नौ फरवरी के निर्देशों के अनुपालन में दाखिल की गई है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने डिजिटल अरेस्ट के मामलों का स्वतः संज्ञान लेते हुए कई निर्देश जारी किए थे। इनमें रिजर्व बैंक, दूरसंचार विभाग और अन्य से ऐसे मामलों में मुआवजे की व्यवस्था के लिए रूपरेखा तैयार करने को लेकर संयुक्त बैठक करने को भी कहा गया था। इसी क्रम में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी के माध्यम से दाखिल स्थिति रिपोर्ट में इस वर्ष जनवरी से 12 सप्ताह में व्हाट्सएप द्वारा की गई कार्रवाई का ब्योरा दिया गया है।

प्रोफाइल में सरकारी प्रतीक चिह्नों का इस्तेमाल करने पर बंद होंगे खाते

धोखाधड़ी रोकने के लिए नए कदम

- नए खातों से कॉल आने पर दी जाएगी चेतावनी

स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा बढ़ाने के लिए कई नए कदम लागू किए जा रहे हैं। व्हाट्सएप की ओर से इनमें 'लोगो' का पता लगाने का तंत्र भी शामिल है, ताकि प्रोफाइल तस्वीरों में पुलिस या सरकारी प्रतीक चिह्नों का इस्तेमाल करने वाले खातों की पहचान कर उन्हें हटाया जा सके। व्हाट्सएप एक नई सुविधा शुरू करने पर विचार कर रहा है, जिसके तहत लोगों को नए बनाए गए या कम अवधि से सक्रिय खाते से कॉल आने पर चेतावनी दी जाएगी। इसके अलावा दूरसंचार विभाग और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने फर्जी सिम कार्ड निष्क्रिय करने के लिए नई समयसीमा निर्धारित की है और संदिग्ध सिम कार्डों की पहचान होने के दो से तीन घंटे के अंदर उन्हें ब्लॉक करने की व्यवस्था पर काम कर रही है।

संदिग्ध लेनदेन पर अस्थायी रोक लगाएंगे बैंक

रिपोर्ट के अनुसार, प्रमुख प्रस्तावों में से एक प्रस्ताव बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली लागू करना है, ताकि सिम कार्ड जारी करने की प्रक्रिया की सभी नेटवर्क पर निगरानी की जा सके। दूरसंचार विभाग दिसंबर 2026 तक इसे लागू करेगा। रिजर्व बैंक ने एक एसओपी बनाई है, जिसमें बैंकों को संदिग्ध लेनदेन पर अस्थायी रोक लगाने का निर्देश दिया गया है, ताकि धन हस्तांतरण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले फर्जी या मध्यस्थ खातों की गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके।

10 करोड़ की ठगी की जांच सीबीआई करेगी

रिपोर्ट के मुताबिक सीबीआई ने डिजिटल अरेस्ट मामले की जांच अपने हाथ में लेने के लिए 10 करोड़ रुपये के नुकसान की सीमा तय की है।

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हल्द्वानी, बुधवार,29 अप्रैल 2026

> दिल्ली कैपिटल्स के लिए घबराने का समय नहीं है बल्कि उन्हें यह सब भूलकर नए सिरे से शुरुआत करनी होगी। डीडी के खिलाड़ी सब कुछ भूलकर आगे बढ़ें, सकारात्मक क्रिकेट खेलें। यह सुनिश्चित करें कि ड्रेसिंग रूम में बहुत सकारात्मक माहौल बना रहे। –पियूष चावला

IPL 2026

आज के मुकाबले

सनराइजर्स हैदराबाद

बनाम

मुंबई इंडियंस

समय - शाम 7:30 बजे

पीएम ने बीसीसीआई की छह इंडोर क्रिकेट अकादमियों का किया उद्घाटन

गंगटोक, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पूर्वोत्तर भारत में छह अत्याधुनिक इंडोर क्रिकेट अकादमियों का उद्घाटन किया जो इस क्षेत्र में क्रिकेट के बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के कार्यक्रम का हिस्सा हैं।

ये अकादमियां रंगपो (सिक्किम), दोइमुख (अरुणाचल प्रदेश), इंफाल (मणिपुर), मदनकुरक्लांग (मेघालय), आइजोल (मिजोरम) और दीमापुर (नगालैंड) में स्थित हैं। बीसीसीआई ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ‘ प्रधानमंत्री ने सिक्किम के गंगटोक में एक राजकीय समारोह के दौरान इन सुविधाओं का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया।

यह खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और पूर्वोत्तर क्षेत्र की अपार खेल क्षमता को सामने लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'' उद्घाटन समारोह में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (अईसीसी) के चेयरमैन जय शाह और बीसीसीआई के पदाधिकारी मौजूद थे जबकि पूर्वोत्तर के अन्य पांच राज्यों के प्रशासक वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए इस कार्यक्रम से जुड़े। बीसीसीआई ने कहा, ''इस परियोजना की परिकल्पना बीसीसीआई द्वारा की

गंगटोक में एक समारोह के दौरान वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन करते पीएम मोदी।

गई थी और इसे जय शाह के नेतृत्व में आगे बढ़ाया गया। उन्होंने अपने सचिव कार्यकाल के दौरान इस पर विशेष ध्यान दिया जिसका मुख्य उद्देश्य उभरते हुए क्षेत्रों में क्रिकेट के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना था।'' उन्होंने कहा, ''इन अकादमियों की आधारशिला मई 2024 में शाह द्वारा रखी गई थी। इसके साथ ही पूर्वोत्तर क्षेत्र में विश्व स्तरीय क्रिकेट बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए एक सुनियोजित प्रयास की शुरुआत हुई।'' इन अकादमियों को हाई परफोर्मेंस सेंटर के तौर पर डिजाइन किया गया है।

इनमें इंडोर अभ्यास पिच, अत्याधुनिक जिम, तापमान-नियंत्रित तैराकी पूल और प्रशासन तथा प्रशिक्षण के लिए अलग से ब्लॉक बनाए गए हैं। ये सुविधाएं खिलाड़ियों को पूरे साल प्रशिक्षण की सुविधा देंगी। इससे विशेष रूप से इस क्षेत्र में लंबे समय तक चलने वाले मॉनसून के कारण आने वाली चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। साथ ही खिलाड़ियों को पेशेवर प्रशिक्षण के लिए देश के अन्य हिस्सों में जाने की जरूरत भी काफी हद तक कम हो जाएगी। बीसीसीआई के अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने कहा, ''यह पहल क्रिकेट के बुनियादी ढांचे को हर क्षेत्र तक पहुंचाने और इस खेल के लिए एक मजबूत, अधिक समावेशी नींव बनाने के हमारे साफ इरादे को दिखाती है।'' उन्होंने कहा, ''यह इस बात को पक्का करने की दिशा में भी एक अहम कदम है कि पूर्वोत्तर के उभरते हुए क्रिकेटरों को भी देश में किसी अन्य जगह की तरह ही अच्छे स्तर की सुविधाएं मिलें।''

ऑरेंज कैप

- **अभिषेक शर्मा** हैदराबाद –380 रन
- **केएल राहुल** दिल्ली–358 रन
- **वैभव सूर्यवंशी** राजस्थान–357 रन

पर्पल कैप

- **भुवनेश्वर कुमार** आरसीबी–14 विकेट
- **अंशुल कंबोज** चेन्नई –14 विकेट
- **इशान मलिंगा** हैदराबाद–14 विकेट

हाईलाइट

भारतीय भारोत्तोलकों ने जीते चार स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। भारतीय भारोत्तोलकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए समोआ के अपिया में चल रही राष्ट्रमंडल युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप और संबंधित यूनिवर्सल कप (सीनियर) में प्रतियोगिता के दूसरे दिन चार स्वर्ण पदक जीते। सुनील सिंह ने 65 किलोग्राम पुरुष वर्ग में कुल 271 किलोग्राम (स्नैच में 126 किलोग्राम और क्लीन एवं जर्क में 145 किलोग्राम) भार उठाकर स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि ऐसांगफा गोगोई ने 58 किलोग्राम महिला वर्ग में और अभिनव गोगोई ने 71 किलोग्राम पुरुष वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। ऐसांगफा ने कुल 185 किलोग्राम (स्नैच में 79 किलोग्राम और क्लीन एवं जर्क में 106 किलोग्राम) भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि अभिनव ने कुल 284 किलोग्राम (स्नैच में 129 किलोग्राम और क्लीन एवं जर्क में 155 किलोग्राम) भार उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यूनिवर्सल कप में अरुणाचल प्रदेश के चारू पेसी ने पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में 289 किलोग्राम (स्नैच में 127 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 162 किलोग्राम) के कुल भार के साथ स्वर्ण पदक जीता।

विस्मया व श्रीनिवास को नाडा ने किया प्रतिबंधित

नई दिल्ली : एशियाई खेलों 2018 में चार गुणा 400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय धाविका वी.के. विस्मया को प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन में दोषी पाए जाने के करीब दो साल बाद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल ने दो साल के निलंबन की सजा सुनाई है। विस्मया 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने वाली भारतीय महिला रिले टीम का हिस्सा थीं। उनके नमूने में प्रतिबंधित पदार्थ क्लोमिफीन की पुष्टि होने के बाद 2024 में उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित किया गया था। यह पदार्थ हार्मोन और मेटाबोलिक मॉड्यूलेटर श्रेणी में आता है और खिलाड़ी के लिए हर समय प्रतिबंधित है। उनका नमूना 15 अगस्त 2024 को कोच्चि के पास पेरुंबवूर स्थित उनके घर पर प्रतियोगिता से बाहर परीक्षण के दौरान लिया गया था।

सिल्वा और उनके कार्यकारी परिषद के सदस्यों ने दिया इस्तीफा

कोलंबो। आलोचनाओं का सामना कर रहे श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा और उनकी कार्यकारी समिति के सदस्यों ने मंगलवार को यहां एक विशेष बैठक में अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। यह कदम उस समय उठाया गया जब देश के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने नए प्रशासन के गठन की मांग की थी। कार्यकारी समिति के एक सूत्र ने बताया कि करीब तीन घंटे चले विचार–विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया। समिति के सदस्य हालांकि इस बारे में चुप्पी साधे रहे कि खेल मंत्री सुनील कुमारा गामगे को इस्तीफा सौंपने के बाद आगे क्या कदम उठाए जाएंगे। राष्ट्रपति के इस्तीफा देने के आग्रह के बाद यह अहम बैठक सिल्वा ने ही बुलाई थी।

राजस्थान के खिलाफ पंजाब ने बनाए 222 रन

आईपीएल : प्रभसिमरन सिंह और मार्कस स्टोइनिस के आतिशी अर्धशतकों से पंजाब हुआ मजबूत

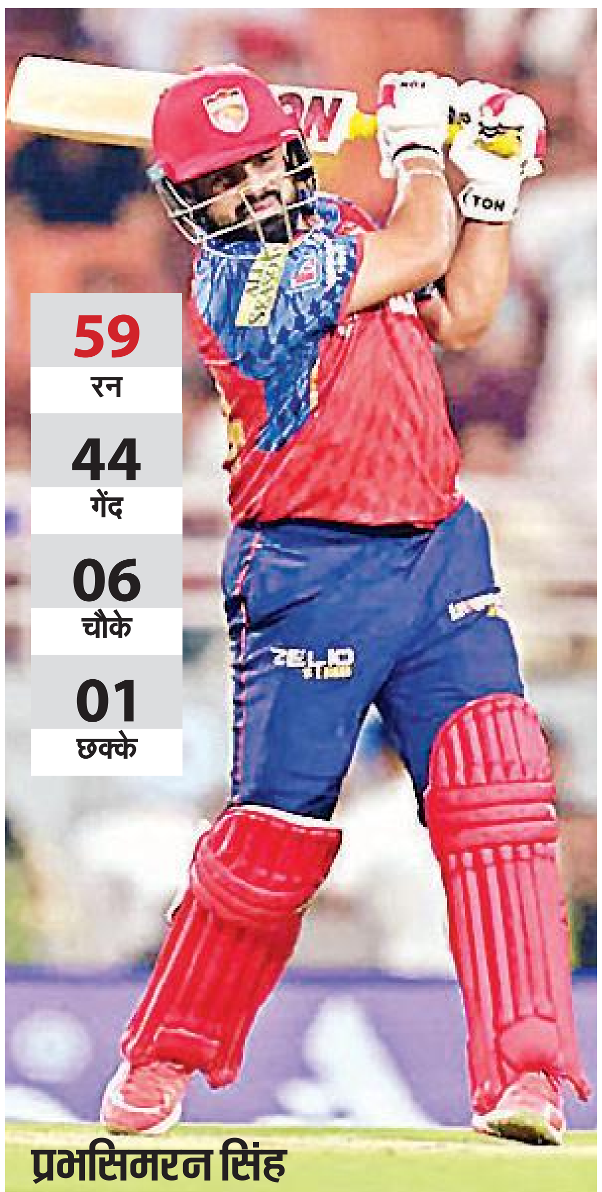

प्रभसिमरन सिंह

मुल्लांपुर, एजेंसी।

प्रभसिमरन सिंह (59) और मार्कस स्टोइनिस (नाबाद 62) के आतिशी अर्धशतकों से पंजाब किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मंगलवार को आईपीएल मुकाबले में चार विकेट पर 222 रन का मजबूत स्कोर बना लिया। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी कर रहे पंजाब के लिए सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन ने 44 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाया जबकि स्टोइनिस ने ज्यादा तीखे तेवर दिखाते हुए मात्र 22 गेंदों में चार चौके और छह छक्के उड़ाए। प्रभसिमरन के 59 रन, प्रियांश आर्य के 29, कोनोली और अय्यर के 30-30 और स्टॉयनिस के 22 गेंद पर 62 धुआंधार रनों की बदौलत पंजाब ने 222 रन बना दिए।

मिडिल ओवर्स में रन गति धीमी हुई थी लेकिन आख़िर के ओवर्स में स्टोइनिस ने काफी धमाकेदार बल्लेबाजी की। आख़िरी 3 ओवर में 55 रन बने। स्टोइनिस ने आखिरी ओवर में 24 रन जड़े जिसमें तीन चौके और दो छक्के शामिल थे। शुरुआत में, प्रियांश ने दूसरे ओवर में आंद्रे बर्गर की जमकर धुनाई की और 21 रन बनाए, लेकिन जोफ्रा आर्चर ने अगले ही ओवर में उन्हें आउट करके तुरंत पलटवार किया। इसके बाद प्रभसिमरन और कोनोली ने मिलकर 50 से ज़्यादा रनों की तेज़ साझेदारी की, जिससे मध्यक्रम के लिए एक मजबूत नींव रखी गई। लेकिन प्रभसिमरन के आउट होने

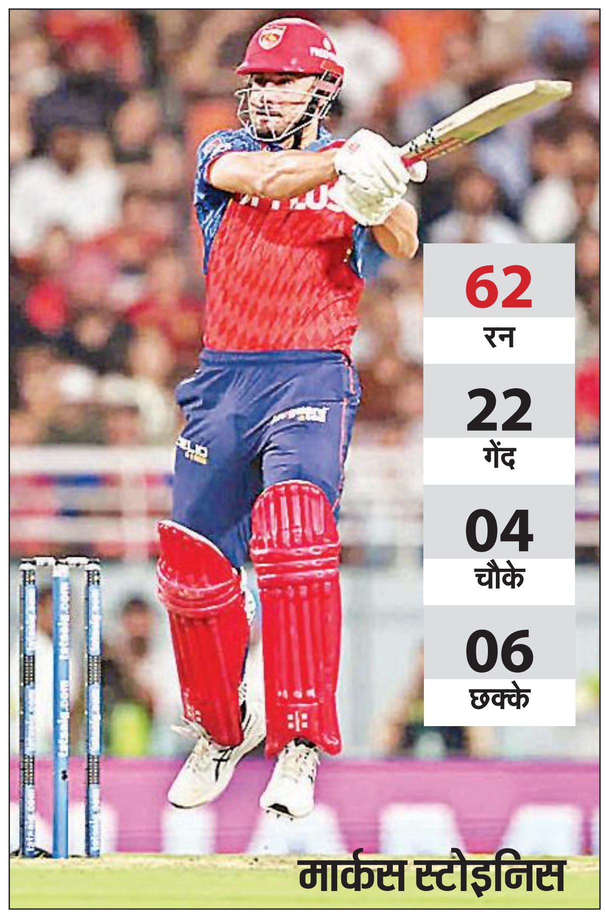

मार्कस स्टोइनिस

से खेल की गति थोड़ी धीमी पड़ गई, जिसके बाद स्टोइनिस ने मोर्चा संभाला और यह सुनिश्चित किया कि मिली हुई मज़बूत शुरुआत बेकार न जाए।

उनकी 22 गेंदों में खेली गई 62 रनों की तूफ़ानी पारी ने पंजाब किंग्स को इस पिच पर एक औसत स्कोर माने जाने वाले आंकड़े से भी कहीं आगे पहुंचा दिया है। जैसे-जैसे गेंद पुरानी होती जा रही है, वह बल्ले पर उतनी अच्छी तरह से नहीं आ रही है, और धीमी गेंदें पिच पर रुककर आ रही हैं। राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाज़ आखिरी ओवरों में इन विविधताओं को ठीक से इस्तेमाल नहीं कर पाए, और यह उन्हें काफ़ी महंगा पड़ा।

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	7	6	0	1	13	1.333
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	8	6	2	0	12	1.919
3.	सनराइज़र्स हैदराबाद	8	5	3	0	10	0.815
4.	राजस्थान रॉयल्स	8	5	3	0	10	0.602
5.	गुजरात टाइटंस	8	4	4	0	8	-0.475
6.	चेन्नई सुपर किंग्स	8	3	5	0	6	-0.121
7.	दिल्ली कैपिटल्स	8	5	4	0	6	-1.060
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	8	2	5	1	5	-0.751
9.	मुंबई इंडियंस	7	2	5	0	4	-0.736
10.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	8	2	6	0	4	-1.106

हैदराबाद की बल्लेबाजी को रोकना मुंबई के लिए चुनौती

मुंबई, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग का 41वां मैच एक ज़बरदस्त "बचने बनाम आगे बढ़ने" का मुकाबला होने वाला है, जिसमें मुंबई इंडियंस मंगलवार को वानखेड़े स्टेडियम में शानदार फॉर्म में चल रही सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी। मुंबई के लिए समीकरण सीधा है, लेकिन मुश्किल भी। सात मैचों में सिर्फ़ दो जीत के साथ, पाँच बार की चैंपियन टीम टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर है और उसे प्लेऑफ़ की उम्मीदें ज़िंदा रखने के लिए हर हाल में जीत हासिल करनी होगी।

इस सीजन में टीम का प्रदर्शन काफ़ी उतार-चढ़ाव भरा रहा है; बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी, दोनों ही विभाग एक साथ मिलकर अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं। एक और हार टूर्नामेंट में उनके आगे बढ़ने की संभावनाओं को लगभग पूरी तरह से खत्म कर सकती है। कप्तान हार्दिक पंड्या के नेतृत्व की कड़ी परीक्षा होने वाली है, क्योंकि उन्हें अपनी खराब प्रदर्शन कर रही टीम को एकजुट करके आगे बढ़ाना है। रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की वापसी और मौजूदगी से ऊपरी क्रम को कुछ राहत मिली है, जबकि टीम पारी को संभालने और गति देने के लिए सूर्यकुमार यादव की शानदार बल्लेबाज़ी और स्ट्रोक-प्ले पर काफ़ी हद तक निर्भर रहेगी। हालाँकि, मुंबई की मुश्किलें सिर्फ़ बल्लेबाज़ी तक ही सीमित नहीं हैं। जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाले गेंदबाज़ी आक्रमण में वह पैनापन और नियंत्रण देखने को नहीं मिला है, जिसके लिए वह आमतौर पर जाने जाते हैं।

हम पिछले मैच की निराशा से उबर ही नहीं पाए थे : अक्षर पटेल

नई दिल्ली, एजेंसी

शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने पंजाब किंग्स के ख़िलाफ़ 264 रनों का पहाड़ सा स्कोर बनाया था, लेकिन फिर भी उन्हें हार का सामना करना पड़ा। दो दिन बाद सोमवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के ख़िलाफ़ उसी बल्लेबाज़ी क्रम का स्कोर चौथे ओवर में आठ रन पर छह विकेट था और जॉश हेज़लवुड व भुवनेश्वर कुमार की टेस्ट मैचों

जैसी गेंदबाज़ी के सामने डीसी की पूरी टीम सिर्फ़ 16.3 ओवरों में ही 75 रन पर ऑलआउट हो गई। डीसी के कप्तान अक्षर पटेल ने ना सिर्फ़ ख़राब बल्लेबाज़ी, बल्कि पिछले मैच की निराशा और ख़राब क़िस्मत को भी इस प्रदर्शन का दोष दिया। प्रेस कॉन्फ़्रेंस में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, "पिछले मैच में जो हुआ, उसकी वजह से मुझे लगता है कि टीम में थोड़ी झिझक थी। इतने रन बनाने के बाद अगर आप देखोगे तो 10 में से नौ बार किसी टीम को जीत मिलती है। लेकिन उस हार के बाद हमें लगा कि हम यह विशाल टोटल भी डिफ़ेंड नहीं कर सकते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, "इसके अलावा हमारी क़िस्मत भी इस मैच में ख़राब थी। ऐसा नहीं हुआ कि कोई बल्लेबाज़ सेट होकर आउट हुआ।

ज्वेरेव ने मैड्रिड में लगातार 9वीं जीत की दर्ज

मैड्रिड, एजेंसी

अलेक्जेंडर ज्वेरेव सोमवार रात मैड्रिड ओपन में दबाव के बावजूद डटे रहे। उन्होंने मैच के आखिरी पलों में आई थोड़ी सी मुश्किल का सामना करते हुए एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपनी शानदार बढ़त को जारी रखा। दूसरी वरीयता प्राप्त जर्मन खिलाड़ी दूसरे सेट में 5-3 के स्कोर पर मैच खत्म करने वाली सर्विस नहीं कर पाए, जब टेरेंस आत्मान ने मैच का पासा पलटने की कोशिश की, लेकिन ज्वेरेव ने खुद को संभाला और 6-3, 7-6(2) से जीत हासिल की। मनोलो सैन्टाना

स्टेडियम में 1 घंटे 37 मिनट तक चले इस मैच में जीत के साथ, दो बार के मैड्रिड चैंपियन ज्वेरेव ने इस टूर्नामेंट में अपने नौवें प्रयास में नौवीं बार अंतिम 16 में जगह बनाई है। 2025 सीजन की शुरुआत थोड़ी उतार-चढ़ाव भरी रही थी-जिसमें ऑस्ट्रेलियन ओपन के फ़ाइनल तक का सफर शामिल था।

मैड्रिड ओपन के क्वार्टर-फाइनल में सिनर

- जानिक सिनर ने मंगलवार को यहाँ 2026 मैड्रिड ओपन के राउंड ऑफ़ 16 में ग्रेट ब्रिटेन के कैमरन नॉरी को सीधे सेटों में 6–2, 7–5 से आसानी से हरा दिया और अगले मुकाबले में, सिनर सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए राफेल जोडर या विट कोप्रिवा में से किसी एक का सामना करेंगे। क्वार्टर फाइनल के मुकाबले 29 और 30 अप्रैल को होंगे, जबकि फाइनल 3 मई को खेला जाएगा।

महिला टी20 रैंकिंग | भारत की युवा खिलाड़ी श्री चरणी ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की

पांचवें स्थान पर खिसकीं स्मृति, दीप्ति चौथे स्थान पर

ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा

दुबई, एजेंसी

भारत की उप कप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को जारी आईसीसी की नवीनतम महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में एक स्थान नीचे खिसककर पांचवें स्थान पर आ गईं जबकि ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गईं।

बल्लेबाजों की सूची में अन्य महत्वपूर्ण बदलावों में भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर शामिल हैं जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में संपन्न श्रृंखला में 169 रन बनाने के बाद एक स्थान के फायदे से 646 अंक के साथ फिर से शीर्ष 10 में शामिल हो गई हैं। वहीं ऋचा घोष दो स्थान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं और उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 786 रेटिंग अंक हासिल किए हैं। अब वह दूसरे स्थान पर मौजूद बेथ मूनी से सिर्फ दो रेटिंग अंक पीछे हैं। जॉर्जिया वोल 815 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। वोलवार्ट ने 56 गेंद में नाबाद 92 रन बनाकर भारत के खिलाफ पांच मैच की श्रृंखला का अंत 330 रन के साथ किया जो किसी भी महिला द्विपक्षीय टी20 श्रृंखला में किसी एक खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन हैं। उनकी टीम ने श्रृंखला 4-1 से जीती। टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। इस सूची में पाकिस्तान की स्पिनर सादिया इकबाल शीर्ष पर बनी हुई हैं जबकि टी20 विश्व कप से पहले भारत की ऑलराउंडर दीप्ति और दक्षिण अफ्रीका की स्पिनर नॉनकुलुलेको मलाबा संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। भारत की युवा खिलाड़ी श्री चरणी ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। बेनोनी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के अंतिम मैच में दो विकेट लेने के बाद बाएं हाथ की यह गेंदबाज 12 स्थान की छलांग लगाते हुए 11वें पायदान पर हैं।

थॉमस–उबेर कप : चीन की पुरुष और महिला टीमों ने दर्ज की जीत

होरसेंस (डेनमार्क),एजेंसी

चीन की पुरुष और महिला दोनों टीमों ने सोमवार को 2026 थॉमस और उबेर कप फ़ाइनल में कड़े मुकाबले में जीत दर्ज की, और व्यस्त कार्यक्रम तथा देर रात की मुश्किलों पर काबू पाया। थॉमस कप के ग्रुप ए के दूसरे दौर में, चीन ने कनाडा को 4-1 से हराया, जबकि उसकी शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी शी यूकी बीमारी के कारण देर से मुकाबले से हट गई थीं। शी, जिन्हें चीन की शीर्ष एकल खिलाड़ी के रूप में सूचीबद्ध किया गया था, को टीम सूची जमा होने के बाद पेट की समस्या हो गई थी।

टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार, एक बार टीमों की सूची का आदान-प्रदान हो जाने के बाद उसमें कोई बदलाव नहीं किया जा सकता। अपनी शारीरिक स्थिति और आगे होने वाले मैचों को देखते हुए, शी ने मुकाबले से हटने का फैसला किया, जिससे कनाडा को शुरुआती 1-0 की बढ़त मिल गई। चीन की शीर्ष युगल जोड़ी लियांग वेइकिंग और वांग चांग ने शुरुआती कड़ा गेम 24-22 से जीता, और फिर मैच को 21-14 से अपने नाम कर लिया। इसके बाद ली शिफेंग ने ब्रायन यांग को 2-1 से हराकर चीन को बढ़त दिला दी। युगल की दूसरी जोड़ी हे जिटिंग और रेन शियांग्यू, तथा एकल खिलाड़ी वेंग होंगयांग, दोनों ने शेष मुकाबलों में सीधे गेम में जीत हासिल करके टीम की कुल जीत सुनिश्चित की।

भारत का उबेर कप में सफर ग्रुप स्टेज में ही खत्म

- भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने उबेर कप 2026 के ग्रुप ए के अपने आखिरी मैच में चीन के ख़िलाफ ज़ोरदार प्रदर्शन किया, लेकिन 5–0 से हारकर ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई। भारत, जो डेनमार्क से 3–2 से मामूली हार और यूक्रेन पर 4–1 की जीत के बाद इस मुक़ाबले में उतरा था, उसे क्वार्टर–फ़ाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए जीत की जरूरत थी। ग्रुप की शीर्ष दो टीमें – चीन और मेजबान डेनमार्क – आगे बढ़ गईं, जबकि भारत यूक्रेन से आगे तीसरे स्थान पर रहा। बैडमिंटन रैंकिंग में 12वें स्थान पर मौजूद पीवी सिंधु ने सोमवार को शुरुआती सिंगल्स मैच में दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग झीयी को कड़ी टक्कर दी। पूर्व विश्व चैंपियन ने निर्णायक गेम के बड़े हिस्से पर अपना दबदबा बनाए रखा और 18–12 की बढ़त बना ली, लेकिन वांग झीयी ने लगातार सात अंक बनाकर 21–16, 19–21, 21–19 से जीत हासिल कर ली।